page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/1/2025 12:10 AM Page 1

3 जम्मू के दीपक डोगरा बने चेन्नई सिंगम्स के आइकॉन प्लेयर
5 जयंत चौधरी ने भारत के खेल सामग्री उद्योग को मजबूत करने के लिए स्पोर्टएज मेरठ का शुभारंभ किया
8 दिसंबर में बोई जाने वाली फसलें

epaper.dehatsandesh.com

मौसम जम्मू न्यूनतम 9 अधिकतम 19

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-294 | जम्मू तवी, सोमवार 01 दिसम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

पुलिस की पेशेवर छवि सुधारकर जनता की धारणा बदलें: पीएम मोदी ने DGPs को दिया निर्देश

रायपुर, 30 नवम्बर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को विजन 2047 की दिशा में पुलिसिंग के लिए रोडमैप का व्यापक परिचय देते हुए देश के शीर्ष पुलिस अधिकारियों से अपील की कि वे पेशेवर क्षमता, संवेदनशीलता और जवाबदेही बढ़ाकर पुलिस के प्रति जनता की धारणा बदलें और विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करें।

मोदी ने यहां 60वें अखिल भारतीय निदेशक जनरल/अधीक्षक जनरल पुलिस सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस नेतृत्व को अपनी पुलिसिंग शैली को एक विकसित राष्ट्र की आकांक्षाओं के अनुरूप पुनः संरेखित करने की आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विशेष रूप से युवाओं के बीच पुलिस के प्रति जनता की धारणा बदलने के लिए पेशेवर क्षमता, संवेदनशीलता और जवाबदेही बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता है।

सम्मेलन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवल और केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के DGP और IGP, CAPFs और केंद्रीय पुलिस संगठनों के प्रमुख सम्मेलन में भौतिक रूप से शामिल हुए, जबकि देशभर से 700 से अधिक अधिकारी विभिन्न रैंकों में वर्चुअली जुड़े।

प्रधानमंत्री ने शहरी पुलिसिंग को मजबूत करने, टूरिस्ट पुलिस को पुनर्जीवित करने और तीन नए आपराधिक कानूनों — **भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता — के प्रति जनता में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

इन कानूनों ने औपनिवेशिक काल के भारतीय दंड संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और दंड प्रक्रिया संहिता को प्रतिस्थापित किया है।

मोदी ने कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए, जिसमें समुद्री और आंतरिक सुरक्षा में सामूहिक दृष्टिकोण अपनाने, नई तकनीक का उपयोग करने, न्यायिक सुधारों की जानकारी फैलाने और नशा विरोधी अभियान चलाने पर जोर दिया गया।

उन्होंने लिखा इस साल का DGP/IGP सम्मेलन अत्यंत उत्पादक रहा। हमने विकसित भारत- सुरक्षा आयाम थीम के अनुरूप विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। पुलिस बलों के मामले में पेशेवर क्षमता, संवेदनशीलता और जवाबदेही पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

सर्वदलीय बैठक में सरकार ने विपक्ष से की सहयोग की अपील

नई दिल्ली, 30 नवंबर। सरकार ने सोमवार से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र से एक दिन पहले हुई सर्वदलीय बैठक को सौहार्दपूर्ण बताते हुए उम्मीद जतायी है कि सत्र के सुचारू संचालन में सभी दलों का सहयोग मिलेगा। बैठक में विपक्षी नेताओं ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मुद्दा उठाया। इसके अलावा विपक्ष ने सुरक्षा, लोकतंत्र और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी अपनी बात रखी। सरकार ने विपक्ष से सहयोग की अपील करते हुए आश्वासन दिया कि सरकार विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे सभी मुद्दों पर विचार करेगी।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रविवार को संसद भवन के संसदीय सौध में आयोजित बैठक में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, राज्यसभा में नेता सदन जेपी नड्डा, संसदीय कार्य राज्यमंत्री अर्जुनराम मेघवाल, लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई सहित विभिन्न पार्टियों के फ्लोर लीडर ने भाग लिया। संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू ने बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि इस सत्र के दौरान विधायी और अन्य कामकाज को मिलाकर 14 मदों की पहचान की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार दोनों सदनों के नियमों के अनुसार सदनों के पटल पर किसी भी अन्य महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार है। रिजिजू ने कहा कि बैठक सोहार्दपूर्ण महौल में सम्पन्न हुई। विपक्ष ने अपनी ओर से कई मुद्दे उठाए और सुझाव रखे। इन पर चर्चा के बाद आज शाम होने वाली कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में इन्हें रखा जाएगा। वे सरकार की ओर से आश्वासन देते हैं कि हम विपक्ष के साथ सभी मुद्दों पर बातचीत करेंगे और उनसे अपेक्षा करते हैं कि संसद को सुचारू ढंग से संचालित करने में वे सहयोग करेंगे। एसआईआर के मुद्दे पर रिजिजू ने कहा कि वे इस समय इस पर कुछ नहीं कहेंगे। शाम को कार्यमंत्रणा समिति की बैठक होगी जिसमें कुछ मुद्दों पर सहमति बन सकती और कुछ मुद्दे चेयर के समक्ष उनकी अनुमति के लिए भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष एसआईआर के मुद्दे पर संसद नहीं चलने देगा ऐसा कोई विषय बैठक में नहीं आया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में गतिरोध संभव है और अगल-अलग एजेंडा होने के कारण मतभेद भी संभव हैं लेकिन हम विपक्ष से अनुरोध करते हैं कि वे सदन को सुचारू रूप से चलाने में सहयोग करेंगे।

बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नेताओं को सूचित किया कि संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार, एक दिसंबर से शुरू होगा और सरकारी कामकाज की तात्कालिकता के अधीन सत्र शुक्रवार, 19 दिसंबर को समाप्त हो सकता है। सत्र में कुल 19 दिनों की अवधि में 15 बैठकें होंगी।

जम्मू कश्मीर मुख्य न्यायाधीश ने उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की समितियों का पुनर्गठन किया

जम्मू,30 नवंबर। जम्मूकश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति अरुण पल्ली ने हाल ही में 29 नवंबर, 2025 को माननीय न्यायाधीशों की समितियों के पुनर्गठन के संबंध में एक आदेश जारी किया है। जबकि पुनर्गठन की पुष्टि करने वाला आदेश जारी कर दिया गया है, सभी समितियों की नई संरचना का विशिष्ट विवरण इस समय सार्वजनिक खोज परिणामों में तुरंत उपलब्ध नहीं है। आधिकारिक उच्च न्यायालय की वेबसाइट आदेश अनुभाग से पता चलता है कि नवीनतम आदेश 29 नवंबर, 2025 को जारी किया गया था, लेकिन सभी परिवर्तनों का विवरण देने वाली पूरी सामग्री पूरी तरह से स्निपेट्स में प्रदर्शित नहीं की गई है। पिछला पुनर्गठन मार्च और मई 2025 में न्यायिक स्थानान्तरण के बाद हुआ था, जिसने प्रशासनिक समिति और अभिगम्यता समिति जैसी समितियों को समायोजित किया था। इन पहले के बदलावों में न्यायमूर्ति संजीव कुमार और न्यायमूर्ति सिंधु शर्मा जैसे न्यायाधीश शामिल थे। नवगठित समितियों की सबसे सटीक और पूरी सूची के लिए, जम्मू और कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट का संदर्भ लेना और 29 नवंबर, 2025 के आदेश की जांच करना सबसे अच्छा है, विशेष रूप से आदेश संख्या। 2025 का 1762/आरजी। एआई प्रतिक्रियाओं में गलतियाँ शामिल हो सकती हैं। कानूनी सलाह के लिए किसी पेशेवर से परामर्श करें।

मन की बात- प्रधानमंत्री ने लोगों को काशी तमिल संगम के लिए किया आमंत्रित

नई दिल्ली, 30 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में लोगों को दो से 15 दिसंबर तक काशी में आयोजित होने वाले चौथे काशी तमिल संगमम में आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि यह संगमम तमिल भाषा और संस्कृति से जुड़े लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बन चुका है। उन्होंने जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति को तंजावुर की चोलकालीन कला पर आधारित नटराज की कांस्य प्रतिमा भेंट किए जाने का भी कार्यक्रम के दौरान उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' के 128वें एपिसोड में कहा कि विश्व की सबसे पुरानी भाषा और विश्व के सबसे प्राचीन शहरों में से एक शहर दोनों का संगम हमेशा अद्भुत होता है। इस बार के काशी-तमिल संगमम की थीम तमिल सिखो (तमिल करकलम्) है। उन्होंने कहा, फ्रआप सभी से आग्रह है कि आप काशी-तमिल संगमम का हिस्सा जरूर बनें। इसके साथ ही ऐसे और भी मंचों के बारे में सोचें, जिनसे 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना मजबूत हो। .. तमिल कलाच्चारम उयर्वानद्, तमिल मोलि उयर्वानद्, तमिल इन्दियाविन पेरूमिदम्। प्रधानमंत्री ने बौद्ध अवेशेषों को दुनिया के कई देशों में ले जाए जाने को भाव विभोर कर देने वाला बताया। उन्होंने कहा कि भूटान के लोग भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष भेजे जाने को लेकर भारतवासियों का आभार जता रहे थे। ऐसा ही उत्साह कई अन्य देशों में देखने को मिला।

पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी मॉड्यूल का खुलासा, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली, 30 नवंबर। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक अंतरराष्ट्रीय आतंकी मॉड्यूल का खुलासा करते हुए तीन आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। स्पेशल सेल की जांच में सामने आया है कि यह नेटवर्क पाकिस्तान में बैठे शहजाद भट्टी के निर्देशन में काम कर रहा था, जो वहां की खुफिया एजेंसी के इशारे पर भारत में हमलों की साजिशें रच रहा था। स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद कुमार कुशवाहा ने रविवार को पुलिस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता कर बताया कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है जिसे एक पाकिस्तानी नागरिक शहजाद भट्टी लीड कर रहा था। शहजाद भट्टी एक गैंगस्टर है जो अभी पाकिस्तान की इंटेलिजेंस एजेंसी के इशारे पर काम कर रहा है। उक्त मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उनमें से एक पंजाब का हरगुनप्रीत सिंह है। दूसरा विकास प्रजापति है जो मध्य प्रदेश के दतिया का है और तीसरा आरिफ है जो उत्तर प्रदेश के बिजनौर का रहने वाला है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने बताया कि हाल ही में 25 तारीख को गुरदासपुर सिटी पुलिस स्टेशन के सामने एक हैंड ग्रेनेड फेंका गया था, यही लड़के उस

घटना में शामिल थे। इसके अलावा, स्पेशल सेल की जांच में यह भी पता चला है कि यह मॉड्यूल देश के कई अन्य संवेदनशील स्थानों पर हमले की तैयारी कर चुका था। आरोपितों ने कई जगहों की रेकी की थी और वहां की वीडियोग्राफी भी की थी, ताकि आगे ग्रेनेड हमलों को अंजाम दिया जा सके। शहजाद भट्टी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और अपने अन्य संपर्कों के जरिए युवाओं को बहला-फुसलाकर इस नेटवर्क में शामिल कर रहा था। विदेश में बैठकर वह सीधे इस ग्रुप से संपर्क में रहता था और आतंकवादी गतिविधियों को संचालित करता था। स्पेशल सेल के अनुसार, इस मॉड्यूल से जुड़े एक-दो और लिंक की पहचान हुई है, जिन्हें पंजाब पुलिस के साथ साझा किया जा रहा है। आगे की कार्रवाई में उन लोगों की भी गिरफ्तारी की जाएगी। आरोपित विकास प्रजापति के पास से एक पिस्तौल और कारतूस बरामद हुआ है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने बताया कि इस कार्रवाई से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी नेटवर्क पर बड़ी चोट लगी है और कई संभावित हमलों को समय रहते रोकने में सफलता मिली है। गुरदासपुर पुलिस स्टेशन पर ग्रेनेड अटैक से जुड़ा था मॉड्यूल

स्पेशल सेल ने खुलासा किया कि यह मॉड्यूल 25 नवंबर को गुरदासपुर सिटी पुलिस स्टेशन के बाहर हुए ग्रेनेड हमले में शामिल था। यह हमला पाकिस्तान के शार्प हैंडलिंग और सोशल मीडिया के जरिए बनाए गए नेटवर्क के आधार पर किया गया था।

पकड़े गए आरोपित—

-विकास प्रजापति उर्फ बेटू (19), निवासी दतिया, मध्य प्रदेश।= -हरगुनप्रीत सिंह उर्फ गुरकरनप्रीत (19), निवासी फिरोजपुर, पंजाब। -आसिफ उर्फ आरिश (22), निवासी बिजनौर, उत्तर प्रदेश पुलिस ने इनके कब्जे से एक सेमी-ऑटोमेटिक पिस्टल, 10 जिंदा कारतूस और मोबाइल फोन बरामद किया है, जिनमें पाकिस्तान आधारित मॉड्यूल से जुड़े चैट और रेकी वीडियो मिले हैं।

सीबीके ने नौकरी घोटाले में पुलिस अधिकारी के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया

जम्मू रविवार,30 नवंबर। अपराध शाखा कश्मीर की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने एक पुलिस अधिकारी के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप पत्र दायर किया है, जिस पर नौकरी घोटाला चलाने और सरकारी पदों का वादा करके अनजान उम्मीदवारों से धोखाधड़ी से पैसे निकालने का आरोप है। एक बयान में, क्राइम ब्रांच कश्मीर की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने एफआईआर नं. 15/2025 विशेष मोबाइल मजिस्ट्रेट, पुलवामा की माननीय अदालत के समक्ष आईपीसी की धारा 420 के तहत, नरू रत्नीपोरा, पुलवामा निवासी अब्दुल राशिद डार के बेटे रियाज अहमद डार के खिलाफ कथित धोखाधड़ी और भ्रष्ट प्रथाओं के मामले में। बयान में कहा गया है कि, मामला ईओडब्ल्यू श्रीनगर द्वारा विश्वसनीय जानकारी की प्राप्ति से उत्पन्न होता है, जो दर्शाता है कि एचसी रियाज अहमद डार (बेल्ट नं। 53/आईआरपी 21वीं बटालियन, एआरपी नं. 993957) ने कथित तौर पर सरकारी नौकरी देने के बहाने कई निर्दोष व्यक्तियों को धोखा देने के लिए एक पुलिस अधिकारी के रूप में अपने पद का दुरुपयोग किया था। सूचना पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस स्टेशन ईओडब्ल्यू श्रीनगर में प्रारंभिक जांच शुरू की गई। जांच में प्रथम दृष्टया सबूत सामने आए कि आरोपियों ने सरकारी नौकरी हासिल करने के झूठे वादों के साथ कई व्यक्तियों से धोखाधड़ी से धन एकत्र किया, उनकी आकांक्षाओं और विश्वास का फायदा उठाया। इन आरोपों की पुष्टि के बाद, मामले का संज्ञान लिया गया और पुलिस स्टेशन आर्थिक अपराध शाखा, श्रीनगर में एक औपचारिक मामला दर्ज किया गया।

रामबन में भीषण आग में तीन घर जलकर खाक

बनिहाल, 30 नवंबर। रामबन जिले के खारी तहसील के गुंज टॉप त्रिगाम इलाके में रविवार सुबह लगी विनाशकारी आग की घटना में तीन आवासीय घर पूरी तरह से राख में बदल गए, जिससे कई परिवार बेघर हो गए। स्थानीय निवासियों ने बताया कि आग रविवार तड़के भड़की और कुछ ही देर में दो घरों को अपनी चपेट में ले लिया जिससे वे राख के ढेर में बदल गए। आग की तीव्रता के कारण प्रभावित परिवार अपना कोई भी सामान नहीं बचा सके। गुंज टॉप एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित है और यह क्षेत्र अभी तक सड़क मार्ग से नहीं जुड़ा है जिससे बचाव प्रयास और जटिल हो गए हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस घटना में गुलाम कादिर पुत्र मोहम्मद सुल्तान खाह, मोहम्मद रफीक पुत्र गुलाम कादिर खाह, मोहम्मद अशरफ पुत्र गुलाम कादिर खाह, गुलाम मोहम्मद पुत्र वहाब खाह, गुलाम रसूल खाह पुत्र वहाब खाह और मोहम्मद यूसुफ पुत्र अब्दुल गनी खाह के परिवार बेघर हो गये हैं। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है.

जम्मू कश्मीर के वित्त विभाग में बड़ा फेरबदल, 90 अधिकारियों का तबादला

जम्मू, 30 नवंबर। एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक फेरबदल में, जम्मू और कश्मीर के वित्त विभाग ने देर रात शनिवार को विभिन्न विभागों, निगमों और संस्थानों में 90 से अधिक अधिकारियों को प्रभावित करने वाले एक व्यापक स्थानांतरण और नियुक्ति आदेश जारी किए। सरकारी आदेश के अनुसार नं. दिनांक 29 नवंबर, 2025 के 2025 के 381-एफ को तत्काल प्रभाव से प्रशासन के हित में स्थानांतरण और पोस्टिंग का आदेश दिया गया है। राजेश तलवार, निदेशक वित्त, विधि, न्याय और संसदीय मामलों को स्थानांतरित कर दिया गया और उन्हें भारती संभ्याल की जगह उत्तरी क्षेत्रीय लेखा प्रशिक्षण संस्थान, जम्मू के प्राचार्य के रूप में तैनात किया गया। इम्तियाज अहमद वानी, निदेशक वित्त, परिवहन विभाग (श्रम और रोजगार का प्रभार भी) निदेशक संसाधन, वित्त विभाग के रूप में तैनात; 31 दिसंबर, 2025 को शौकत हुसैन मीर की सेवानिवृत्ति के बाद कार्यभार संभालेंगे। उच्च शिक्षा विभाग के निदेशक वित्त अब्दुल माजिद भट को अशोक कुमार के स्थान पर सामान्य प्रशासन विभाग में निदेशक वित्त नियुक्त किया गया है। कुलभूषण कुमार के स्थान पर निदेशक वित्त, पर्यटन और संस्कृति सतनाम सिंह को निदेशक वित्त, आपदा प्रबंधन, राहत और पुनर्वास विभाग के रूप में तैनात किया गया है। अशोक कुमार, निदेशक वित्त, जीएडी (चुनाव विभाग का प्रभार भी संभाल रहे हैं) को रमेश सिंह के स्थान पर वित्त, खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के निदेशक के रूप में स्थानांतरित कर दिया गया है।

जल शक्ति विभाग के निदेशक वित्त लतीफ अहमद पोसवाल को मानव गुप्ता के स्थान पर गृह विभाग में निदेशक वित्त नियुक्त किया गया है।

मंजूर अहमद वानी, निदेशक वित्त, एस. के. यू. ए. एस. टी.-कश्मीर को निदेशक वित्त, एस. के. आई. एम. एस. सोरा, इंतिखाब अहमद शेख के स्थान पर तैनात किया गया है। एसकेयूएएसटी-जम्मू के निदेशक वित्त मदन लाल को निदेशक वित्त, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के रूप में तैनात किया गया है। रमेश सिंह, निदेशक वित्त, एफसीएस एंड सीए को श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) कटरा में निदेशक वित्त के रूप में नीरज गुप्ता के स्थान पर तैनात किया गया है। एनजेडएटीआई जम्मू की प्रिंसिपल भारती संभ्याल को मदन लाल के स्थान पर एसकेयूएएसटी-जम्मू में निदेशक वित्त के रूप में तैनात किया गया है। सहकारी विभाग के निदेशक वित्त सुखवंत कौर ससान को अब्दुल माजिद भट के स्थान पर उच्च शिक्षा विभाग के निदेशक वित्त के रूप में तैनात किया गया है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के निदेशक वित्त हारून अहमद भट को मंजूर अहमद वानी के स्थान पर एसकेयूएएसटी-कश्मीर में निदेशक वित्त के रूप में तैनात किया गया है। एस. एम. वी. डी. यू. के निदेशक वित्त नीरज गुप्ता को जे. पी. डी. सी. एल. के निदेशक वित्त के रूप में तैनात किया गया है। कुलभूषण कुमार, निदेशक वित्त, राहत और पुनर्वास (स्कूल शिक्षा का प्रभार भी संभाल रहे हैं) को पूर्णकालिक आधार पर निदेशक वित्त, स्कूल शिक्षा के रूप में तैनात किया गया है। एसकेआईएमएस सौर के निदेशक वित्त इंतिखाब अहमद शेख को राजेश तलवार के स्थान पर वित्त, कानून, न्याय और संसदीय मामलों के निदेशक के रूप में तैनात किया गया है। फंड्स ऑर्गनाइजेशन कश्मीर के निदेशक वित्त सैयद शब्बीर अहमद को केपीडीसीएल में निदेशक वित्त के रूप में तैनात किया गया है। राजस्व विभाग के निदेशक वित्त अनिल कुमार डोगरा को श्रम और रोजगार विभाग के निदेशक वित्त का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। हरित कौर, एफए/सीएओ शिक्षा प्रवासी प्रकोष्ठ जम्मू को मुख्य वेतन और लेखा अधिकारी, जेकेपीडीसीएल जम्मू, काजल जसरोटिया की जगह पर तैनात किया गया; सीएओ, शिक्षा प्रवासी प्रकोष्ठ जम्मू का अतिरिक्त प्रभार बरकरार रखा।

एलओसी पर आतंकवादी लॉन्चिंग पैड अब भी सक्रिय, बल सतर्क : बीएसएफ

श्रीनगर, 30 नवम्बर। BSF के महानिरीक्षक अशोक यादव ने रविवार को कहा कि नियंत्रण रेखा पर आतंकवादी लॉन्चिंग पैड अब भी सक्रिय हैं, हालांकि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कई ऐसे पैड नष्ट किए जा चुके थे। यादव ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान LoC के कई आतंकवादी लॉन्चिंग पैड नष्ट किए गए थे, लेकिन कुछ पैड अभी भी सक्रिय हैं जहाँ आतंकवादियों की मौजूदगी है। उन्होंने कहा कि नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा बल सतर्क हैं ताकि आतंकवादियों के कश्मीर में घुसपैठ के किसी भी प्रयास को रोका जा सके। यादव ने कहा, सर्दियों से पहले पाकिस्तान हमेशा आतंकवादियों को घुसपैठ कराने का प्रयास करता है। जैसा कि आप जानते हैं, इन दिनों दृश्यता कम है, लेकिन हमारे पास आधुनिक निगरानी उपकरण हैं

'जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं श्रमिक'

जम्मू, 30 नवंबर। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ श्रमिक हैं और सरकार उनके सम्मान, सुरक्षा एवं नौकरी की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। वे आज जम्मू स्थित कन्वेंशन सेंटर में आयोजित एक दिवसीय सम्मेलन सशक्त श्रम शक्तिः चुनौतियों को अवसरों में बदलना* में बोल रहे थे। यह कार्यक्रम श्रम एवं रोजगार विभाग द्वारा आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य श्रमिक कल्याण प्रणाली को सुदृढ़ बनाना, श्रम सुधारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा केंद्र शासित प्रदेश में नए श्रम संहिताओं के सुचारु क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना था। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार श्रमिकों के साथ मजबूती से खड़ी है और आर्थिक विकास में उनके अहम योगदान का उच्च मूल्यांकन करती है। उन्होंने हाल ही में पेश किए गए जम्मू-कश्मीर दुकान एवं प्रतिष्ठान विधेयक, 2025 को ऐतिहासिक सुधार करार दिया और कहा कि यह कानून श्रमिकों की गरिमा, सुरक्षा, नौकरी की स्थिरता तथा पारदर्शी व्यापारिक व्यवस्था को सुनिश्चित करेगा। उन्होंने 24×7 व्यवसाय संचालन की अनुमति, महिलाओं की सुरक्षा के लिए सुदृढ़ प्रावधान तथा वार्षिक दरबार मूव की बहाली जैसे महत्वपूर्ण सरकारी निर्णयों को आर्थिक पुनर्जीवन की दिशा में बड़ा कदम बताया। नई श्रम संहिताओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने सभी हितधारकों से आधुनिक, निष्पक्ष और प्रगतिशील श्रम पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण हेतु मिलकर काम करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री ने विभिन्न श्रम कल्याण अधिनियमों के तहत 1,99,35,721 रुपये की राशि के कल्याण चेक पात्र लाभार्थियों को वितरित किए। उन्होंने विभाग द्वारा तैयार **आईईसी संकलन** का औपचारिक रूप से लोकार्पण भी किया।

एलजी कविंदर ने लद्दाख के राज निवास का नाम बदलकर लोक निवास किया

लेह, 30 नवंबर। सबको साथ लेकर चलने वाले और आसान शासन की दिशा में एक अहम पहल करते हुए, लद्दाख के माननीय लेफ्टिनेंट गवर्नर, श्री कविंदर गुप्ता ने आधिकारिक तौर पर राज निवास का नाम बदलकर लोक निवास कर दिया है, जो केंद्र शासित प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक पल है। यह कदम केंद्रीय गृह मंत्रालय के 25 नवंबर, 2025 को जारी किए गए नोटिफिकेशन के बाद उठाया गया है, जिसमें निर्देश दिया गया था कि देश भर में सभी राज भवनों का नाम बदलकर लोक भवन और सभी राज निवास, जो लेफ्टिनेंट गवर्नरों के आधिकारिक निवास हैं, का नाम बदलकर लोक निवास कर दिया जाए। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने मुख्य गेट पर नई नेमप्लेट का अनावरण किया, जो प्रशासन के लोगों पर

> "कहा कि यह कदम लोगों पर केंद्रित शासन के प्रति गहरे कमिटमेंट को दिखाता है

केंद्रित शासन और सबको साथ लेकर चलने वाले विकास के प्रति गहरे कमिटमेंट को दिखाता है। श्री कविंदर गुप्ता ने कहा, फ्रयह ऐतिहासिक पल लोगों पर केंद्रित शासन और सबको साथ लेकर चलने वाले विकास के प्रति हमारे गहरे कमिटमेंट को दिखाता है।फ्र उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यह नाम बदलने से नागरिकों के साथ सीधा जुड़ाव मज़बूत होगा, जिससे गवर्नेंस ज़्यादा ट्रांसपेरेंट, रिस्पॉन्सिव और लद्दाख के अलग-अलग तरह के समुद यों की उम्मीदों पर आधारित होगा। उन्होंने कहा,

यह पहल लोकल आवाज़ों को मज़बूत बनाने, एडमिनिस्ट्रेटिव प्रोसेस को आसान बनाने और दूर-दराज और शहरी इलाकों में एक जैसा विकास पक्का करने के बड़े नज़रिए से जुड़ी है। लोक निवास पॉलिसी बनाने और लोगों से बातचीत के लिए एक अहम सेंटर के तौर पर काम करता रहेगा, जिसमें अब समाज के सभी वर्गों के लिए आसानी पर नए सिरे से ज़ोर दिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि यह सिंबॉलिक लेकिन अहम बदलाव अ एडमिनिस्ट्रेशन के इस इरादे को और मज़बूत करता है कि वह एक पार्टिसिपेटरी गवर्नेंस मॉडल बनाए जो लद्दाख के निवासियों की भलाई, कल्चरल बचाव और आर्थिक तरक्की को प्राथमिकता दे, और एक विकसित लद्दाख का रास्ता बनाए।

सर्दियों में सांस के रोगी रहें सचेत

सर्दियों में तापमान में कमी और वातावरण में प्रदूषित तत्वों की बढ़ी हुई मात्रा सेहत के लिए मुसीबत का कारण बन सकती है। सर्दियों का मौसम खासतौर पर सांस के मरीजों के स्वास्थ्य के लिए चुनौती बन जाता है। इस मौसम में सांस संबंधी दिक्कतें जैसे दमा, फ्लू और सर्दी-जुकाम के मरीजों की संख्या काफी बढ़ जाती है।

प्रदूषित कोहरे का दुष्प्रभाव

सर्दियों में होने वाला कोहरा (जो वायुमंडल की जलवाष्प के संघनित होने से बनता है) कमोबेश हानिरहित होता है, लेकिन धुएं और सस्पेन्डिड पार्टिकल्स (छोटे-छोटे प्रदूषित कणों) के इर्द-गिर्द जमने से बना स्मोग (प्रदूषित कोहरा) मानव शरीर और खासतौर पर श्वसन तंत्र के लिए किसी विपत्ति से कम नहीं होता। इस वजह से लोगों की आंखों में जलन, आंसू, नाक में खुजली, गले में खराश और खांसी जैसे लक्षण सामान्य तौर पर देखने को मिलते हैं। सर्दी बढ़ने के साथ ही सांस की नली की संवेदनशीलता तुलनात्मक रूप से बढ़ जाती है, जिससे सांस की नली सिकुड़ती है। इस कारण सांस के रोगियों में समस्या की आशंका बढ़ जाती है।

वृद्ध रहें सजग

वृद्धों में सांस संबंधी समस्याएं कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती हैं। दरअसल बुजुर्गों में रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण उन्हें सांस संबंधी बीमारियों का ज्यादा खतरा रहता है।

दमा या अस्थमाः वातावरण में किसी भी प्रकार के बदलाव से शरीर में परिवर्तन होता है, जिससे, एलर्जी और अस्थमा के रोगी मुख्य रूप से प्रभावित होते हैं। जाड़े में इन मरीजों की परेशानियां बढ़ जाती है। इसलिए उन्हें विशेष तौर पर अपना ख्याल रखने की सलाह दी जाती है।

फ्लू या इंफ्लूएंजाः यह समय फ्लू या इंफ्लूएंजा के वाइरस के सक्रिय होने का है। इस कारण फ्लू के मामलों में काफी वृद्धि हो जाती है। बच्चों, वृद्धों, गर्भवती महिलाएं और एच.आई.वी. से पीड़ित रोगियों में यह संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है।

क्या करें

- सांस के रोगी खासकर दमा के मरीज न सिर्फ सर्दी से बचाव करें बल्कि नियमित रूप से डॉक्टर के संपर्क में रहें। डॉक्टर की सलाह से अपने इनहेलर की डोज भी दुरुस्त कर लें। कई बार इनहेलर्स की मात्रा बढ़ानी होती है।
- सर्दी से बचकर रहें। पूरा शरीर ढकने वाले कपड़े पहनें। सिर, गले और कान को खासतौर पर ढकें।
- सर्दी के कारण साबुन-पानी से हाथ धोने की अच्छी आदत न छोड़ें।
- गुनगुने पानी से नहाएं।
- सर्दी के मौसम में मालिश लाभप्रद है।
- सर्दी, जुकाम, खांसी, फ्लू और सांस की अन्य बीमारियों से ग्रस्त रोगियों को सुबह- शाम भाप(स्टीम) लेनी चाहिए।
- फ्लू के रोगी खांसते या छींकते समय मुंह पर हाथ रखें या रूमाल का प्रयोग करें।
- फ्लू के रोगियों द्वारा इस्तेमाल की गई वस्तुओं जैसे रूमाल व चादरों आदि को सुरक्षित विधि से साफ करें।
- अगर आप में फ्लू के लक्षण हैं, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लें और घर मे ही रहें।
- फ्लू पीड़ित से कम से कम 1 मीटर दूर रहें।
- हाथ मिलाने या गले मिलने से बचें, भारतीय पद्धति के अनुसार नमस्कार करें।

क्या न करें

- सर्दी में सांस के मरीजों को सुबह की सैर नहीं करनी चाहिए।
- सुबह ठंडे पानी से न नहाएं। सांस के रोगियों को अलाव के धुएं से बचना चाहिए, अन्यथा इससे उन्हें सांस का दौरा पड़ सकता है।

घर पर करें गोभी और मिर्च से रोगों का उपचार

जार्जटाऊन यूनिवर्सिटी मैडीकल सैंटर के शोधकर्ताओं के अनुसार फूलगोभी, पत्तागोभी तथा जलकुंभी परिवार की सब्जियों में एक प्रकार का पदार्थ पाया जाता है जो मानव एवं जानवर दोनों में फेफड़े का कैंसर रोकने में सहायक होता है।

शोधकर्ताओं के अनुसार 'प्रेफेक्स' नामक एक ऐसा पदार्थ गोभी में पाया जाता है जो फेफड़े को कैंसरग्रस्त होने से रोकता है। यह पदार्थ सैक्स उत्तेजक भी होता है। इसी प्रकार मिर्च खाने से शरीर की चर्बी कट जाती है और वजन कम हो जाता है।

मिर्च की तासीर के कारण चर्बी बढ़ाने वाली कोशिकाएं खुद ब खुद नष्ट होने लगती है। ताईवान के शोधकर्ता चिन-लिन-शू के अनुसार मिर्च शरीर के चयापचय की प्रक्रिया को तेज करती है और यह मोटापे को कम करने के साथ ही कालरा तथा ब्रांकाइटिस जैसी बीमारियों का उपचार भी करती है।

गोभी और मिर्च से बहुत से रोगों का उपचार घर पर ही किया जा सकता है। आईए जानें कैसे

गोभी

1 गोभी में मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को दरूस्त रखते हैं और पेट संबंधी रोगों से राहत देते हैं।

2 गोभी का सेवन करने से कैंसर जैसी भयानक बीमारी का खतरा कम होता है।

3 गोभी का सेवन मोटापे से निजात दिलाता है।

4 गोभी में कैल्शियम की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो शरीर की हड्डियों के लिए काफी फायदेमंद होती है और दांतों को भी मजबूत बनाने में मददगार साबित होती है।

मिर्च

1 जब आप हरी मिर्च अपने दांत से चबाते हैं तो इसका तीखा अनुभव आपके मुंह में अधिक थूक पैदा करता है जो रक्त के थक्कों को घोलने में काफी सहायक होता है।

2 हरी मिर्चों में विटामिन सी की मौजूदगी शरीर को खांसी, जुकाम तथा श्वास संबंधी अन्य समस्याओं से बचाने में सहायता करती है।

3 हरी मिर्च में मौजूद विटामिन के ओस्टियोपोरोसिस के खतरे को कम करता है।

4 हरी मिर्च एक प्राकृतिक दर्द निवारक है और यह ओस्टियोआर्थराइटिस जैसी स्थितियों में इलाज में काफी लाभदायक होती है।

5 मोटापे से पीड़ित लोगों में कोलैस्ट्रॉल के स्तरों को कम करने में हरी मिर्चें काफी सहायक होती हैं।

मानव पर रंगों का प्रभाव

सफेद रंग हल्केपन एवं शीतलता का आभास देता है।

पीला रंग उत्फुल्लता, हल्केपन खुलेपन और गर्माहट का आभास देता है, नब्ज की रफ्तार तेज करता है परंतु आक्रामक प्रतिक्रिया भी पैदा कर सकता है।

बैंगनी रंग थकान और भारीपन का भ्रम उत्पन्न कर थकान, बोरियत या बोझ की अनुभूति करता है।

गहरा नीला रंग मस्तिष्क को विश्रांति देता है किन्तु दुख का बोध भी कराता है। गहरे नीले रंग से पूरा कमरा ठंडा एवं भरा-भरा प्रतीत होता है।

हरा रंग शांति एवं शीतलता का अहसास कराता है। आंखों से दबाव घटाकर नेत्र ज्योति तेज करता है। खून का दबाव भी सामान्य करता है। हल्का नीला रंग शीतलता व अलगाव द्वारा चैन देता है। काला रंग ओजस्विता कम करता है, अवसादकारक एवं उत्पीड़क बोझ देने वाला है। काले रंग पुते तल काफी बड़े प्रतीत होते हैं। भूरा रंग स्थायित्व, गर्म और मानसिक संतुलन बोधकारक होता है। सलेटी रंग को ठंडा, नीरसता व विरक्तिबोधक माना जाता है। श्वेत एवं नीले रंग के सम्मिश्रण को शीतलता और चैन का द्योतक कहा गया है। जामुनी रंग गर्म एवं उत्साहवर्धक माना गया है। लाल रंग गर्मजोशी, मनोबल बढ़ाता है, मगर देर तक हावी रहना थकान एवं धड़कन बढ़ाता है

ठंड में त्वचा रोगों से बचाव के घरेलु नुस्खे

1 सर्दी के मौसम में स्वस्थ त्वचा के लिए जरूरी है नियमित स्नान। भले ही आप प्रतिदिन न नहाएं परंतु हर दूसरे दिन नहाने का नियम बनाएं। जिस दिन नहीं नहाएं, उस दिन स्पंज करें तथा अंदर के कपड़े अवश्य बदलें। नहाने के लिए ठंडा-गर्म जैसा पानी चाहें, इस्तेमाल कर सकते हैं।

2 जाड़े में साबुन का प्रयोग ज्यादा न करें। नहाने से पहले पूरे बदन में तेल लगाएं। नहाने के बाद तेल या माश्चराइजर का उपयोग करें। पानी से करने वाले काम एक ही बार में निपटा लें। बार-बार पानी में हाथ न डालें। यदि पानी का काम करना जरूरी हो तो पहले हाथों में मलाई लगाएं। दस्ताने पहन कर काम करने से त्वचा सुरक्षित रहती है।

3 सर्दियों में धूप का नियमित सेवन करके चिलब्लेंस व डर्माटाइटिस जैसे रोगों से बचा जा सकता है। धूप में उतना ही बैठें जितनी देर आराम महसूस करें। अगर त्वचा लाल पडने लगे या सूजने लगे, तो धूप से हट जाएं। जिन्हें धूप से एलर्जी है उनके लिए सर्दी की धूप भी नुक्सानदायक है। ऐसे लोग धूप में कम निकलें। जब भी धूप में निकलें तो सिर पर स्कार्फ बांध लें या छतरी भी लगा सकते हैं।

4 हाथ-पैर की उंगलियों के सुन्न होने, खून का दौरा कम होने या त्वचा के फटने से बचने का सबसे अच्छा उपाय है संतुलित आहार। भोजन में दूध, दही और हरी सब्जियां खूब लें। विटामिन ए ज्यादा से ज्यादा लें। त्वचा के लिए गाजर का सेवन बहुत फायदेमंद है।

5 यूरिया आयंटमैंट त्वचा के फटने, सूजन और लाल होने वाली त्वचा के उपचार के लिए बहुत उपयोगी है। यह यूरिया से बनती है। इसको मलने से त्वचा काफी देर तक मुलायम बनी रहती है। इसके नियमित इस्तेमाल से त्वचा में होने वाले रोगों से बचा जा सकता है तथा त्वचा स्वस्थ रहती है।

रूखी त्वचा को कोमल बनाता है नारियल तेल

ठंड के कारण कई समस्याएं होती हैं. इस मौसम में त्वचा के रोग और सर्दी-जुकाम होना आम बात है. इन समस्याओं से निबटने के लिए प्रस्तुत हैं कुछ आसान घरेलू उपाय, जिनसे इन समस्याओं से निबटा जा सकता है.

- रूखी त्वचा से बचने के लिए नैचुरल मॉस्च्यूराइजर, जैसे- नारियल तेल लगाएं.
- शहद के साथ गुलाब जल मिला कर चेहरे पर लगाएं. इससे त्वचा में चमक आयेगी और चेहरा साफ होगा.
- स्नान से पहले नारियल तेल लगा लें, इससे चिकनाई और कोमलता आयेगी.
- नीबू का रस लगाएं. इसमें मौजूद विटामिन-सी चेहरे की चमक बनाये रखती है.
- सर्दी के मौसम में विटामिन की कमी के कारण होठ फटने लगते हैं, इसलिए टमाटर, गाजर, साबूत अनाज और फल-सब्जियों का सेवन करें.
- नारंगी के छिलके के पाउडर में शहद मिला कर लगाने से त्वचा निखरती है.
- जितना हो सके, आहार में विटामिन-इ युक्त खाद्य पदार्थो, जैसे- पालक, बादाम, कद्दू आदि का सेवन करना बेहतर होता है.

कहीं आप भी खून की कमी का शिकार तो नहीं हो रहे

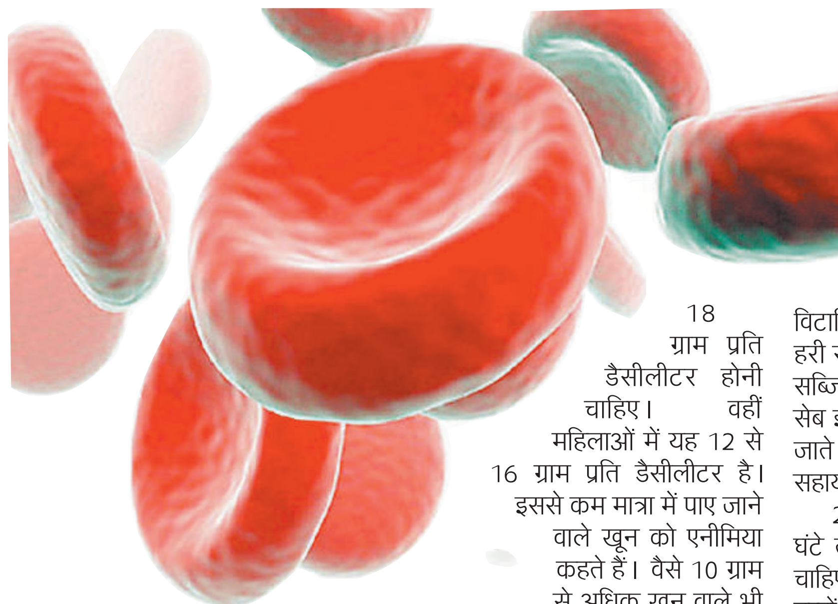

आज के भागदौड़ भरे जीवन में फास्ट फूड का प्रचलन बड़ रहा है। जिससे भोजन में पौष्टिक आहार की कमी के कारण आज प्रत्येक वर्ग के लोग खून की कमी से जूझ रहे हैं। जिसमें अधिकतर संख्या युवाओं की है जिसके कारण उन्हें कमजोरी आदि की शिकायतें होने लगी हैं। खून की पाई जाने वाली इस कमी को एनीमिया कहते हैं। एनीमिया का प्रमुख कारण सही प्रकार की डाइट न लेना है। पुरुषों में खून की मात्रा 14 से 18 ग्राम प्रति डेसीलीटर होनी चाहिए। वहीं महिलाओं में यह 12 से 16 ग्राम प्रति डेसीलीटर है। इससे कम मात्रा में पाए जाने वाले खून को एनीमिया कहते हैं। वैसे 10 ग्राम से अधिक खून वाले भी स्वस्थ रहते हैं, परंतु इससे कम खून वाले को अधिक से अधिक डाइट लेनी चाहिए।

एनीमिया की 3 स्टेज होती हैं, जिनमें प्रथम स्टेज को माइलड कहते हैं, जो 10 से 12 ग्राम होती है। वहीं 6 से 10 ग्राम को मोडरेट व 6 ग्राम से कम की स्थिति खतरनाक होती है। जिसे सीवियर एनीमिया कहते हैं।

एनीमिया अत्यधिक गंभीर रोग तब होता है जब हैपिटाइटिस बी, सी तथा एच.आई.वी. जैसे संक्रमण होते हैं। डाक्टरों का सुझाव है कि अधिक मात्रा में भी आयरन का सेवन नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि इससे हृदय संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

कैसे करें खून की कमी पूरी

1 एनीमिया से निजात पाने के लिए बैलेंस डाइट जरूरी है। प्रोटीन, आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन, मांस, मछली में ही नहीं दूध, हरी सब्जियां, मटर, फलियों तथा पत्तेदार सब्जियों, शीरा, गुड़, किशमिश, खजूर, सेब इन सबमें अलग-अलग रूप में मिल जाते हैं। इन तत्वों में खून बनने में सहायता मिलती है।

2 खाना खाने से पहले व बाद में आधे घंटे तक चाय का सेवन भी नहीं करना चाहिए। चाय खाने में मिलने वाले पौष्टिक तत्वों को डाइजेस्ट नहीं होने देती।

3 आयरन युक्त डाइट तभी फायदेमंद होती है, जब उसके साथ विटामिन सी का भी सेवन किया जाए। विटामिन सी के लिए अमरूद, आंवला और संतरे का जूस लें। वैसे तो बैलेंस्ड डाइट और हैल्दी लाइफ स्टाइल ही काफी है लेकिन फिर भी किसी कारण से एनीमिया हो जाता है तो प्रापर ट्रीटमैंट लेना आवश्यक है। डाक्टर की सलाह से ब्लड टैस्ट कराएं ताकि बीमारी का कारण पता चल सके। उसके बाद ही डाक्टर आपका सही ट्रीटमैंट कर सकेंगे।

सेहत का खजाना है पालक

हरी सब्जियों में पालक का नाम सबसे ऊपर है. यह शरीर के लिए काफी फायदेमंद है. इसमें शरीर के लिए आवश्यक अमीनो एसिड, विटामिन ए, फोलिक एसिड, प्रोटीन और लौह तत्व भरपूर मात्र में होते हैं. इसके सेवन कई रोगों से भी छुटकारा मिलता है.

यह हरी पत्तेदार सब्जी गुणों से भरपूर है. पोषक तत्वों की प्राप्ति के लिए इसका नियमित सेवन बेहतर माना जाता है. पालक में विटामिन ए और सी प्रचुर मात्र में होते हैं. इसके अलावा विटामिन बी कॉम्पलैक्स, फोलिक एसिड, मैग्नीशियम की भी प्रचुरता होती है. शोध के अनुसार एक कप पालक से दिन भर की मैग्नीशियम की जरूरत का 40 प्रतिशत प्राप्त हो जाता है. मधुमेह पीड़ित लोगों के लिए भी पालक अच्छा विकल्प है. दही के साथ कच्चे पालक का रायता बहुत ही स्वादिष्ट और गुणकारी होता है.

इन रोगों से बचाता है –

ऑस्टियोपोरोसिस – खनिज तत्वों की प्रचुरता के कारण यह हड्डियों को मजबूत बनाता है और ऑस्टियोपोरोसिस को दूर रखता है.

आंखों की रोशनी – पालक मैकुलर डिजेनरेशन का जोखिम भी कम करता है. मैकुलर डिजेनरेशन 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में अंधेपन का मुख्य कारण है. इसके अलावा, विटामिन ए की कमी से रतौंधी और आंखों की रोशनी में कमी जैसे लक्षण उत्पन्न होते हैं.

शरीर की क्षतिपूर्ति में सहायक – प्रचुर मात्र में मौजूद फोलेट डीएनए और कोशिकाओं की सामान्य क्षति को पूरा करता है और इससे शरीर स्वयं अपने नुकसान की भरपाई कर लेता है.

एंटीऑक्सीडेंट – यह शरीर में उपापचय व अन्य सामान्य क्रियाओं के दौरान बननेवाले फ्री-रेडिकल्स से लड़ने में सहायक है. फ्री रेडिकल्स कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं और कैंसर तथा हृदयरोगों के कारण बन सकते हैं.

वजन घटाने में सहायक – इसमें फाइबर प्रचुर मात्र में होता है, इसलिए यह मोटापा घटाने के इच्छुक लोगों के लिए आदर्श आहार है. सलाद, सब्जी और जूस में पालक का ज्यादा-से-ज्यादा उपयोग बेहतर होता है.

पोस्टमेनोपॉजल सिंड्रोम – पालक में मौजूद मैग्नीशियम पीएमएस के लक्षणों में कमी लाता है. इस अवस्था में पेट फूलने जैसी शिकायतों से बचने के लिए पालक बेहतर विकल्प है.

प्रतिरक्षा प्रणाली बनाता है मजबूत – पालक में मौजूद पोषक तत्व प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाते हैं और शरीर को सामान्य संक्रमणों से बचाते हैं.

बालों को मिले मजबूती – इसमें बालों के लिए आवश्यक विटामिन भी विशेष मात्र में होते हैं. बाल झड़ने से परेशान लोगों को कच्चे पालक का सेवन करना चाहिए.

ये लोग न करें सेवन – पालक में कैल्शियम और फॉस्फोरस होता है, जो मिल कर कैल्सियम फॉस्फेट बनाता है. यह पानी में घुलता नहीं है, जिससे पथरी बन जाती है. इसलिए पथरी के रोगियों को सिर्फ पालक की सब्जी नहीं खानी चाहिए. पालक और हरी पत्तेवाली मेथी मिला कर साग बना कर खाने से पथरी नहीं बनती है. कच्चे पालक के रस के सेवन करने से भी पथरी नहीं होती है.

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

जम्मू में संपन्न 42वीं जूनियर राष्ट्रीय टेनिकोइट चैम्पियनशिप में तमिलनाडु ओवरऑल चैंपियन

जम्मू, 30 नवंबर। पांच दिवसीय 42वां जूनियर (बालक एवं बालिका) राष्ट्रीय टेनिकोइट चैम्पियनशिप आज ग्रीन फील्ड, गांधी नगर में सम्पन्न हुई, जिसमें शानदार प्रदर्शन के दम पर तमिलनाडु ने ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम की।

इस चैम्पियनशिप में देश के 23 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से लगभग 550 खिलाड़ी और अधिकारी शामिल हुए, जिसके कारण यह हाल के वर्षों में जम्मू में आयोजित सबसे बड़े और प्रतिस्पर्धात्मक राष्ट्रीय टेनिकोइट आयोजनों में से एक रहा।

समापन समारोह में युवक सेवाएँ एवं खेल मंत्री सतीश शर्मा और मुख्यमंत्री के सलाहकार नसीर असलम वानी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने फाइनल मुकाबलों के बाद आयोजित पदक वितरण समारोह में विजेताओं को सम्मानित किया।

मुख्य अतिथियों के विचार सतीश शर्मा ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए विशेष रूप से तमिलनाडु की सराहना की। उन्होंने कहा,

ये युवा खिलाड़ी भारत के खेल भविष्य की शक्ति, अनुशासन और उम्मीद का प्रतिनिधित्व करते हैं।

जम्मू-कश्मीर गर्व के साथ ऐसे राष्ट्रीय आयोजन होस्ट कर रहा है, जो उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के साथ स्वास्थ्य, शांति और सद्भाव का संदेश भी फैलाते हैं। सरकार खिलाड़ियों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएँ और अवसर उपलब्ध कराती रहेगी।

नसीर असलम वानी ने अपने संबोधन में कहा,

यह प्रतियोगिता भारत में बढ़ती खेल संस्कृति और युवा खिलाड़ियों की लगन को दर्शाती है।

जम्मू-कश्मीर ने फिर एक बार यह साबित किया है कि वह राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं की सफल और आत्मीय मेजबानी करने में सक्षम है। यहाँ दिखाई गई प्रतिभा और अनुशासन कई युवाओं को प्रेरित करेगा।

फेडरेशन अधिकारियों की उपस्थिति समारोह में टेनिकोइट फेडरेशन ऑफ इंडिया की चेयरपर्सन, ज्यूअल वसरा, बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थीं। उन्होंने कहा,

जम्मू-कश्मीर प्रशासन एक उत्कृष्ट मेजबान रहा है। उनके सहयोग, आतिथ्य और उत्तम व्यवस्थाओं ने इस चैम्पियनशिप को खिलाड़ियों, कोचों और अधिकारियों के लिए यादगार बनाया। टेनिकोइट फेडरेशन ऑफ इंडिया और जेके स्पोर्ट्स काउंसिल के वरिष्ठ अधिकारी भी समापन समारोह में उपस्थित रहे और पूरे आयोजन के दौरान खिलाड़ियों के उत्साह, खेल कौशल और खेलभावना की सराहना की।

लद्दाख के LG ने 'बौद्धिक' साइंस बुक्स रिलीज़ कीं

कहा कि बौधिक भारत के सभ्यतागत ज्ञान और मॉडर्न शिक्षा के बीच लिंक को मज़बूत करता है

लेह, 30 नवंबर। लद्दाख के माननीय लेफ्टिनेंट गवर्नर, श्री कविंदर गुप्ता ने आज जम्मू में विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के बौद्धिक प्रोजेक्ट के तहत UG और PG स्टूडेंट्स के लिए साइंस सब्जेक्ट्स पर सात बुक्स का एक सेट रिलीज़ किया।

बौधिक VBUSS की एक बदलाव लाने वाली एजुकेशनल पहल है जिसका मकसद स्ट्रक्चर्ड एग्जाम, कल्चरल इंटीग्रेशन और कंटेंपररी एप्लीकेशन के ज़रिए युवाओं को भारतीय नॉलेज सिस्टम से फिर से जोड़ना है। इस देशव्यापी कोशिश के हिस्से के तौर पर, 'भारत बौद्धिक्स' परीक्षा—जिसे सांस्कृतिक जड़ों, पारंपरिक ज्ञान और भारतीय मूल्यों को बढ़ावा देने और मॉडर्न प्रॉब्लम-सॉल्विंग को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है—1 फरवरी 2026 को पूरे देश में आयोजित की जाएगी।

इस इवेंट में प्रो. जे. एन. बलिया, प्रांत प्रेसिडेंट VBUSS (J&K-लद्दाख) और सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ जम्मू में प्रोफेसर; डॉ. राम सिंह, वाइस प्रेसिडेंट VBUSS (J&K-लद्दाख); डॉ. राकेश भारती, सेक्रेटरी VBUSS (J&K-लद्दाख); और डॉ. संजय शर्मा, ट्रेज़रर लद्दाख) शामिल हुए। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने सांस्कृतिक रूप से आधारित और वैल्यू-बेस्ड हायर एजुकेशन को बढ़ावा देने की विद्या भारती की कोशिशों की तारीफ़ की। उन्होंने कहा कि बौद्धिक्स जैसी पहल भारत के समृद्ध सभ्यतागत ज्ञान और मॉडर्न एजुकेशन के बीच कनेक्शन को मज़बूत करने में अहम भूमिका निभाती हैं।

पुलिस ने नशा तस्करों पर शिकंजा कसा आधी रात को छापेमारी में हेरोइन जब्त

रियासी, 30 नवंबर (हि.स.)। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ निरंतर कार्रवाई में जिला पुलिस रियासी को 29/30 नवंबर 2025 की मध्यरात्रि में एक और सफलता मिली जब कटरा पुलिस स्टेशन के एक गश्ती दल ने एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से अवैध मादक पदार्थ जब्त किए।

कटरा-उधमपुर मार्ग पर हेलीपैड के पास नियमित नाका जाँच के दौरान पुलिस दल ने पंथाल की ओर से कटरा की ओर आ रहे एक पैदल यात्री को देखा। पुलिस दल को देखकर उस व्यक्ति ने भागने का प्रयास किया जिससे संदेह पैदा हुआ।

सतर्क पुलिसकर्मियों ने तुरंत उसका पीछा किया और उसे पकड़ लिया। पूछताछ करने पर उसने अपनी पहचान जमाद अली पुत्र अब्दुल हक निवासी परोह खेड़ी, तहसील कटरा, जिला रियासी के रूप में बताई।

तलाशी के दौरान पुलिस ने उसकी पतलून की दाहिनी जेब से एक पारदर्शी पॉलीपैक में पैक 4.43 ग्राम हेरोइन बरामद की। इस बरामदगी का संज्ञान लेते हुए कटरा पुलिस स्टेशन में एफआईआर संख्या 322/2025 धारा 8/21/22 एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जाँच जारी है।

कठुआ रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर शहीद कैप्टन सुनील चौधरी रेलवे स्टेशन करने की मांग

कठुआ, 30 नवंबर (हि.स.)। कठुआ के लोगों ने केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह से अनुरोध किया है कि कठुआ रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर शहीद कैप्टन सुनील चौधरी रेलवे स्टेशन किया जाए। कैप्टन सुनील चैधरी जम्मू-कश्मीर के एक सपूत थे जिन्होंने राष्ट्र के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। लोगों का मानना है कि यह पहल उनके बलिदान और देशभक्ति को सम्मानित करने का एक तरीका होगा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कठुआ को भारत के एक साहसी सपूत शहीद कैप्टन सुनील चौधरी जी की जन्मभूमि होने का सौभाग्य प्राप्त है, जिन्होंने राष्ट्र के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उनका बलिदान न केवल सैन्य इतिहास का एक अध्याय है, बल्कि जम्मू-कश्मीर और हमारे पूरे देश के प्रत्येक युवा स्वर के लिए शाश्वत प्रेरणा का स्रोत है। उनके सर्वोच्च बलिदान और उनकी अद्वितीय देशभक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए स्थानीय लोगों ने कहा कि हम आपसे विनम्र अनुरोध करते हैं कि कठुआ रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर शहीद कैप्टन सुनील चौधरी रेलवे स्टेशन करने में कृपया हस्तक्षेप करें। यह पहल केवल एक प्रतीकात्मक पहल नहीं है, यह एक श्रद्धांजलि है, सम्मान का संदेश है और हमारी धरती ने भारत माता को जो वीरता दी है, उसकी एक स्थायी याद है।

सोपोर में ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया

सोपोर , 30 नवंबर (हि.स.)। साइकोट्रोपिक पदार्थ बरामद नशीली दवाओं के खतरे पर जारी कार्रवाई में सोपोर में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया है और उसके कब्जे से साइकोट्रोपिक पदार्थ बरामद किया है।

पुलिस स्टेशन सोपोर की एक पुलिस पार्टी ने समद कॉम्प्लेक्स के पास डाउनटाउन में एक चेकपॉइंट पर एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका जिसकी पहचान बादामबाग सोपोर निवासी गुलाम नबी भट के बेटे वसीम अहमद भट के रूप में हुई। उनकी व्यक्तिगत तलाशी के दौरान उनके कब्जे से मनोदैहिक पदार्थ बरामद किए गए। मौके पर ही प्रतिबंधित पदार्थ जब्त कर लिया गया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। तदनुसार पुलिस स्टेशन सोपोर में एफआईआर संख्या 267/2025 के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच शुरू की गई है। जम्मू-कश्मीर पुलिस समाज को नशा मुक्त बनाने और अपने नागरिकों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बारामूला में सेवानिवृत्त अधिकारी को गर्मजोशी से विदाई दी

बारामुला, 30 नवंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सब-इंस्पेक्टर नूर मोहम्मद को गर्मजोशी से विदाई दी जो जम्मू-कश्मीर पुलिस में 38 साल की समर्पित और विशिष्ट सेवा प्रदान करने के बाद सेवानिवृत्त हुए। जिला पुलिस कार्यालय (डीपीओ) बारामूला में एक विदाई समारोह आयोजित किया गया जहां एसएसपी बारामूला और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उनके शानदार करियर के दौरान विभिन्न क्षमताओं में उनके लंबे, अनुशासित और निस्वार्थ योगदान को स्वीकार किया।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने विभाग और समाज में उनके स्थायी योगदान की सराहना करते हुए एसआई नूर मोहम्मद को स्वस्थ, शांतिपूर्ण और सेवानिवृत्ति के बाद के जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं।

पुलिस ने बारामूला में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया

बारामूला, 30 नवंबर (हि.स.)। राष्ट्र निर्माण में सरदार वल्लभभाई पटेल (भारत के लौह पुरुष) के जीवन, नेतृत्व और उनके अपार योगदान को उजागर करने की अपनी पहल को जारी रखते हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र के तहत सरकारी मिडिल स्कूल उड़ूसा में एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया। संस्थान के छात्रों ने निर्धारित विषयों पर अपनी लेखन क्षमताओं का कुशलतापूर्वक प्रदर्शन करते हुए बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के समापन पर शीर्ष तीन स्थान प्राप्तकर्ताओं को विधिवत पुरस्कार प्रदान किए गए। इस पहल का सफलतापूर्वक उद्देश्य छात्रों के बीच शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करना और जमीनी स्तर पर पुलिस-सार्वजनिक जुड़ाव को मजबूत करना है। जम्मू-कश्मीर पुलिस शैक्षिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और जिले भर में युवाओं के विकास के लिए सकारात्मक माहौल को बढ़ावा देने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट ने इंटरएक्टिव रोल-प्ले आधारित मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए

जम्मू/श्रीनगर, 30 नवंबर। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अरुण पी के संरक्षण में हाई कोर्ट की मध्यस्थता एवं सुलह समिति ने जम्मू-कश्मीर लीगल सर्विसेज अथॉरिटी और जेके ज्यूडिशियल एकेडमी के सहयोग से आज एक दिवसीय इंटरएक्टिव रोल-प्ले आधारित मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम जम्मू और श्रीनगर स्थित ज्यूडिशियल एकेडमी के दोनों परिसरों में एक साथ आयोजित किया गया।

यह पहल न्यायिक अधिकारियों के लिए जारी 40 घंटे के मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह प्रशिक्षण, मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति (के तत्वावधान में आयोजित किया गया, जो दोनों केंद्र शासित प्रदेशों में वैकल्पिक विवाद निपटान तंत्र को सुदृढ़ करने के हाई कोर्ट के सतत प्रयासों का एक अहम अंग है।जम्मू में कार्यशाला का आयोजन जेके ज्यूडिशियल एकेडमी के निदेशक नसीर अहमद डार की देखरेख में किया गया। उन्होंने स्वागत भाषण देते हुए न्यायिक प्रणाली को मजबूती प्रदान करने में मध्यस्थता की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि व्यावहारिक और सिमुलेशन आधारित प्रशिक्षण अधिकारियों को मध्यस्थता तकनीकों, संचार कौशल और निष्पक्ष सुविधा प्रदान करने की क्षमता विकसित करने में सहायक है।

उन्होंने अनुभवी मध्यस्थता प्रशिक्षक बलवीर कौर गांधी का स्वागत किया और आशा व्यक्त की कि उनकी विशेषज्ञता से प्रशिक्षण को अत्यधिक लाभ मिलेगा। उन्होंने प्रतिभागियों को सक्रिय रूप से भूमिका-निभाने वाले अभ्यासों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

जम्मू कैंपस में दिनभर चले प्रशिक्षण में बालबीर कौर गांधी ने तीन रोल-प्ले आधारित सत्रों का संचालन किया।

* पहले सत्र में मूलभूत मध्यस्थता संचार तकनीकों, विवादित पक्षों के प्रबंधन और निष्पक्ष दृष्टिकोण पर ध्यान दिया गया।

दूसरे सत्र में भावनाओं के प्रबंधन, हितों की पहचान, गतिरोध तोड़ने और प्रक्रिया नियंत्रण पर अभ्यास कराया गया।* तीसरे सत्र में बहुपक्षीय विवाद, कॉकसिंग, गतिरोध समाधान तकनीक तथा समझौता-निर्माण प्रक्रियाओं जैसे उन्नत विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण में जम्मू संभाग के विभिन्न जिलों से मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेटों, सिविल एवं सब-जजों और जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के सचिवों ने भाग लिया।

जम्मू के दीपक डोगरा बने चेन्नई सिंगम्स के आइकॉन प्लेयर

जम्मू,, 30 नवंबर (हि.स.)। जम्मू के ऑल-राउंडर दीपक डोगरा को आगामी इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन में चेन्नई सिंगम्स का आइकॉन प्लेयर चुना गया है। इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग सीजन 2 26 जनवरी, 2025 से शुरू हो रहा है, जिसमें डोगरा अपनी टीम का नेतृत्व 27 जनवरी को फाल्कन राइजर्स हैदराबाद के खिलाफ करेंगे।

33 वर्षीय डोगरा ने जम्मू-कश्मीर की ओर से घरेलू सीमित ओवर टूर्नामेंट में हिस्सा लिया है और पिछले 14 साल से जम्मू में अपनी क्रिकेट अकादमी चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि टेनिस बॉल क्रिकेट ने उनके करियर की नींव रखी और ISPL जैसे प्लेटफॉर्म से गली क्रिकेट खिलाड़ियों को नया अवसर मिलता है।

डोगरा को चेन्नई सिंगम्स ने उनके बेस प्राइस 6 लाख रुपये में खरीदा है और वे इस राशि का इस्तेमाल अपने अकादमी में वंचित खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए करेंगे।

ब्राह्मण समुदाय के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी पर जताया रोष, आईएएस अधिकारी को बर्खास्त करने की मांग

कठुआ, 30 नवंबर (हि.स.)। श्री ब्राह्मण सभा कठुआ ने मध्य प्रदेश के आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा की ब्राह्मण समाज पर की गई अभद्र टिप्पणी के खिलाफ कड़ा विरोध किया है। श्री ब्राह्मण सभा कठुआ के अध्यक्ष सुरेंद्र मेहता सहित सभा के अन्य सदस्यों ने कहा कि ऐसे अधिकारी पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए जो दूसरे समाज के प्रति अपशब्द इस्तेमाल करते हैं।

रविवार को श्री ब्राह्मण सभा कठुआ में मासिक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में आगामी महीने में होने वाले कार्यक्रमों को लेकर विचार विमर्श किया गया।

इसी बीच श्री ब्राह्मण सभा कठुआ की महिला विंग की अध्यक्ष नीलम शर्मा ने आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा को चेतावनी देते हुए कहा कि ब्राह्मण को शास्त्र का ज्ञान भी है और शस्त्र का भी, जो जिस भाषा में समझेगा उसे उसी से समझाएंगे, इसलिए ब्राह्मण समाज पर अभद्र टिप्पणी करने से पहले हजार बार सोचें। कठुआ ब्राह्मण सभा ने विश्वकर्मा समाज और वर्मा बिरादरी से अपील की है कि ऐसे लोग जो दूसरे समाज के प्रति अपशब्द इस्तेमाल करते हैं उन्हें अपनी बिरादरी से बाहर का रास्ता दिखाना चाहिए। सभा ने अन्य सभाओं से भी अपील की है कि वे भी इस मुद्दे पर एकजुट हों और आईएएस अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करें। इस बीच श्री ब्राह्मण सभा कठुआ ने एकजुट होकर आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आईएएस अधिकारी के खिलाफ नारेबाजी की और उनकी बर्खास्तगी की मांग की। ब्राह्मण समाज ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बरामद किया चोरी का वाहन

बारामुला, 30 नवंबर (हि.स.)। अपराध से निपटने और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए बारामूला में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने चोरी किए गए वाहन को बरामद किया और अपराध में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार किया।

वाहन, (टवेरा) (पंजीकरण संख्या जेके04सी -1343) को 14 और 15 सितंबर 2024 की मध्यरात्रि के दौरान चोरी होने की सूचना मिली थी। तदनुसार पुलिस स्टेशन कुंजर ने तुरंत धारा 303 (2) बीएनएस के तहत एफआईआर संख्या 119/2024 दर्ज की और वाहन का पता लगाने के लिए निरंतर प्रयास किए गए।

विशिष्ट जानकारी पर कार्रवाई करते हुए यह पता चला कि चोरी किए गए वाहन का उपयोग लेह, यूटी लद्दाख में किया जा रहा था। पुलिस स्टेशन कुंजर से एक पुलिस दल को तुरंत लेह भेजा गया। पुलिस स्टेशन लेह के सहयोग से टीम ने आरोपी व्यक्ति के साथ वाहन का पता लगाया जिसकी पहचान कंचू शेख पुत्र मिन्हाज-उद-दीन निवासी गोपाल पारा, सेक्टर -19, असम के रूप में हुई जो चोरी का वाहन चला रहा था। वाहन का सावधानीपूर्वक पता लगाया गया और उसे बरामद कर लिया गया और आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया गया। आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए वाहन और आरोपी दोनों को वापस पुलिस स्टेशन कुंजर लाया गया है। अपराध को अंजाम देने में शामिल व्यक्तियों की पूरी श्रृंखला की पहचान करने और स्थापित करने के लिए आगे की जांच जारी है।

युवा सेवाएँ एवं खेल विभाग किश्तवाड़ ने जिला स्तरीय ट्रेकिंग अभियान के एक और सफल दिन का नेतृत्व किया

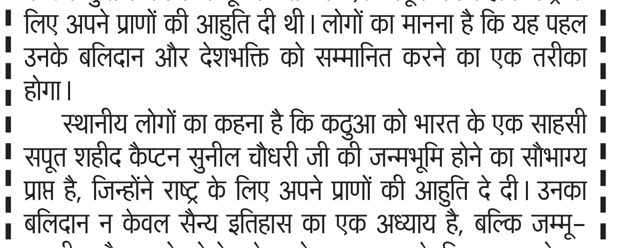

किश्तवाड़, 30 नवंबर। युवा सेवाएँ एवं खेल विभाग किश्तवाड़ द्वारा आयोजित इंटर-ज़ोनल जिला स्तरीय रेजिडेंशियल ट्रेकिंग अभियान के छठे दिन की गतिविधियाँ आज उत्साह, अनुशासन और रोमांच के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुईं। जिले के विभिन्न जोनों से आए युवा ट्रेकर्स ने सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई। छठे दिन का ट्रेक बेस कैंप से शुरू होकर हिडयाल - चौगन ग्राउंड - हत्ता - पोच्छल - ब्रायन की खूबसूरत पगडंडियों से होकर गुज़रा। किश्तवाड़ की प्राकृतिक सुंदरता, स्वच्छ वातावरण और हरी-भरी वादियों ने प्रतिभागी छात्रों को रोमांच से भरपूर एक यादगार अनुभव प्रदान किया। यह प्रतिष्ठित ट्रेकिंग अभियान उपायुक्त किश्तवाड़ पंकज कुमार शर्मा के निर्देशों और ष्ट्वस्स्ह्र किश्तवाड़ जाफ़र हैदर शेख की संपूर्ण निगरानी में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने पूरे कार्यक्रम के सुचारु संचालन, सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

ट्रेक के दौरान ZPEO किश्तवाड़ और नगसेनी ने अनुशासन और निर्धारित ट्रेकिंग प्रोटोकॉल के पालन की बारीकी से निगरानी की। आज के अभियान में जोरावर सिंह अग्रिम पंक्ति में रहे, जिन्होंने अपनी ऊर्जा और समर्पण से ट्रेकर्स को लगातार प्रेरित किया। उन्होंने बच्चों को फिटनेस और ट्रेकिंग से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव दिए, जिससे वे पूरे समय उत्साहित और केंद्रित बने रहे। विभाग के अधिकारी भी उनके साथ रहे, जिन्होंने प्रबंधन, सुरक्षा, हाइड्रेशन पॉइंट्स एवं निरंतर प्रोत्साहन जैसी आवश्यक सुविधाएँ सुनिश्चित कीं। प्राकृतिक सौंदर्य और प्रतिभागियों का उत्साह इस दिन को बेहद खास और यादगार बना गया।

क्राइम ब्रांच जम्मू ने 9.9 लाख की ठगी मामले में दो आरोपियों के खिलाफ चालान दाखिल किया

जम्मू,, 30 नवंबर (हि.स.)। क्राइम ब्रांच जम्मू-कश्मीर की स्पेशल क्राइम विंग जम्मू ने आज एक महिला से 9.9 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में दो व्यक्तियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 420 और 120-बी के तहत चालान दाखिल कर दिया। मामला तब शुरू हुआ जब पीड़ित महिला ने लिखित शिकायत में बताया कि आरोपी सोशल मीडिया एप के माध्यम से उससे जुड़े और उसे फैशन टीवी पर मॉडल बनाने का झांसा दिया। आरोप है कि बहु-करोड़ के फर्जी फैशन टीवी प्रोजेक्ट का हवाला देकर दोनों ने महिला से उसकी मेहनत की कमाई ठग ली। जांच के दौरान आरोप सही पाए गए, जिसके बाद दोनों आरोपियों को ट्रेस कर गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उन्होंने अपना अपराध स्वीकार भी कर लिया। चालान को सब जज पैसेंजर टैक्स, जम्मू की अदालत में प्रस्तुत किया गया है। स्पेशल क्राइम विंग ने आम जनता को चेतावनी देते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर अजनबियों या स्वयंभू इन्फ्लुएंसर्स से बातचीत करते समय सतर्क रहें और किसी अनजान व्यक्ति को अपनी निजी जानकारी या पैसा न दें।

मरम्मत कार्य के दौरान केपीडीसीएल कर्मी की करंट लगने से मौत

श्रीनगर, 30 नवंबर (हि.स.)। कश्मीर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (केपीडीसीएल) में काम करने वाले एक मजदूर की रविवार को शोपियां में मरम्मत कार्य के दौरान करंट लगने से मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। घायल की पहचान शोपियां के बदेरहामा ज़वूरा के स्थानीय निवासी अब्दुल रहीम लोन के बेटे रफीक अहमद लोन के रूप में हुई है। अधिकारियों ने कहा कि शोपियां में डीपीएल कार्यालय के पास बिजली लाइनों की मरम्मत करते समय उन्हें बिजली का झटका लगा।

कठुआ पुलिस ने लापता लड़की को बरामद कर उसके परिवार से मिलवाया

कठुआ, 30 नवंबर (हि.स.)। एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा आईपीएस के समग्र पर्यवेक्षण में कठुआ पुलिस ने पुलिस पोस्ट मढ़हीन के अधिकार क्षेत्र में एक लापता लड़की का पता लगाया और उसे उसके परिवार के सदस्यों से मिलाया।

जानकारी के अनुसार बीते 29 नवंबर को सुदर्शन कुमार पुत्र सांजी राम निवासी मढ़हीन जिला कठुआ ने अपनी बेटी शवि गुप्ता उम्र -23 वर्ष के लापता होने के संबंध में लिखित शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की गई।

लापता लड़की का पता लगाने के लिए एक समर्पित पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस पोस्ट

मढ़हीन के प्रभारी के नेतृत्व में टीम ने सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण, तकनीकी निगरानी और स्थानीय खुफिया जानकारी एकत्र करके व्यापक खोजबीन की। संबंधित अधिकारियों के अथक प्रयासों और समन्वित टीमवर्क के फलस्वरूप, लापता लड़की का सफलतापूर्वक पता लगा लिया गया। सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं के बाद उसे उसके कानूनी उत्तराधिकारियों से सुरक्षित रूप से मिला दिया गया।

संपादकीय

फायर सर्विस को तैयार रहना होगा

सर्दियों की शुरुआत में आग लगने की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए, जम्मू-कश्मीर के फायर और इमरजेंसी सर्विस डायरेक्टरेट को तैयार रहने और आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी से सामने आने वाली इमरजेंसी स्थितियों के लिए तैयार रहने की ज़रूरत है, जो साल के इस समय में अक्सर आम बात हो जाती है, खासकर उन जगहों पर जहाँ घरों और बिज़नेस की जगहों को बनाने में लकड़ी का बहुत ज़्यादा इस्तेमाल होता है, जैसे कि केंद्र शासित प्रदेश के पहाड़ी हिस्से।

ज़रा न्यूज़ रिपोर्ट पर नज़र डालें, पिछले दो दिनों में J&K से आग लगने की दो घटनाएँ सामने आई हैं, जिससे यह साबित होता है कि इस मौसम में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी के बारे में कही गई बात पूरी तरह सच है।

रामबन की खारी तहसील के त्रिगाम के गुंज टॉप गाँव से सामने आई ताज़ा आग की घटना में आज तड़के तीन घर जलकर खाक हो गए, जिससे कई परिवार बेघर हो गए। इसी सिलसिले में, एक दिन पहले, श्रीनगर के बेमिना में JVC हॉस्पिटल के आउटपेशेंट डिपार्टमेंट बिल्डिंग के कई कमरों में सुबह-सुबह आग लग गई थी। अच्छी बात ये है कि जम्मू और कश्मीर डिवीज़न में आग लगने के दोनों मामलों में किसी की जान नहीं गई, लेकिन कुछ ही समय में लाखों रुपये की प्रॉपर्टी जलकर खाक हो गई।

मौजूदा हालात को देखते हुए, यह ज़रूरी है कि डायरेक्टरेट ऑफ़ फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज़, जम्मू और कश्मीर एक डिटेल्ड एडवाइज़री जारी करे जिसमें लोगों से कहा जाए कि वे बिजली के हीटिंग गैजेट्स, कांगड़ी और LPG अप्लायंसेज का इस्तेमाल करते समय कड़े सेफ्टी उपाय अपनाएं। डिपार्टमेंट को ठंड के मौसम में होने वाली घरेलू आग से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सावधानी बरतने पर ज़ोर देना चाहिए।

जारी की गई एडवाइज़री में घरों और कमर्शियल जगहों के लिए बचाव के कुछ कदम बताए जाने चाहिए और आम लोगों को यह पक्का करने के लिए कहा जाना चाहिए कि घर से निकलने या सोने से पहले रूम हीटर, बुखारी और LPG स्टोव समेत सभी बिजली के हीटिंग डिवाइस ठीक से बंद कर दिए जाएं। एक और मुद्दा जो बहुत ज़रूरी है, वह है दम घुटने से होने वाली मौतों से बचाव, जो जम्मू डिवीज़न के पहाड़ी इलाकों और घाटी में सर्दियों के मौसम में भी आम है क्योंकि लोग हीटिंग के लिए बहुत ज़्यादा चारकोल का इस्तेमाल करते हैं।

कुल मिलाकर, इन दोनों मामलों में सही सावधानी बरतने से दुखद घटनाओं को रोका जा सकता है और इसलिए सरकार, ऊपर बताए गए डिपार्टमेंट और दूसरे स्टेकहोल्डर्स को मिलकर शहरी और दूर-दराज के इलाकों में फायर सेफ्टी के बारे में जागरूकता फैलानी चाहिए, क्योंकि सर्दियों में आग लगने की घटनाएं सभी इलाकों में बराबर होती हैं। बात का निचोड़ यह है कि आने वाले दिनों में आग लगने की घटनाएं होंगी और संबंधित डिपार्टमेंट को लोगों की जान और प्रॉपर्टी को संभालने और सुरक्षित रखने के लिए सभी तरीके अपनाकर और जोश और हिम्मत से काम करना चाहिए।

भारत का आर्थिक विकास: सहकारिता से समृद्धि की ओर

– प्रहलाद सबनानी

भारत एक कृषि प्रधान देश रहा है और हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों का अनुपालन करते हुए ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे नागरिक आपस में भाई-चारे के साथ मिलजुल कर रहते आए हैं। इस दृष्टि से देखा जाय तो सहकार की भावना हम भारतीयों के डीएनए में है। इसी विषय के दृष्टिगत एक बार पुनः आज भारत के प्रत्येक गांव को खुशहाल एवं समृद्ध बनाने की लिए समस्त गावों को सहकारिता से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। सहकार से समृद्धि का नारा भी इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर दिया गया है।

भारत में आज सहकारी समितियों की स्थापना को बढ़ावा दिया जा रहा है क्योंकिं भारत में सहकारी समतियां, स्व-सहायता, स्व-जिम्मेदारी, लोकतंत्र, समानता, न्याय एवं एकजुटता जैसे भारतीय मूल्यों के आधार पर कार्य करती हुई दिखाई देती हैं। साथ ही, जिन 7 सिद्धांतों के आधार पर इन समितियों के कार्य करने की अपेक्षा रहती है, उससे इन समितियों के सफल होने की सम्भावना बढ़ जाती है। यह 7 सिद्धांत हैं – खुली और स?वैच्छिक सदस?यता; लोकतांत्रिक तरीके से सदस्यों की भागीदारी; सदस्यों की आर्थिक भागीदारी; स्वायत्तता और स्वतंत्रता; शिक्षा, प्रशिक्षण और सूचना- कोआपरेटिव के बीच सहयोग; समुदाय के प्रति सरोकार।

सहकारिता वह संगठन है जिसके द्वारा दो या दो से अधिक व्यक्ति स्वेच्छापूर्ण मिलजुल कर समान स्तर पर आपसी आर्थिक हितों की वृद्धि करते हैं।

इस प्रकार सहकारिता उस आर्थिक व्यवस्था को कहते हैं जिसमें मनुष्य किसी आर्थिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए मिलजुल कर कार्य करते हैं। समृद्धि केवल धन-संपत्ति से कहीं अधिक है, यह तब होती है जब सभी लोगों को फलने-फूलने का अवसर और स्वतंत्रता प्राप्त होती है। समृद्धि एक समावेशी समाज पर आधारित होती है, जिसमें एक मजबूत सामाजिक अनुबंध होता है जो प्रत्येक व्यक्ति की मूलभूत स्वतंत्रता और सुरक्षा की रक्षा करता है। सहकारिता का मुख्य उद्देश्य सदस्यों के जीवन को बेहतर बनाना और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। यह एक ऐसा संगठन है जो सदस्यों को सशक्त बनाता है और उन्हें अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक साथ काम करने का अवसर प्रदान करता है।

भारत में आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना बहुत जरूरी है। वैसे तो हमारे देश में सहकारिता आंदोलन की शुरुआत वर्ष 1904 से हुई है एवं तब से आज तक सहकारी क्षेत्र में लाखों समितियों की स्थापना हुई है। कुछ अत्यधिक सफल रही हैं, जैसे अमूल डेयरी, परंतु इस प्रकार की सफलता की कहानियां बहुत कम रही हैं। कहा जाता है कि देश में सहकारिता आंदोलन को जिस तरह से सफल होना चाहिए था, वैसा हुआ नहीं है। बल्कि, भारत में सहकारिता आंदोलन में कई प्रकार की कमियां ही दिखाई दी हैं। देश की अर्थव्यवस्था को शीघ्र ही यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी डालर के आकार का बनाना है तो देश में सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना ही होगा। इस दृष्टि से केंद्र सरकार द्वारा एक नए सहकारिता मंत्रालय का गठन भी किया गया है। विशेष रूप से गठित किए गए इस सहकारिता मंत्रालय से अब सहकार से समृद्धि की परिकल्पना के साकार होने की उम्मीद भी की जा रही है।

भारत में सहकारिता आंदोलन का यदि सहकारिता की संरचना की दृष्टि से आकलन किया जाय तो ध्यान में आता है कि देश में लगभग 8.5 लाख से अधिक सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। इन समितियों में कुल सदस्य संख्या लगभग 28 करोड़ है। हमारे देश में 55 किस्मों की सहकारी समितियां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं। जैसे, देश में 1.5 लाख प्राथमिक दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 93,000 प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। ये मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में कार्य करती हैं। इन दोनों प्रकार की लगभग 2.5 लाख सहकारी समितियां ग्रामीण इलाकों को अपनी कर्मभूमि बनाकर इन इलाकों की 75 प्रतिशत जनसंख्या को अपने दायरे में लिए हुए है।

उक्त के अलावा देश में सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं और यह तीन प्रकार की हैं। एक तो वे जो अपनी सेवाएं शहरी इलाकों में प्रदान कर रही हैं। दूसरी वे हैं जो ग्रामीण इलाकों में तो अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं, परंतु कृषि क्षेत्र में ऋण प्रदान नहीं करती हैं। तीसरी वे हैं जो उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों एवं कर्मचारियों की वित्त सम्बंधी जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करती हैं। इसी प्रकार देश में महिला सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं। इनकी संख्या भी लगभग एक लाख है। मछली पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मछली सहकारी साख समितियां भी स्थापित की गई हैं, इनकी संख्या कुछ कम है।

ये समितियां मुख्यतः देश में समुद्र के आसपास के इलाकों में स्थापित की गई हैं। देश में बुनकर सहकारी साख समितियां भी गठित की गई हैं, इनकी संख्या भी लगभग 35,000 है। इसके अतिरिक्त हाउसिंग सहकारी समितियां भी कार्यरत हैं। संचालन और कार्यों की प्रकृति के आधार पर मुख्यतः छह प्रकार की सहकारी समितियां होती हैं। इनमें उपभोक्ता सहकारी समितियां, उत्पादक सहकारी समितियां, विपणन सहकारी समितियां, कृषक सहकारी समितियां, ऋण सहकारी समितियां और सहकारी आवास समितियां शामिल हैं।

उक्त वर्णित विभिन क्षेत्रों में कार्यरत सहकारी समितियों के अतिरिक्त देश में सहकारी क्षेत्र में तीन प्रकार के बैंक भी कार्यरत हैं। एक, प्राथमिक शहरी सहकारी बैंक जिनकी संख्या 1550 है और ये देश के लगभग सभी जिलों में कार्यरत हैं। दूसरे, 300 जिला सहकारी बैंक कार्यरत हैं एवं तीसरे, प्रत्येक राज्य में एपेक्स सहकारी बैंक भी बनाए गए हैं। उक्त समस्त आंकडें वर्ष 2021-22 तक के हैं। 29 जून, 2022 को भारत सरकार द्वारा 63,000 क्रियाशील प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) के कम्प्यूटरीकरण के लिए 2,516 करोड़ रुपये के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ परियोजना को मंजूरी दी गई थी।

इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि हमारे देश में सहकारी आंदोलन की जड़ें बहुत गहरी हैं। दुग्ध क्षेत्र में अमूल सहकारी समिती लगभग 70 वर्ष पूर्व प्रारम्भ हुई है, जिसे आज भी सहकारी क्षेत्र की सबसे बड़ी सफलता के रूप में गिना जाता है। सहकारी क्षेत्र में स्थापित की गई समितियों द्वारा रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित किए गए हैं। सहकारी क्षेत्र में एक विशेषता यह पाई जाती है कि इन समितियों में सामान्यतः निर्णय सभी सदस्यों द्वारा मिलकर लिए जाते हैं। सहकारी क्षेत्र देश के आर्थिक विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकता है। परंतु इस क्षेत्र में बहुत सारी चुनौतियां भी रही हैं। जैसे, सहकारी क्षेत्र के बैंकों की कार्य पद्धति पर हमेशा से ही आरोप लगते रहे हैं एवं कई तरह की धोखेबाजी की घटनाएं समय समय पर उजागर होती रही हैं।

सहकारी क्षेत्र के बैंकों में पेशेवर प्रबंधन का अभाव रहा है एवं ये बैंक पूंजी बाजार से पूंजी जुटा पाने में भी सफल नहीं रहे हैं। अभी तक चूंकि सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी तंत्र का अभाव था एवं केंद्र सरकार द्वारा अब किए गए नए मंत्रालय के गठन के बाद सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने में कसावट आएगी एवं इन संस्थानों का प्रबंधन भी पेशेवर बन जाएगा जिसके चलते इन संस्थानों की कार्य प्रणाली में भी निश्चित ही सुधार होगा, ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए। भारत विश्व में सबसे अधिक दूध उत्पादन करने वाले देशों में शामिल हो गया है। अब हमें दूध के पावडर के आयात की जरूरत नहीं पड़ती है। परंतु दूध के उत्पादन के मामले में भारत के कुछ भाग ही, जैसे पश्चिमी भाग, सक्रिय भूमिका अदा कर रहे हैं। देश के उत्तरी भाग, मध्य भाग, उत्तर-पूर्व भाग में दुग्ध उत्पादन का कार्य संतोषजनक रूप से नहीं हो पा रहा है। जबकि ग्रामीण इलाकों में तो बहुत बड़ी जनसंख्या को डेयरी उद्योग से ही सबसे अधिक आय हो रही है। अतः देश के सभी भागों में डेयरी उद्योग को बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता है। केवल दुग्ध सहकारी समितियां स्थापित करने से इस क्षेत्र की समस्याओं का हल नहीं होगा।

डेयरी उद्योग को अब पेशेवर बनाने का समय आ गया है। गाय एवं भैंस को चिकित्सा सुविधाएं एवं उनके लिए चारे की व्यवस्था करना, आदि समस्याओं का हल भी खोजा जाना चाहिए। साथ ही, ग्रामीण इलाकों में किसानों की आय को दुगुना करने के लिए सहकारी क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना करनी होगी। इससे खाद्य सामग्री की बर्बादी को भी बचाया जा सकेगा। एक अनुमान के अनुसार देश में प्रति वर्ष लगभग 25 से 30 प्रतिशत फल एवं सब्जियों का उत्पादन उचित रख रखाव के अभाव में बर्बाद हो जाता है।

शहरी क्षेत्रों में गृह निर्माण सहकारी समितियों का गठन किया जाना भी अब समय की मांग बन गया है क्योंकि शहरी क्षेत्रों में मकानों के अभाव में बहुत बड़ी जनसंख्या झुग्गी झोपड़ियों में रहने को विवश है। अतः इन गृह निर्माण सहकारी समितियों द्वारा मकानों को बनाने के काम को गति दी जा सकती है। देश में आवश्यक वस्तुओं को उचित दामों पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कंज़ूमर सहकारी समितियों का भी अभाव है। पहिले इस तरह के संस्थानों द्वारा देश में अच्छा कार्य किया गया है। इससे मुद्रा स्फीति की समस्या को भी हल किया जा सकता है।

देश में व्यापार एवं निर्माण कार्यों को आसान बनाने के उद्देश्य से 卐ईज आफ डूइंग बिजिनेस卐 के क्षेत्र में जो कार्य किया जा रहा है उसे सहकारी संस्थानों पर भी लागू किया जाना चाहिए ताकि इस क्षेत्र में भी काम करना आसान हो सके। सहकारी संस्थानों को पूंजी की कमी नहीं हो इस हेतु भी प्रयास किए जाने चाहिए। केवल ऋण के ऊपर अत्यधिक निर्भरता भी ठीक नहीं है। सहकारी क्षेत्र के संस्थान भी पूंजी बाजार से पूंजी जुटा सकें ऐसी व्यवस्था की जा सकती हैं।

विभिन्न राज्यों के सहकारी क्षेत्र में लागू किए गए कानून बहुत पुराने हैं। अब, आज के समय के अनुसार इन कानूनो में परिवर्तन करने का समय आ गया है। सहकारी क्षेत्र में पेशेवर लोगों की भी कमी है, पेशेवर लोग इस क्षेत्र में टिकते ही नहीं हैं। डेयरी क्षेत्र इसका एक जीता जागता प्रमाण है। केंद्र सरकार द्वारा सहकारी क्षेत्र में नए मंत्रालय का गठन के बाद यह आशा की जानी चाहिए के सहकारी क्षेत्र में भी पेशेवर लोग आकर्षित होने लगेंगे और इस क्षेत्र को सफल बनाने में अपना भरपूर योगदान दे सकेंगे। साथ ही, किन्हीं समस्याओं एवं कारणों के चलते जो सहकारी समितियां निष्क्रिय होकर बंद होने के कगार पर पहुंच गई हैं, उन्हें अब पुनः चालू हालत में लाया जा सकेगा। अमूल की तर्ज पर अन्य क्षेत्रों में भी सहकारी समितियों द्वारा सफलता की कहानियां लिखी जाएंगी ऐसी आशा की जा रही है। सहकारिता से विकास का मंत्र पूरे भारत में सफलता पूर्वक लागू होने से गरीब किसान और लघु व्यवसायी बड़ी संख्या में सशक्त हो जाएंगे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सोशल मीडिया और शब्द अनुशासन की जरूरत

हृदयनारायण दीक्षित

सोशल मीडिया पुराकथाओं जैसा हीरो बन गया है। यह दोधारी तलवार है। जानकारियों का स्रोत है। भौतिक जीवन के प्रपंच सोशल मीडिया के माध्यम से आमजनों तक पहुँचते हैं। उन्हें जरूरी या गैर जरूरी मानना व्यक्तिगत पसंद की बात हो सकती है। कुल मिलाकर सोशल मीडिया अनिवार्य बुराई के रूप में लिया जा रहा है। सोशल मीडिया में मनोरंजन है। ज्ञान है। पुस्तकें हैं। गीत संगीत भी हैं। जीवन को सुखमय बनाने वाले तमाम तत्व सोशल मीडिया का अंग हैं। इसकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब सोशल मीडिया नहीं था तब मोबाइल फोन इस्तेमाल करने वालों की संख्या बहुत कम थी। घर में बहुधा एक या दो फोन होते थे, लेकिन अब परिवार के सभी सदस्यों के पास अपना-अपना मोबाइल है। मोबाइल केवल दूरभाष वार्ता का काम नहीं देता। वह चलता-फिरता टीवी है। बहुत सुंदर नोटबुक है। ज्ञात विश्व के सभी अनुशासनों का जीवन तंत्र है।

विश्व का समूचा ज्ञान सोशल मीडिया का भाग है। इसका एक बड़ा हिस्सा मनुष्य जीवन को क्षति पहुंचा रहा है। छोटे-छोटे बच्चे मोबाइल से चिपके रहते हैं। इस नुकसान को लेकर अनेक शोध हुए हैं। मैंने निजी जीवन में देखा है कि एक ही परिवार के सात सदस्यों के पास अलग-अलग मोबाइल हैं। किसी के पास दो या तीन मोबाइल भी हैं। मैं ऐसे ही एक मित्र के घर में मेहमान था। मैंने उनको बताया कि चाय में शक्कर नहीं रहेगी। उन्होंने हमारे पास बैठे-बैठे अपनी पत्नी को फोन मिलाया। हमने पूछा चाय कहां बन रही है। उन्होंने कहा पीछे कमरे में। मैंने कहा आप जाकर भी बता सकते थे। उन्होंने कहा फोन है, तो क्यों जाएं? सोशल मीडिया से प्रसारित झूठी सूचनाएं समाज को क्षति पहुंचती हैं। दंगे-फसाद भी हो जाते हैं।

सोशल मीडिया से पुलिस और प्रशासन को सुविधा हो रही है। वहीं अपराधी भी इसी के दुरुपयोग से बड़ी घटनाएं करके निकल जाते हैं। सोशल मीडिया में अराजकता है। कोई अपना नंगा चित्र पोस्ट करता है। कोई अश्लील चैट करता है। कोई देवी-देवताओं पर अपनी भड़ास निकालता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस अराजकता के विरुद्ध केन्द्र से कहा है कि कोई नियामक संस्था बनाई जाए। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को चार सप्ताह का समय दिया है। इस सूचना से लोगों को राहत मिली है। लेकिन यह आसान नहीं है। भारतीय संस्कृति के पक्षधर तो सोशल मीडिया के नियमन की खबर से खुश हैं, लेकिन वामपंथी ऐसे किसी संस्था या नियामक आयोग जैसी संस्था का विरोध करेंगे।

हम ऑस्ट्रेलिया से सीख सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया की संसद ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने वाले कानून पर 1 साल पहले सम्यक विचार किया था। अधिनियम पारित किया था। अगले महीने से कानून प्रभावी होने जा रहा है। भारत में अधिकांश परिवारों के बच्चे पूरी रात मोबाइल से चिपके रहते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने उचित समय पर अपना निर्देश दिया है। सोशल मीडिया के विनियमितिकरण पर ठोस विचार समय की मांग है।

भारतीय संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है। संविधान निर्माताओं ने आदर्श लोकतंत्र के लिए अभिव्यक्ति की आजादी को मौलिक अधिकार बनाया है, लेकिन यह अधिकार असीम नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 19 में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, लेकिन इसी अनुच्छेद के खण्ड 2 में इस अधिकार की मर्यादा भी बताई गई है। इसमें कहा गया है कि भारत की संप्रभुता, अखण्डता, सुरक्षा, दुनिया के अन्य देशों के साथ मैत्रीपूर्ण सम्बंध, लोक व्यवस्था, शिष्टाचार या सदाचार के हितों में अथवा न्यायालय अवमान के सम्बंध में विद्यमान किसी भी विधि के प्रवर्तन पर फर्क नहीं पड़ेगा। यह सुविदित है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग हो रहा है।

भारत प्राचीन राष्ट्र है। भारत के लोगों के परिश्रम से राष्ट्र का सतत् विकास हो रहा है। नरेन्द्र मोदी की सरकार ने साल 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर बनाने की घोषणा की है। सरकार अपना काम कर रही है। समाज भी अपना काम करे। देश के सभी नागरिकों से भाषा संयम की न्यूनतम अपेक्षा तो कर ही सकते हैं। निःसंदेह विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का स्वागत होना चाहिए। लेकिन अभिव्यक्ति में सुंदरता चाहिए। वाक् संयम चाहिए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता आदरणीय है लेकिन इसके साथ ही संयम में रहने की भी आवश्यकता है।

यह अस्तित्व सुंदर है। हमारे होने का स्रोत और आधार यही संसार है। अस्तित्व प्रतिपल व्यक्त हो रहा है। प्रकृति में फूलों का खिलना, शिशुओं का हंसना, सूर्य का आना-जाना, रात और दिन की गति अभिव्यक्ति की आजादी का हिस्सा है। गीता में श्री कृष्ण ने अर्जुन को बताया कि, संसार का जितना व्यक्त भाग है, उतना ही अव्यक्त भी है। व्यक्त अव्यक्त होता रहता है और अव्यक्त से व्यक्त। इसीलिए मनुष्य को व्यक्ति कहते हैं। प्रकृति की सारी शक्तियां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का आनंद उठाती प्रतीत होती हैं। इसलिए प्रकृति की कोई भी शक्ति नियम नहीं तोड़ती। सूरज निर्धारित समय पर उदित होते हैं। निर्धारित समय पर अस्त होते हैं। चन्द्रमा भी नियम नहीं तोड़ता। पूर्णमासी से अमावस्या तक सारी गति नियमित है। हम मनुष्यों को भी जीवन का आनंद लेते हुए अपना कर्तव्य पालन करते रहना चाहिए। वाक् स्वातंत्र्य का अधिकार बड़ा है। शब्द सत्ता बड़ी है-शब्द संयम में प्रीति होती है, रस होता है। शब्द दुरूपयोग में उत्तेजना है, भावना और आस्था पर आक्रमण हैं। विश्वविख्यात कलाकार एमएफ हुसैन ने सरस्वती व सीता के अश्लील चित्र बनाए थे। इसे विचार अभिव्यक्ति कहेंगे या विकार अभिव्यक्ति? सोशल मीडिया में आपत्तिजनक सामग्री की आंधी है। शब्द संयम में ही सौन्दर्य प्रकट होता है और शब्द अनुशासनहीनता में अश्लीलता। सर्वोच्च न्यायालय ने साल 2005 में मौन रहने को भी अनु0 19(1क) के अधीन विचार अभिव्यक्ति का अधिकार बताया था। राजनीति शब्दों का ही खेल है। लेकिन राजनैतिक शब्दकोष से शालीनता के तत्व गायब हैं। यहां आरोप-प्रत्यारोप हैं। संसद और विधानमण्डल में बोले गए शब्दों पर न्यायालय कार्यवाही नहीं कर सकते। इसलिए संसदीय शब्द अराजकता अपनी सीमा पार कर गई है। वाक् स्वातंत्र्य के अधिकार का सदुपयोग सामाजिक परिवर्तन में होना चाहिए। वाद-विवाद में मधुमय सम्वाद की प्राचीन संस्कृति को बढ़ाना चाहिए। समाज के छोटे से हिस्से की भी भावनाओं को आहत करने वाले शब्दों का प्रयोग अभिव्यक्ति की आजादी का दुरूपयोग है। इसी तरह बात बे बात किसी विचार, संगीत, कला, काव्य या फिल्म को लेकर हल्ला बोलना भी स्वतंत्र समाज के लिए बहुत घातक है। राष्ट्र राज्य अपना कर्तव्य निभाए और नागरिक अपना। आधुनिकता सच्चाई है। समाज जड़ नहीं होते। गतिशील होना जगत् का मूल गुण है। भारत का समाज भी आधुनिक है, उसे और भी आधुनिक होना चाहिए। लेकिन आधुनिकता का अर्थ जीवन मूल्यों का यूरोपीयकरण या अमेरिकीकरण नहीं होता। कपड़ा-लत्ता, भाषा, व्यवहार और खानपान, रहन-सहन का अंधानुकरण ही आधुनिक नहीं कहा जा सकता। आखिरकार छात्रों को सोशल मीडिया को ही पूरा समय देना कहाँ तक उचित है? इसके व्यवस्थित संचालन के लिए नियामक आयोग जैसी संस्था अति आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट की पहल स्वागत योग्य है। भारत शब्द अराजकता से निपट सकता है। केवल सांस्कृतिक परंपरा को ही मजबूत करते हुए स्वस्थ वातावरण बनाया जा सकता है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव- लौकिक और अलौकिक लक्ष्य प्राप्ति का अद्भुत संदेश

–रमेश शर्मा

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव आरंभ हो गया है। इस वर्ष एक दिसम्बर को दुनियाँ के चालीस देशों में गीता जयंती का मुख्य आयोजन होगा। श्रीमद्भगवत गीता कालजयी है और इतना व्यापक भी कि आधुनिक विज्ञान से जीवन की हर समस्या के समाधान सूत्र हैं।

श्रीमद्भगवद्गीता भगवान श्रीकृष्ण और अर्जुन के बीच का संवाद है जो महाभारत युद्ध आरंभ होने के कुछ क्षण पहले हुआ था। वह स्थल कुरुक्षेत्र था। कुरुक्षेत्र अब हरियाणा प्रदेश में है। इस संवाद की तिथि मार्गशीर्ष माह शुक्लपक्ष की एकादशी थी। इस वर्ष यह तिथि 30 नवंबर को रात्रि 9 बजकर 29 मिनट से आरंभ हो रही है और एक दिसंबर को शाम सात बजकर एक मिनट तक रहेगी। इसलिए गीता जयंती 01 दिसंबर को है। इस वर्ष गीता जयंती महोत्सव दुनियाँ के चालीस देशों में होगा। इसका समन्वय भारत सरकार का विदेश विभाग कर रहा है।

पौराणिक मान्यता के अनुसार इसवर्ष श्रीमद्भगवतगीता की 5154 वीं जयंती है। यद्यपि तिथि को लेकर कुछ विद्वानों में मतभेद हैं। लेकिन फिर भी समुद्र में द्वारिका की खोज और कुरुक्षेत्र के उत्खनन में प्रमाणों से महाभारत की घटना ईसा से लगभग 3100 वर्ष पूर्व माना गया है। इसके अनुसार भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को श्रीमद्भगवतगीता का संदेश कम सेकम पाँच हजार वर्ष पहले तो दिया था। श्रीमद्भगवत गीता में कुल सात सौ श्लोक हैं। इनमें इनमें राजा धृतराष्ट्र द्वारा पूछा गया प्रश्न एक श्लोक, संजय द्वारा उवाच के बयालीस श्लोक, अर्जुन उवाच चौरासी श्लोक तथा पाँच सौ तिहत्तर श्लोक भगवान श्रीकृष्ण उवाच हैं। इन सात श्लोकों को उनके संदर्भ के अनुरूप अठारह अध्याय में विभाजित किया गया है। हर अध्याय का विषय विशिष्ट है। जिन्हें योग नाम दिया गया है।

अर्जुन के मन में उत्पन्न विषाद से प्रश्न उपजे थे। इसलिये पहले अध्याय को विषाद योग नाम दिया गया है। इसके बाद क्रमशः साङ्ख्ययोग, कर्मयोग, कर्म ज्ञानयोग, कर्म संन्यासियोग, आत्मसंयमयोग अर्थात ध्यानयोग, ज्ञान विज्ञानयोग, अक्षर ब्रह्मयोग, राजगुह्ययोग, विभूतियोग, विश्वरूप विराट योग, भक्तियोग, क्षेत्र क्षेत्रज्ञ विभागयोग, गुणत्रय विभागयोग, पुरुषोत्तमयोग, दैवासुर समद्विभागयोग, श्रद्धात्रय विभागयोग और मोक्ष संन्यासयोग के अंतर्गत प्रत्येक विन्दु के विश्लेषण सूत्र हैं।

श्रीमद्भगवतगीता कालजयी ग्रंथ है। इसमें हर जिज्ञासा के समाधान सूत्र हैं। समय के साथ चुनौतियाँ बदलती हैं, समस्याओं का स्वरूप बदलता है। जिनका समाधान भी बदलते समय के अनुरूप होना चाहिए। तभी जीवन सार्थक होगा। जीवन की सार्थकता और सफलता व्यक्तित्व निर्माण में है। व्यक्ति ही परिवार, समाज, राष्ट्र और संसार की नींव में होता है। यदि व्यक्ति के चरित्र में आदर्श है, सत्य है, पराक्रम है, पुरुषार्थ है, प्रज्ञा है, दृढ़ता है, समयानुरूप चिंतन धारा है, संकल्पशीलता है तो वह सदैव लोक कल्याण के मार्ग पर चलेगा। भगवान श्रीकृष्ण ने इन सभी गुणों के साथ आदर्श जीवनशैली पर जोर दिया है। यदि व्यक्ति का चिंतन संकुचित नहीं है, उसका चरित्र आदर्श है, तो वयक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति कोई रोक नहीं पायेगा।भगवान श्रीकृष्ण ने इन गुणों के साथ व्यक्तित्व निर्माण के लिये आचरण पर भी जोर दिया है। व्यक्ति का आचरण ऐसा होना चाहिए कि वह स्वयं भी प्रतिष्ठित हो और अन्य लोग भी उसका अनुसरण करें। यह संतुलित जीवन शैली और विचारों के समन्वय, राग द्वेष से परे होना चाहिए। विपरीत परिस्थतियों में भी संतुलित रहे। श्रीमद्भगवद्गीता की एक और विशेषता है। इसमें यदि दृश्यमान शरीर और संसार की समृद्धि के सूत्र हैं तो अदृष्यमान गुणों से लेकर अंतरिक्ष की अनंत ऊर्जा से समन्वय बनाने के सूत्र भी हैं। जिन्हें हम मन की उड़ान, विवेक, चित्त, वृत्ति, स्वभाव से लेकर धरती, आकाश, जल, अग्नि और वायु की केन्द्रीभूत चेतना अर्थात ऊर्जा तक के समन्वय के सूत्र हैं।

श्रीमद्भगवद्गीता समस्या से पलायन का नहीं रुककर जूझने का संदेश देती है। अर्जुन तो संन्यास लेना चाहता था, भगवत् भक्ति के लिये युद्धक्षेत्र से जाना चाहता था। लेकिन भगवान श्रीकृष्ण ने रोका। समस्या देखकर घबराना अथवा पलायन करने से समाधान नहीं होता। समस्या से भागना जीवन की अवनति है। इसलिये संकल्प के साथ समस्या का निराकरण करना आवश्यक है। लेकिन उसके लिये पहले समस्या को समझना भी आवश्यक है। पहले समझना फिर पूरी एकाग्रता के साथ समाधान केलिये आगे बढ़ने में ही जीवन ही उनन्ति है। भगवान श्रीकृष्ण के प्रत्येक वाक्य में यही संदेश है। इसमें वर्णित समाधान के सूत्र कालचक्र से परे हैं। सामान्य जीवन के कर्म-कर्तव्य से लेकर परिश्रम, पुरुषार्थ, प्रकृति के रहस्य, आत्मा का अस्तित्व, ब्रह्म के द्वैत और अद्वैत स्वरूप तक सभी जिज्ञासाओं का समाधान श्रीमद्भगवत गीता में है। लक्ष्य प्राप्ति और समस्या निदान के लिये इसमें वर्णित सूत्र प्रत्येक कालखंड में सामयिक हैं। संसार के अधिकांश देशों ने गीता का अपनी भाषा में अनुवाद किया है। अंग्रेजी, जर्मन और फ्रेंच ही नहीं, अरबी, फारसी और उर्दू भाषा में भी गीता के अनुवाद हुये हैं । अमेरिका और ब्रिटेन के कुछ विश्वविद्यालयों मे गीता पाठ्यक्रम में शामिल है। भारत में भी गीता के जितने भाष्य तैयार हुये उतने किसी अन्य ग्रंथ के नहीं। ये भाष्य हर कालखंड में प्रत्येक विचार समूह के मनीषियों ने किये। उनमें आध्यात्मिक, साहित्यक, समाज सुधारक, राजनेता आदि सभी वर्ग समूह के सुधिजन हैं। सबका अपना दृष्टिकोण है। पूज्य आदि शंकराचार्यजी के भाष्य में निर्गुण और अद्वैत के दर्शन होते हैं तो रामानुजाचार्य जी के भाष्य में सगुन भक्ति के। ज्ञान और कर्म को समझाने वाला ओशो का भाष्य है। राजनेताओं में गाँधीजी और लोकमान्य तिलक और समाज सुधारक बिनोबाजी ने भी गीता के ज्ञान को अपने ढंग प्रस्तुत किया है। इन मनीषियों ने केवल गीता का भाष्य ही तैयार नहीं किया अपितु इनके व्यक्तित्व और कार्यशैली में गीता के उस संदेश की झलक भी मिलती है जो इन्होंने अपने अपने भाष्य में दिया है। पूज्य आदिशंकराचार्य जी द्वारा सनातन धर्म की पताका को पुनर्प्रतिठित करने में, रामानुजाचार्य जी द्वारा दासत्व के घोर अंधकार के बीच भक्ति मार्ग द्वारा सनातन ज्योति जलाये रखने में, गाँधीजी एवं लोकमान्य तिलक ने स्वाधीनता संग्राम में नयी दिशा सुनिश्चित करने में और बिनोवाजी के भूदान आँदोलन की संकल्पशीलता में स्पष्ट झलकती है।

संविधान की मूलप्रति के चौथे भाग में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को श्रीमद्भगवत गीता का संदेश देते हुये चित्र भी उकेरा गया है। संविधान के इस भाग में राज्य के नीति निदेशक सिद्धांत का उल्लेख है। संभवतः संविधान निर्माताओं का उद्देश्य नीति नियमों के पालन में निरपेक्षता भाव लाना रहा होगा। इसलिए उन्होंने इस भाग के लिये इस चित्र को उकेरने का निर्णय लिया होगा। श्रीमद्भगवद्गीता में व्यक्तित्व, समाज राष्ट्र और संसार को सुखी बनाने के सूत्र भी हैं और यह भारत में सबसे अधिक बिकने वाला और बाँटा जाने वाला ग्रंथ है। इसकी मान्यता न्यायालय में भी है और संविधान में भी। संविधान में मान्यता है तभी तो गीता का उपदेश करते हुये चित्र उकेरा गया है। लेकिन सबसे कम पढ़ा जाना वाला और सबसे कम समझा जाने वाला ग्रंथ भी गीता है। जो समाज श्रीमद्भगवतगीता पर हाथ रखकर सौगंध खाता है, अपने प्रियजनों की स्मृति में गीता का वितरण करता है वह यदि पढ़कर गीता समझता तो उसके सामने वह समस्याएँ नहीं होतीं जो आज देश में दिखाई दे रहीं हैं।

रुक्मणी क्रिकेट एकेडमी और द आर्यन क्रिकेट एकेडमी की टीमें जीतीं

एजेंसी

मुरादाबाद। अवस्थी मेमोरियल कमेटी और डिस्ट्रिक स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद द्वारा आयोजित अंडर-16 इंटर क्लब क्रिकेट लीग में ग्रुप बी के दो मैच खेले गए। पहला मैच रुक्मणी क्रिकेट एकेडमी के मैदान पर और दूसरा मैच आईएफटीएम यूनिवर्सिटी के मैदान पर खेला गया। पहले मैच में रुक्मणी क्रिकेट एकेडमी और दूसरे मैच में द आर्यन क्रिकेट एकेडमी ने जीत हासिल की। पहले मैच में टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए रुक्मणी क्रिकेट एकेडमी ने निर्धारित 40 ओवरों में चार विकेट खोकर 350 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम के लिए कप्तान मोहम्मद कैफ ने शानदार बल्लेबाजी करते 100 बाल पर 17 चौके और एक छक्के की मदद से 151 रन की पारी खेली। इसके अलावा देव पैसल ने 77, अशरफ रजा ने 55 व मोहम्मद कौनैन ने ताबड़तोड़ 14 बाल पर नाबाद 31 रन बनाए। 22 यार्ड क्रिकेट एकेडमी के लिए गेंदबाजी में धैर्य प्रताप सिंह ने तीन विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए 22 यार्ड क्रिकेट एकेडमी 26.2 ओवर में सिर्फ 100 रन ही बना पाई। टीम के लिए काव्यांश सिसोदिया ने 19 व आदित्य पांडे ने 18 रन बनाए। रुक्मणी क्रिकेट क्रिकेट एकेडमी के लिए वहाब तुर्क और मोहम्मद जमी ने दो-दो व मोहम्मद दानिश, मोहम्मद कौनैन, फैज मोहम्मद, मोहम्मद अरीब व मोहम्मद कैफ ने एक-एक विकेट लिए।

राजा राम कुमार भार्गव मेमोरियल यूपी स्टेट बिलियर्ड्स एंड स्नूकर चैम्पियनशिप

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश बिलियर्ड्स और स्नूकर एसोसिएशन (यूपीबीएसए) के तत्वावधान में आयोजित राजा राम कुमार भार्गव स्मृति राज्य स्तरीय बिलियर्ड्स और स्नूकर चैम्पियनशिप में प्रयागराज के सुमित चावला, पुष्पेंद्र सिंह, मोहम्मद आमिर, सुजन जायसवाल और अलीगढ़ के अदीब मुस्तफा ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में जगह बना ली है। बिशप जॉर्ज स्कूल एंड कॉलेज में प्रतियोगिता के पांचवें दिन प्रयागराज के सुमित चावला ने वाराणसी के सागर को 3-1 से हराया। सुमित शुरू से ही अपने विरोधी के खिलाफ एक मिशन पर लग रहे थे। हालांकि सागर किसी समय फ्रेम 48-44 से जीतने में कामयाब रहे, लेकिन उसके बाद सुमित ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया। अगले ही फ्रेम में सुमित ने उन्हें 9 के मुकाबले 43 का स्कोर किया। तीसरा और चौथा फ्रेम भी सुमित ने 63-21, 60-20 से जीता। प्रयागराज के पुष्पेंद्र सिंह ने वाराणसी के स्नेहिल राज को 3-0 से हराया। पुष्पेंद्र ने पहले फ्रेम क्रमशः 56-32, 47-38 से जीता। आखिरी फ्रेम काफी लंबा चला। दोनों खिलाड़ी एक-दूसरे के मूव्स पर आक्रमण किये, आखिर में पुष्पेंद्र ने स्नेहिल को पीछे छोड़ते हुए 75-58 का स्कोर करके मैच जीत लिया।

अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर दीप्ति शर्मा के बाद आगरा की गुरु चेला की जोड़ी ने फहराया परचम

आगरा। श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में चल रहे वर्ल्ड पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप 2025 में शनिवार को आगरा के गुरु और शिष्य की जोड़ी ने शानदार जीत दर्ज की है। जनपद के इटौरा स्थित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय के व्यायाम शिक्षक हरीश चंद्र ने 77 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण और इसी विद्यालय के कक्षा 11 के छात्र रमन कुमार ने 56 किग्रा भार वर्ग में सिल्वर मेडल जीत कर आगरा का नाम रोशन किया है। समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई दी है। वर्ल्ड पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप 2025 में 40 से अधिक देशों के एथलीट हिस्सा ले रहे हैं। यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता 30 दिसंबर चलेगी। इन दोनों खिलाड़ियों का चयन गुजरात के सूरत और मेहसाणा में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में दमदार प्रदर्शन के बाद किया गया था। समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने इस उपलब्धि पर दोनों खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि कोलंबो में मिली यह ऐतिहासिक उपलब्धि पूरे प्रदेश और देश के लिए गर्व का विषय है। सर्वोदय विद्यालय इटौरा के छात्र और शिक्षक ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर जो प्रदर्शन किया है, वह आने वाले खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा। योगी सरकार हमेशा खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

IPL में अब नहीं दिखेंगे फाफ डु प्लेसिस

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में साउथ अफ्रीका के दिग्गज खिलाड़ी फाफ डु प्लेसिस खेलते नहीं दिखेंगे। उन्होंने बताया कि वो पाकिस्तान सुपर लीग के कारण आईपीएल में नहीं खेल पाएंगे। साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसिस लगभग एक दशक से इंडियन प्रीमियर लीग का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। फाफ आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेले थे। आईपीएल 2026 के लिए दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें रिटेन नहीं किया था। इसके बाद से अगले सीजन में उनकी मौजूदगी को लेकर कयास लगाए जा रहे थे। फाफ ने सारे कयासों को समाप्त कर दिया है। फाफ डु प्लेसिस ने आईपीएल 2026 के लिए होने वाली नीलामी में शामिल नहीं होने का फैसला लिया है। इस फैसले के साथ ही यह स्पष्ट हो गया है कि वह आईपीएल 2026 में नहीं खेलेंगे। 2012 से 2025 के बीच फाफ डु प्लेसिस ने 154 मैचों में 39 अर्धशतक लगाते हुए 4,773 रन बनाए हैं। वह सीएसके के साथ खिताब जीत चुके हैं, जबकि 2022 से 2024 तक आरसीबी के कप्तान रहे हैं।

फ्लेमिंगो ने कोपा लिबर्टाडोरेस जीता, पाल्मेरास को 1-0 से हराया

एजेंसी

लिमा। फ्लेमिंगो ने पाल्मेरास को 1-0 से हराकर कोपा लिबर्टाडोरेस का खिताब अपने नाम किया। इसके साथ ही दक्षिण अमेरिका की शीर्ष क्लब प्रतियोगिता में फ्लेमिंगो चौथी बार चैंपियन बना और यह उपलब्धि हासिल करने वाली ब्राज़ील की सबसे सफल टीम बन गई।लिमा के एस्टादियो मोन्यूमेंटल में खेले गए इस मुकाबले में सेंटर-बैक डैनिलो के दूसरे हाफ में लगाए गए हेडर ने मैच का एकमात्र और निर्णायक गोल बनाया। यह पिछले छह सीज़न में पांचवीं बार था जब फाइनल में दो ब्राज़ीलियाई क्लब आमने-सामने थे। फ्लेमिंगो ने इस जीत के साथ 2021 के फाइनल में पाल्मेरास से मिली 1-2 की हार का बदला भी चुका लिया और 2025 में ट्रॉफियों की हैट्रिक की राह पर मज़बूती से आगे बढ़ गया है। टीम ने साल की शुरुआत ब्राज़ीलियन सुपर कप जीतकर की थी और अब घरेलू लीग खिताब पर कब्ज़ा करने के लिए केवल दो मैचों में दो अंकों की जरूरत है। टूर्नामेंट में 2019 के बाद से फ्लेमिंगो की यह तीसरी और कुल चौथी जीत है। इसके साथ क्लब अब अर्जेंटीना के एस्तुदियान्तेस के बराबर पहुंच गया है, जबकि अर्जेंटीना के ही इंडिपेंडिएंते सात खिताबों के साथ शीर्ष पर है। दूसरी ओर, पाल्मेरास 89वें मिनट में बराबरी का सुनहरा मौका गंवाने पर पछताता रह गया, जब विटोर रोके ने बेहद करीब से शॉट बार के ऊपर मार दिया। यह पाल्मेरास का शायद सबसे बड़ा मौका था, एक ऐसा फाइनल जिसमें 33 फाउल और सात पीले कार्ड दिखाए गए। पहले हाफ में खेल काफी टकरावपूर्ण रहा, लेकिन बेहतर मौके फ्लेमिंगो ने ही बनाए। 15वें मिनट में ब्रूनो हेनरिक ने पहला खतरा बनाया, जिसका शॉट ऊपर चला गया। इसके बाद सामुएल लीनो ने भी बाएं फ्लैंक से काटते हुए जोरदार शॉट लगाया जो बाहर निकल गया। पहले हाफ के दौरान एक बड़ी झड़प तब देखने को मिली जब पाल्मेरास के डिफेंडर ब्रूनो फुच्स ने जॉर्जियन डी अरास्काइता को गिरा दिया। इस पर फ्लेमिंगो के एरिक पुलगार ने आक्रामक प्रतिक्रिया देते हुए फुच्स को लात मारी, लेकिन उन्हें केवल पीला कार्ड मिला।

निक्की कलियंदा पूनाचा ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के मुख्य ड्रॉ में बनाई जगह

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक के टेनिस खिलाड़ी निक्की कलियंदा पूनाचा ने चीन के चेंगदू में आयोजित एशिया-प्रशांत वाइल्डकार्ड प्लेऑफ जीतकर ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के मेंस डबल्स मुख्य ड्रॉ में जगह बना ली है। दूसरी वरीयता प्राप्त निक्की भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए थाईलैंड के प्रुच्या इसारो के साथ खेले। दोनों ने पहले मुकाबले में तिआनझी कियान और बोवेन वू को हराया। सेमीफाइनल में उन्होंने पाक लॉन्ग युंग और चिह ची हुआंग को मात दी। फाइनल में इस जोड़ी ने जापान के सेइता कुसुहारा और कात्सुकी नाकागावा को 6-4, 6-3 से हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन का वाइल्डकार्ड अपने नाम किया। यह निक्की के करियर का पहला ग्रैंड स्लैम मुख्य ड्रॉ प्रवेश है। इस उपलब्धि पर कर्नाटक स्टेट लॉन टेनिस एसोसिएशन (केएसएलटीए) ने ?1,00,000 के इनाम की घोषणा की है। ग्रेटर बेंगलुरु अथॉरिटी के चीफ कमिश्नर और केएसएलटीए के सचिव महेश्वर राव ने कहा कि चेंगदू में निक्की पूनाचा के शानदार प्रदर्शन पर हम बेहद खुश हैं, जहां उन्होंने अपने साथी प्रुच्या इसारो के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन वाइल्डकार्ड इवेंट जीता। हमें गर्व है कि वह रोहन बोपन्ना की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। हम दोनों को ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के लिए शुभकामनाएँ देते हैं और विश्वास है कि वे देश और राज्य का नाम रोशन करेंगे। इस उपलब्धि के सम्मान में केएसएलटीए ने 1 लाख इनाम देने का फैसला किया है। केएसएलटीए ने कहा कि वह कर्नाटक के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसे महत्वपूर्ण मील-पत्थरों को हमेशा सम्मानित करता रहेगा।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में मध्य प्रदेश शूटिंग टीम का शानदार प्रदर्शन

एजेंसी

भोपाल। राजस्थान में आयोजित खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 में मध्य प्रदेश की शूटिंग टीम ने हुए स्कीट इवेंट्स में दमदार प्रदर्शन करते हुए कुल पांच पदक अपने नाम किए। मप्र के खिलाड़ियों ने व्यक्तिगत और टीम दोनों वर्गों में उत्कृष्ट तालमेल, सटीक निशानेबाज़ी और निरंतरता का परिचय दिया। स्कीट मिक्स्ड इवेंट में शिवानी रैकवार ने गोल्ड, वंशिका-ज्योतिरादित्य ने जीता सिल्वरप्रतियोगिता में खेले गए स्कीट मिक्स्ड इवेंट में मध्य प्रदेश की शिवानी रैकवार ने अपने उत्कृष्ट नियंत्रण और तेज़ रिफ्लेक्सेस के दम पर गोल्ड मेडल जीता। वहीं वंशिका और ज्योतिरादित्य की जोड़ी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया। वहीं, मानसी और दुश्यांश की जोड़ी ने शानदार संतुलन दिखाते हुए महत्वपूर्ण ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। स्कीट टीम वूमेन में एमपी की बेटियों का तूफ़ानी प्रदर्शन – गोल्ड मेडलमहिला टीम वर्ग में मानसी, वंशिका और शिवानी की त्रिमूर्ति ने बेहतरीन रिद्म और निरंतरता के साथ सभी राउंड्स में बढ़त बनाए रखी और गोल्ड मेडल जीता। टीम की फोकस और तेज़ प्रतिक्रिया ने उन्हें पूरे मुकाबले में बढ़त दिलाई। स्कीट टीम मैन में ज्योतिरादित्य-दुश्यंत-अमन चौहान ने दिलाया ब्रॉन्जपुरुष टीम स्कीट में ज्योतिरादित्य, दुश्यंत और अमन चौहान की टीम ने स्थिर प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीता। टीम ने कठिन परिस्थितियों में भी संयम बनाए रखा और अंतिम राउंड्स में शानदार वापसी करते हुए पदक सुनिश्चित किया। मध्य प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने शूटिंग टीम को बधाई देते हुए कहा कि 'स्कीट इवेंट्स में यह शानदार प्रदर्शन खिलाड़ियों की मेहनत, समर्पण और राज्य की आधुनिक प्रशिक्षण प्रणाली का परिणाम है। एमपी के युवा अब शूटिंग में राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान बना रहे हैं। मध्य प्रदेश की शूटिंग अकादमी में अत्याधुनिक शूटिंग रेंज, अनुभवी कोचों के मार्गदर्शन और वैज्ञानिक प्रशिक्षण पद्धतियों ने खिलाड़ियों को प्रतियोगिता की दबाव स्थितियों के लिए पूरी तरह तैयार किया है।

जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में दोनों टीमों ने मैदान में जमकर बहाया पसीना

एजेंसी

रांची। जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले जाने वाले पहले वनडे मैच को लेकर काफी उत्साह है। दोनों टीमों ने भी मैदान पर जमकर पसीना बहाया और अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दिया।

खिलाड़ियों की बॉडी लैंग्वेज और नेट प्रैक्टिस देखकर साफ है कि दोनों ही टीमें जीत के साथ वनडे सीरीज की शुरुआत करना चाहती हैं। फुल टीम प्रैक्टिस के बाद भारतीय टीम के कप्तान केएल राहुल ने प्रेस वार्ता कर मैच से जुड़ी कई अहम बातों पर खुलकर चर्चा की। केएल राहुल ने कहा कि रांची में खेलना हमेशा खास रहा है, क्योंकि यह शहर क्रिकेट की धड़कनों से भरा हुआ है। उन्होंने कहा कि यह महेंद्र सिंह धौनी का शहर है। यहां क्रिकेट नस-नस में दौड़ता है। अगर माही भाई स्टेडियम में मैच देखने आते हैं, तो वह पल हमारे लिए बहुत खास होगा। यहां दर्शकों का समर्थन हमेशा जबरदस्त रहता है। पत्रकारों द्वारा किए गए सवालों का जवाब देते हुए राहुल ने टीम संयोजन, विकेट कीपिंग विकल्प और स्पिनर्स के खिलाफ टीम की चुनौतियों पर भी खुलकर बात की। ऋषभ पंत की भूमिका पर पूछे गए सवाल के जवाब में राहुल ने कहा कि अंतिम निर्णय मैच के दिन ही होगा। पंत भी टीम में है।

वह शानदार फॉर्म में हैं। यह कल ही तय हो पाएगा कि वह विकेट कीपिंग करेंगे या सिर्फ बैटिंग पर ध्यान देंगे। टीम उन्होंने कहा कि मैनेजमेंट इस पर विचार कर रहा है। टीम इंडिया हाल के दिनों में स्पिनर्स के खिलाफ कमजोर नजर आई है। इस पर राहुल ने साफ कहा कि टीम इस चुनौती को अच्छी तरह समझती है और इसे सुधारने के लिए निरंतर काम कर रही है। पुराने और अनुभवी बैट्समैन से हम लगातार सीख रहे हैं कि स्पिन को बेहतर कैसे खेलें। आने वाले समय में हम इसमें और मजबूत होंगे। हर सत्र में हम स्पिनरों पर खास फोकस करके प्रैक्टिस कर रहे हैं।

बॉलिंग और बैटिंग रणनीति को लेकर राहुल ने ज्यादा खुलासा तो नहीं किया, लेकिन यह जरूर कहा कि टीम परिस्थिति के अनुसार अपनी प्लानिंग कर चुकी है। उन्होंने बताया कि इस विकेट पर शुरुआत में बैटिंग थोड़ी चुनौतीपूर्ण हो सकती है, लेकिन मिडिल ओवर्स में रन बनाने के अवसर जरूर मिलेंगे। राहुल ने कहा कि डेथ ओवर्स में टीम की बॉलिंग यूनिट काफी मजबूत है और सभी गेंदबाज अपनी-अपनी भूमिका को लेकर स्पष्ट हैं।

राहुल ने कहा कि हमारा ध्येय साउथ अफ्रीका के मजबूत बल्लेबाजी क्रम पर शुरू से दबाव बनाने का रहेगा। बॉलिंग यूनिट इस मैच के लिए तैयार है। स्टेडियम में होने वाली भीड़ को लेकर राहुल ने कहा कि खिलाड़ियों के लिए इस तरह का माहौल हमेशा उत्साहित करने वाला होता है।

इंटर मियामी ने मेसी की अगुवाई में ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस फाइनल जीता, पहली बार एमएलएस कप के फाइनल में पहुंची

एजेंसी

फोर्ट लॉडरडेल, (संयुक्त राज्य अमेरिका)। लियोनेल मेसी की कप्तानी में इंटर मियामी ने न्यूयॉर्क सिटी एफसी को 5-1 से हराकर पहली बार मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) कप के फाइनल में जगह बना ली। ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस फाइनल के इस मुकाबले में तदेओ अलेंदे ने शानदार हैट्रिक लगाई, जबकि मातेओ सिल्वेत्ती और टेलास्को सेगोविया ने एक-एक गोल दागा।इस जीत के साथ मियामी अगले अपने घरेलू मैदान फोर्ट लॉडरडेल में एमएलएस के चैंपियनशिप मुकाबले की मेजबानी करेगा। यह फाइनल वेस्टर्न कॉन्फ्रेंस के विजेता – सैन डिएगो एफसी और वैंकूवर व्हाइटकैप्स – के बीच खेले जाने वाले मुकाबले के बाद तय होगा। पिछले दौर में एफसी सिनसिनाटी को 4-0 से मात देने के बाद मियामी का आत्मविश्वास पहले ही चरम पर था, और न्यूयॉर्क के खिलाफ भी टीम ने वही धाक जमाई। अलेंदे, जिन्होंने सिनसिनाटी के खिलाफ भी दो गोल किए थे, एक बार फिर टीम के सबसे प्रभावी हमलावर साबित हुए।

मैच का हाल

मुकाबले की शुरुआत में ही 14वें मिनट में सर्जियो बुस्केट्स के बेहतरीन थ्रू बॉल पर अलेंदे ने न्यूयॉर्क की ऑफसाइड ट्रैप को तोड़ते हुए पहला गोल दागा। इसके तीन मिनट बाद जोर्डी अल्बा के सटीक क्रॉस पर अलेंदे ने शानदार हेडर से बढ़त को 2-0 कर दिया।

37वें मिनट में न्यूयॉर्क ने मैक्सी मोरालेज़ की फ्री-किक पर जस्टिन हाक के गोल की बदौलत स्कोर 2-1 कर दिया, और हाफटाइम तक मुकाबला रोमांचक बना रहा। दूसरे हाफ में न्यूयॉर्क ने बराबरी का मौका भी पाया, लेकिन इंटर मियामी के गोलकीपर रोक्को रियोस नोवो ने जूलियन फर्नांडीज़ की खतरनाक शॉट को शानदार तरीके से रोक दिया।

इसके तुरंत बाद 67वें मिनट में मियामी ने काउंटर अटैक पर बेहतरीन मूव बनाया और मेसी की सटीक पास पर सिल्वेत्ती ने गोल दागकर स्कोर 3-1 किया। 83वें मिनट में सेगोविया ने चौथा गोल किया, और एक मिनट बाकी रहते अलेंदे ने अपनी हैट्रिक पूरी की, जिससे स्टेडियम में जश्न का माहौल छा गया। इंटर मियामी अब एमएलएस कप के फाइनल में खिताब जीतने के इरादे से मैदान में उतरेगी।

भारत-दक्षिण अफ्रीका मैच : दोनों टीमों ने मैदान पर जमकर पसीना बहाया

एजेंसी

रांची। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 30 नवंबर को रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में होने वाले पहले वनडे मैच को लेकर शहर में उत्साह चरम पर है। दोनों टीमें रांची पहुंच चुकी हैं और मैच से पहले मैदान पर जमकर पसीना बहा रही हैं।

भारतीय और दक्षिण अफ्रीकी टीमों ने जेएससीए स्टेडियम में अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया। भारत के खिलाड़ियों ने नेट्स में बैटिंग, बॉलिंग और फील्डिंग में लंबा अभ्यास किया। खिलाड़ी मैच से पहले अपनी लय हासिल करने में जुटे दिखे। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका टीम ने भी अपनी रणनीति पर काम करते हुए बल्लेबाजों और गेंदबाजों के साथ गहन अभ्यास किया। टीम इंडिया ने फुल टीम प्रैक्टिस सेशन में हिस्सा लिया। विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल, रविंद्र जडेजा और पूरी टीम नेट्स पर उतरी और करीब तीन घंटे तक अभ्यास किया। प्रैक्टिस के दौरान बल्लेबाजों ने तेज और स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ अलग-अलग ड्रिल्स की। विराट ने लंबे शॉट लगाकर अपनी तैयारी परखी जबकि रोहित शर्मा ने पावर-हिटिंग और स्ट्रेट बैट ड्राइव पर विशेष ध्यान दिया। भारत के बॉलिंग कोच मॉर्न मर्केल ने पत्रकारों से शुक्रवार को बातचीत करते हुए टीम की तैयारियों पर खुशी जताई। उन्होंने बताया कि भारतीय ड्रेसिंग रूम में पूरी तरह पॉजिटिव एनर्जी है। कोच मर्केल ने कहा कि टीम ने टेस्ट मैच की हार को पीछे छोड़ दिया है। अब पूरा फोकस वनडे सीरीज पर है। खिलाड़ी पूरी ऊर्जा के साथ मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं और दक्षिण अफ्रीका को कड़ी टक्कर देने की क्षमता रखते हैं। हमारा लक्ष्य इस वनडे सीरीज पर कब्जा करना है। भारतीय टीम के युवा और सीनियर खिलाड़ी दोनों ही उत्साह से भरे नजर आए। कोचिंग स्टाफ ने भी खिलाड़ियों के साथ मिलकर हर स्थिति पर काम किया।

सिद्दी समुदाय की पहलवान शालिना सायर ने खेलो इंडिया में कांस्य पदक जीतकर रचा इतिहास

एजेंसी

भरतपुर। कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ की पहलवान शालिना सायर सिद्दी ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी) में महिलाओं की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। यह सिद्दी समुदाय से आने वाली शालिना का पहला केआईयूजी पदक है। लोहागढ़ स्टेडियम में हुए मुकाबले में शालिना ने हरियाणा की भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की भानु को 2-1 से हराकर कांस्य हासिल किया। शालिना ने खुशी जताते हुए साई मीडिया से कहा, 'मैं पहले भी खेलो इंडिया यूथ गेम्स में हिस्सा ले चुकी हूं, लेकिन यह मेरा पहला केआईयूजी था। मुझे उम्मीद थी कि मैं पदक जीतूंगी, बस रंग तय नहीं था। पदक जीतकर बहुत खुशी हो रही है। 'उन्होंने बताया कि वे तीन दिन की कठिन ट्रेन यात्रा करके भरतपुर पहुंचीं, लेकिन अब अपने प्रयासों को सफल देखकर सारी थकान मिट गई है।शालिना ने मुस्कुराते हुए कहा, 'हमारी यात्रा मुश्किल थी, लेकिन अब जीत से सब सार्थक लग रहा है।' भारत में रंगभेद जैसी सामाजिक चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं, लेकिन शालिना ने बताया कि उन्हें कभी ऐसी समस्या का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने कहा, 'मैं धारवाड़ में बड़ी हुई हूं और स्थानीय बच्चों के साथ खेलते हुए कभी भेदभाव महसूस नहीं किया। खेल की वजह से लोग सम्मान देते हैं। ' साक्षात्कार के दौरान शालिना ने प्रो कबड्डी लीग में बंगाल वॉरियर्स के खिलाड़ी सुशील मोतेश कांबरेकर का भी ज़िक्र किया, जो उसी समुदाय से आते हैं। उन्होंने कहा, 'वे हमारे समुदाय के लिए बड़ी प्रेरणा हैं। मैं भी उनका जैसा नाम कमाकर सबको गर्व महसूस कराना चाहती हूं।' शालिना की बहन बेंगलुरु पुलिस में कार्यरत है, जिससे उन्हें परिवार से भी प्रेरणा मिलती है। शालिना की इस उपलब्धि ने एक बार फिर साबित किया है कि खेलो इंडिया का मंच न केवल प्रतिभा को निखारता है बल्कि समाज के हाशिये पर खड़े समुदायों को भी आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करता है।

जयंत चौधरी ने भारत के खेल सामग्री उद्योग को मजबूत करने के लिए स्पोर्टएज मेरठ का शुभारंभ किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि खेल भारत का नया उद्यम है और मेरठ अगले दशक के खेलों की सफलता की ताकत बनेगा। जयंत चौधरी ने स्पोर्टएज मेरठ (विकास और उत्कृष्टता के लिए खेल और उद्यमिता विकास) का शुभारंभ करने के अवसर पर अपने संबोधन में यह बात कही। जयंत चौधरी ने कहा कि खेल केवल पदक जीतने के बारे में नहीं है, यह अनुशासन, आत्मविश्वास और उद्यम का निर्माण करता है। उन्होंने कहा कि स्पोर्टएज मेरठ में कारीगरों, उद्यमों और युवाओं को आधुनिक कौशल, प्रौद्योगिकी और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच प्रदान करेगा। यह खेल सामान उद्योग को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने और नेतृत्व करने के लिए सशक्त बनाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे में जब 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करने के लिए तैयार है और हमारे खिलाड़ी मुक्केबाजी, क्रिकेट, कबड्डी और अन्य वैश्विक क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता हासिल कर रहे हैं। चौधरी ने कहा कि मेरठ में विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त स्पोर्ट्स हब बनने की पूरी क्षमता है।

श्रीलंका को हराकर पाकिस्तान ने जीता त्रिकोणीय श्रृंखला का खिताब

रावलपिंडी। शाहीन शाह अफरीदी और मोहम्मद नवाज (तीन-तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद सैम अयूब (36) और बाबर आजम (नाबाद 37) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर पाकिस्तान ने शनिवार को फाइनल मुकाबले श्रीलंका को आठ गेंदे शेष रहते छह विकेट से हराकर टी-20 त्रिकोणीय श्रृंखला का खिताब अपने नाम किया। सीरीज में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले मोहम्मद नवाज को 'प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज' के पुरस्कार से नवाजा गया। इस टूर्नामेंट की तीसरी टीम जिम्बाब्वे थी। पाकिस्तान ने पहली बार घरेलू सरजमीं पर त्रिकोणीय श्रृंखला का फाइनल जीता है। इससे पहले उन्होंने घर पर तीन एकदिवसीय त्रिकोणीय-सीरीज फाइनल और एक एशियन टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल खेला था, और सभी हार गए थे। 115 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान के लिए साहिबजादा फरहान और सैम अयूब की जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 46 रन जोड़े। आठवें ओवर में इशान मलिंगा ने फरहान (23) को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। 12वें ओवर में हसरंगा ने सैम अयूब को आउट किया। सैम अयूब ने 33 गेंदों में छह चौकों की मदद से 36 रन बनाये।

क़तर ग्रां प्री: पियास्त्री ने नॉरिस को पछाड़ किया पोल पर कब्ज़ा, वेरस्टापेन तीसरे स्थान पर

एजेंसी

दोहा। ऑस्कर पियास्त्री ने क़तर ग्रां प्री की क्वालिफाइंग में अपने मैकलेरन टीममेट और चैम्पियनशिप लीडर लैंडो नॉरिस को पीछे छोड़ते हुए पोल पोज़िशन अपने नाम कर ली। फ़ॉर्मूला वन की खिताबी दौड़ में शामिल शीर्ष तीन चालक ग्रिड के पहले तीन स्थानों पर रहे, जिससे रविवार को होने वाली रेस रोमांचक होने की उम्मीद है।नॉरिस रविवार को ही चैंपियन बन सकते हैं, लेकिन अगर पियास्त्री रेस जीतते हैं तो खिताबी मुकाबला अगले सप्ताह अबू धाबी में होने वाली अंतिम रेस तक जाएगा।मैकलेरन के फ्रंट-रो लॉकआउट के बीच रेड बुल के चार बार के विश्व चैम्पियन मैक्स वेरस्टापेन तीसरे स्थान पर रहे और क़तर में लगातार तीसरी जीत की उम्मीदों के साथ रेस में उतरेंगे।

नॉरिस का रिकॉर्ड, पियास्त्री का जवाब

नॉरिस ने अंतिम फेज़ में 1:19.495 के लाप के साथ सर्किट रिकॉर्ड तोड़ा था, लेकिन पियास्त्री ने उससे भी तेज़ 1:19.387 का समय निकालकर पोल अपने नाम किया। नॉरिस ने अंतिम प्रयास में गलती के चलते लैप छोड़ दिया।

पियास्त्री ने कहा, 'हमने कार में कोई बदलाव नहीं किया। शुरुआत से सब कुछ बेहतरीन महसूस हुआ। अगर चीज़ें ठीक चल रही हों तो उन्हें बदलने की ज़रूरत नहीं। '

नॉरिस ने माना कि उनकी कार में अंडरस्टियर था और इस कारण उन्हें अंतिम प्रयास छोड़ना पड़ा।

वेरस्टापेन की कार में उछाल की समस्या

वेरस्टापेन ने फिर से शिकायत की कि उनकी कार तेज़ रफ्तार पर बाउंस कर रही है और वे पियास्त्री के समय से 0.264 सेकंड पीछे रहे। उन्होंने कहा, 'क्वालिफाइंग थोड़ा बेहतर रहा, लेकिन अभी भी कई सीमाएँ थीं। '

ग्रिड में अन्य स्थान

जॉर्ज रसेल चौथे स्थान पर रहे।

मर्सिडीज के किमी एंटोनेली ने पाँचवां स्थान हासिल किया।

रेसिंग बुल्स के इसाक हद्जार छठे, विलियम्स के कार्लोस सैंज़ सातवें और एस्टन मार्टिन के फर्नांडो अलोंसो आठवें स्थान पर रहे। अल्पाइन के पियरे गैस्ली नौवें और फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर दसवें स्थान पर रहे। लेक्लेर अंतिम चरण में घूम गए, जिसके बाद सैंज़ की कार से निकले मलबे को हटाने के लिए सत्र को लाल झंडी दिखानी पड़ी। विलियम्स को सैंज़ की कार को 'अनसेफ रिलीज़' करने के चलते 5,000 यूरो का जुर्माना लगा, क्योंकि उनकी कार के रियर टायर पर फ्लोर स्टिकर्स चिपके रह गए थे।

हैमिल्टन का निराशाजनक प्रदर्शन

सात बार के विश्व चैम्पियन लुईस हैमिल्टन एक बार फिर संघर्ष करते दिखाई दिए और लगातार दूसरे सप्ताह शुरुआती चरण पार नहीं कर सके। वे 18वें स्थान पर रहे, हालांकि सॉबर के गैब्रियल बोर्तोलेतो की पाँच स्थान की पेनल्टी के कारण वे एक स्थान ऊपर आएंगे।वेरस्टापेन को अपने साथी युकी त्सुनोडा से भी मदद मिलने की उम्मीद नहीं दिख रही, क्योंकि जापानी चालक 15वें स्थान पर हैं और अगले वर्ष उनके स्थान पर हद्जार के आने की संभावना है। यह रेस रविवार को क़तर के लुसैल सर्किट में आयोजित की जाएगी, जहां ओवरटेकिंग हमेशा चुनौतीपूर्ण रहता है।

चावल, चीनी मजबूत; गेहूं नरम; दालों, खाद्य तेलों में घट-बढ़

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव बढ़ गये। चीनी में भी तेजी रही जबकि गेहूं की कीमतों में गिरावट देखी गयी। खाद्य तेलों और दालों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। घरेलू थोक जिंस बाजारों में सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत दो रुपये बढ़ी और सप्ताहांत पर यह 3,822.15 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। गेहूं 10 रुपये टूटकर 2,838.46 रुपये प्रति क्विंटल पर आ गया। आटे की कीमत 3,302.14 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रही। बीते सप्ताह सरसों तेल 59 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। पाम ऑयल में 46 रुपये और सोया तेल में 36 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट देखी गयी। वनस्पति नौ रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। मूंगफली तेल की कीमत 22 रुपये और सूरजमुखी तेल की पांच रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी।दाल-दलहनों में मूंग दाल की कीमत 16 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। चना दाल 27 रुपये और उड़द दाल 21 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। तुअर दाल और मसूर दाल की कीमतें पांच-पांच रुपये प्रति क्विंटल लुढ़क गयीं। मीठे के बाजार में सप्ताह के दौरान गुड़ के औसत भाव 20 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गये। चीनी भी छह रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।

नयी पीढ़ी के युवाओं के लिए फैशन स्टेटमेंट बन गयी है खादी : मनोज कुमार

नई दिल्ली। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि आज के युवा तेजी से खादी को अपना रहे हैं और नये युग की खादी उनके लिए फैशन स्टेटमेंट बन गयी है। श्री कुमार ने यहां प्रगति मैदान स्थित राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय एवं हस्तकला अकादमी में आयोजित 'नवयुग खादी फैशन शो' के बाद संवाददाताओं से बात करते हुए यह बात कही। फैशन शो में मॉडलों ने खादी के सुंदर-सुंदर पारंपरिक और आधुनिक परिधानों में रैम्प वॉक किया। मुख्य अतिथि श्री कुमार ने फैशन शो में प्रदर्शित परिधानों तथा कारीगरों की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन' के नारे के बाद से इसकी लोकप्रियता काफी बढ़ी है। साल 2014 में खादी की बिक्री 30-35 हजार करोड़ रुपये थी जो 10 साल में बढ़कर 1.75 लाख करोड़ पर पहुंच गयी है। कार्यक्रम का आयोजन केवीआईसी, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर खादी, राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) और भारतीय फैशन डिजाइन परिषद (एफडीसीआई) ने मिलकर किया। राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय एवं हस्तकला अकादमी में 28 नवंबर से 03 दिसंबर तक 'डिजाइनर टीम' के मार्गदर्शन में साड़ियां, परिधान, यार्डेज, एक्सेसरीज और गृह-सज्जा के उत्पाद देशभर के खादी संस्थानों के माध्यम से तैयार कर एक ही स्थान पर प्रदर्शित किये जा रहे हैं।

सितंबर तिमाही का जीडीपी आंकड़ा भारत के मजबूत आर्थिक लचीलेपन का प्रमाण: विशेषज्ञ

नई दिल्ली। विशेषज्ञों के अनुसार चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि मजबूत घरेलू मांग, सेवाओं के निर्यात में मजबूती और कम मुद्रास्फीति के चलते संभव हुई। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन भारत की मजबूत आर्थिक क्षमता को दर्शाता है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की शोध रिपोर्ट में कहा गया, 'भारत की वृद्धि गाथा नई, बड़ी और साहसिक ऊंचाइयों को छू रही है। वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में छह तिमाहियों का सर्वोच्च 8.2 प्रतिशत का आंकड़ा इसी की पुष्टि करता है।' विशेषज्ञों के अनुसार दूसरी तिमाही की मजबूत जीडीपी वृद्धि का मुख्य आधार निजी उपभोग रहा, जबकि अमेरिकी शुल्कों के मद्देनजर अग्रिम निर्यात ने निर्यात वृद्धि को सहारा दिया। निर्माण में 5.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो तिमाही आधार पर सुस्ती दर्शाती है, लेकिन सालाना आधार पर सुधार दिखाती है, यानी बाहरी मांग का चित्र मिला-जुला है। एसबीआई की शोध रिपोर्ट 'इकोरैप' में कहा गया कि कुल मिलाकर रुझान बताते हैं कि जीडीपी वृद्धि मुख्य रूप से घरेलू मांग से संचालित है, जिसे सेवा निर्यात, कम मुद्रास्फीति और श्रम-गहन क्षेत्रों में मूल्य संवर्धन का विस्तार सहारा दे रहा है। एचडीएफसी बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है, 'आगे चलकर हम दूसरी छमाही में जीडीपी वृद्धि का औसत करीब 6.6 प्रतिशत रहने की उम्मीद करते हैं, क्योंकि आधार प्रभाव कम होगा, सरकारी खर्च की रफ्तार सामान्य होगी, और अमेरिका के उच्च शुल्कों व वैश्विक सुस्ती का प्रभाव निर्यात पर दिखेगा।

जुलाई-सितंबर तिमाही में 15 टीयर-2 शहरों में घरों की बिक्री चार प्रतिशत बढ़कर 37,000 करोड़ रुपये हुई

नई दिल्ली। देश के 15 प्रमुख टीयर-2 शहरों में जुलाई-सितंबर तिमाही में घरों की बिक्री मूल्य के लिहाज से चार प्रतिशत बढ़कर 37,409 करोड़ रुपये हो गई, जबकि बिकने वाली इकाइयों की संख्या में मामूली गिरावट दर्ज की गई। रियल एस्टेट डेटा मंच प्रॉपइक्विटी ने यह जानकारी दी। प्रॉपइक्विटी के आंकड़ों के मुताबिक इन 15 शहरों में कुल घरों की बिक्री पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में चार प्रतिशत घटकर 39,201 रह गई। इन 15 टीयर-2 शहरों में अहमदाबाद, सूरत, गांधीनगर, वडोदरा, जयपुर, नासिक, नागपुर, मोहाली, भुवनेश्वर, लखनऊ, भोपाल, कोयंबटूर, गोवा, तिरुवनंतपुरम और कोच्चि शामिल हैं। नए आवास आपूर्ति में सालाना 10 प्रतिशत की गिरावट आई और यह सितंबर 2025 को समाप्त तिमाही में 28,721 इकाइयों तक रह गई।

सरकारी सुधारों, विनिर्माण प्रोत्साहन से दूसरी तिमाही की जीडीपी वृद्धि दर 8.2 फीसदी हुई

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि कारोबारी सुगमता बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए अनेक कदमों और सुधारों की वजह से चालू वित्त वर्ष 2025-26 की (जुलाई-सितंबर) दूसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था ने 8.2 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के मौके पर गुजरात के वडोदरा में आयोजित एक नेशनल पदयात्रा में हिस्सा लेते हुए जीडीपी पर पूछे गए सवाल के जवाब में पीयूष गोयल ने कहा कि वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता के बावजूद देश का निर्यात भी अच्छी वृद्धि दर्ज कर रहा है। उन्?होंने कहा कि? भारत सरकार ने बिजनेस को आसान बनाने के लिए कई कदम

उठाए हैं और सुधार किए हैं, जिससे मौजूदा वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में अर्थव्यवस्था को 8.2 फीसदी की ग्रोथ हासिल करने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि व्यापार के मोर्चे पर ग्लोबल अनिश्चितताओं के बावजूद देश का निर्यात भी अच्छी ग्रोथ दर्ज कर रहा है। उन्होंने कहा कि 8.2 फीसदी की ग्रोथ सरकार द्वारा उठाए गए कई सुधार उपायों को दिखाती है। गोयल ने कहा कि मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने और कारोबार को आसान बनाने के लिए कई उपाय किए गए हैं।केंद्रीय मंत्री ने 'एक्स' पर लिखा कि आज वडोदरा में श्रम रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया एवं मंत्री वीरेंद्र कुमार के साथ सरदार पटेल की 150वीं जन्मजयंती पर आयोजित यूनिटी मार्च (पदयात्रा) में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला। वडोदरा में कदम रखते ही सरदार पटेल की विरासत का गर्व महसूस होता है। उनकी दृढ़ता से अनेक रियासतें मिलकर एक भारत बनीं। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वही संकल्प हमें आत्मनिर्भर और विकसित भारत की राह दिखा रहा है।

शीर्ष 10 की सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 96,201 करोड़ बढ़ा

एजेंसी

मुंबई। शेयर बाजारों में रही रिकॉर्ड तोड़ तेजी के बीच पिछले सप्ताह बीएसई की शीर्ष 10 में से सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 96,201 करोड़ रुपये बढ़ गया जबकि अन्य तीन का 43,999 करोड़ रुपये घटा है। विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज के एमकैप में सबसे अधिक 28,283 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी बजाज फाइनेंस का एमकैप 20,348 करोड़ रुपये और एचडीएफसी बैंक का 13,611 करोड़ रुपये बढ़ा है। आईसीआईसीआई बैंक के बाजार पूंजीकरण में 13,600 करोड़ रुपये और एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनीलिवर में 7,671 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई।

भारतीय स्टेट बैंक का एमकैप 6,415 करोड़ रुपये और सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इंफोसिस का 6,273 करोड़ रुपये बढ़ा। दूरसंचार सेवा प्रदाता भारती एयरटेल के बाजार पूंजीकरण में 35,239 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गयी। भारतीय जीवन बीमा निगम का एमकैप 4,997 करोड़ रुपये और आईटी कंपनी टीसीएस का एमकैप 3,763 करोड़ रुपये घटा। एमकैप के मामले में 21,20,335 करोड़ रुपये के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बनी हुई है। एचडीएफसी बैंक 15,48,744 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल 11,98,041 करोड़ रुपये के साथ तीसरे स्थान पर रही।

ओडिशा का आबकारी राजस्व पांच साल में दोगुना बढ़ा

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओडिशा में शराब-विरोधी समूहों की खिलाफत के बावजूद आबकारी राजस्व पिछले पांच सालों में दो गुना ज़्यादा बढ़ गया है। राज्य के आबकारी मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 2020-21 में जहां आबकारी राजस्व 5,400 करोड़ रुपये था, वहीं 2024-25 में बढ़कर यह 11,429 करोड़ रुपये हो गया। उन्होंने कहा कि सरकार ने 2025-26 वित्त वर्ष में 9,753 करोड़ रुपये के राजस्व का लक्ष्य रखा है। उल्लेखनीय है कि राज्य में एक के बाद एक आने वाली सरकारें भारी विरोध के बावजूद शराब से ज़्यादा राजस्व कमाने की अपनी नीति पर अडिग रही हैं। आबकारी राजस्व मुख्य रूप से दुकानों, भट्ठी और मद्यशालाओं में मिलने वाली 'भारत में बनी विदेशी शराब' (आईएमएफ़एल) से मिलता है। आबकारी विभाग ने पारदर्शिता लाने के लिए भारत में बनी विदेशी शराब (आईएमएफ़एल) और देसी शराब की दुकानों की ई-नीलामी शुरू की है। आबकारी अधिकारियों ने कहा है

कि इससे राजस्व में बढ़ोतरी हुई है। इस बीच एक ओर जहां सरकारें आबकारी राजस्व बढ़ाने के लिए ज़्यादा विदेशी और देसी शराब की दुकानें खोलने की मंजूरी दे रही हैं, वहीं राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफ़एचएस) से एक परेशान करने वाली तस्वीर सामने आयी है कि ग्रामीण और शहरी दोनों इलाकों में लोग पिछले सालों की तुलना में ज़्यादा शराब पी रहे हैं।दूसरी ओर शराब विरोधी समूहों का कहना है कि सरकार दोहरा रवैया अपना रही है। शराब की लत परिवारों को तोड़ रही है और उन्हें आर्थिक रूप से कमज़ोर बना रही है।

महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात में परियोजनाओं के लिए 80 करोड़ डॉलर से अधिक का ऋण देगा एडीबी

एजेंसी

नई दिल्ली। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात में विभिन्न परियोजनाओं के लिए 80 करोड़ डॉलर का ऋण देगा। एडीबी ने इस संबंध में भारत सरकार के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये। वार्ता के दौरान केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व आर्थिक मामलों के विभाग के संयुक्त सचिव (एडीबी और जापान) ने किया। भारत की ओर से विभाग के उपसचिव सौरभ सिंह और एडीबी की ओर से भारत में मिशन की निदेशक मियो ओका ने समझौतों पर हस्ताक्षर किये। एक समझौता महाराष्ट्र में बिजली वितरण से जुड़ा है जिसके लिए 50 करोड़ डॉलर का ऋण दिया जायेगा। इंदौर में मेट्रो रेल परियोजना के लिए 19.06 करोड़ डॉलर और गुजरात कौशल विकास कार्यक्रम के लिए करीब 11 करोड़ डॉलर का कर्ज मिलेगा। इसके अलावा, 10 लाख डॉलर की तकनीकी सहायता अनुदान पर भी हस्ताक्षर किये गये जो असम में आगामी सस्टेनेबल वेटलैंड एंड

इंटीग्रेटेड फिशरीज ट्रांसफ़ॉर्मेशन (स्विफ्ट) परियोजना के कार्यान्वयन में सहायता प्रदान करेगा। यह परियोजना राज्य के वेटलैंड पारिस्थितिक तंत्र और मत्स्य संसाधनों को सुदृढ़ करने के लिए बनायी गयी है। महाराष्ट्र में बिजली परियोजना के तहत ग्रामीण बिजली अवसंरचना का आधुनिकीकरण करना, विकेन्द्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देना और किसानों को सिंचाई के लिए दिन में सौर ऊर्जा आधारित विश्वसनीय बिजली उपलब्ध कराकर कृषि उत्पादकता में सुधार करना है। इंदौर मेट्रो परियोजना के तहत 27,14,72,00,000 जापानी येन (19.06 करोड़ डॉलर) से 8.62 किमी लंबी भूमिगत मेट्रो लाइन के निर्माण के लिए धन उपलब्ध कराया जायेगा। इसमें सात स्टेशन होंगे। यह लाइन इंदौर के भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों को हवाई अड्डे से जोड़ेगी। परियोजना में बस और फीडर सेवाओं के साथ मल्टीमॉडल इंटीग्रेशन शामिल है, जिससे शैक्षणिक संस्थानों और बाजारों तक पहुंच आसान होगी। गुजरात कौशल विकास कार्यक्रम के तहत राज्य की कार्यशक्ति को ऐसे उन्नत, उद्योग-उन्मुख कौशल प्रदान किया जायेगा जो उच्च-विकास वाले क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों को बढ़ाते हैं। इन क्षेत्रों में लॉजिस्टिक्स, ऑटोमोबाइल, विनिर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा और एग्री-टेक शामिल हैं।

निवेशक जागरूकता पर सेबी का फोकस, चेयरमैन बोले- चेक प्लेटफॉर्म और सारथी एप से बढ़ेगी सुरक्षा

एजेंसी

मुंबई । भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) के अध्यक्ष तुहिन कांत पांडे ने निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए एक पारदर्शी और मजबूत और फेयर रेगुलेटरी फ्रेमवर्क बनाने के सेबी की प्रतिबद्धता पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि निवेशकों की सुरक्षा और बाजार में पारदर्शिता सबसे आवश्यक है, जिसके लिए सेबी लगातार काम कर रहा है। हमें एक ऐसा निवेश कल्चर बनाने की जरूरत है जिससे पूरे बाजार के इकोसिस्टम को लाभ मिले।

सेबी अध्यक्ष 29 नवंबर को पोंडीचेरी में आयोजित निवेशक जागरुकता सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा कि हाल ही में सेबी ने चेक की सुविधा निवेशकों के लिए पेश की है। इसका उद्देश्य निवेशकों को धोखाधड़ी से सुरक्षित रखना है। यह यूपीआई आईडी की असलियत को वेरिफाई करने और पंजीकृत

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड
Securities and Exchange Board of India

इंटरमीडियरी की बैंक विवरण को कंफर्म करने की सुविधा देता है।

निवेशक इन प्लेटफॉर्म के जरिए प्रामणिकता सत्यापित कर सकते हैं

इस सुविधा में नए यूपीआई सिस्टम के साथ एक डिजिटल सत्यापन टूल है, जो निवेशकों पंजीकृत मध्यस्थों के बैंक खाते के विवरण और यूपीआई आईडी के स्वतंत्र रूप से पुष्टी करने की भी सुविधा देता है। खाता और आईएफएससी कोड या वैध यूपीआई आईडी दर्ज करके निवेशक सेबी चेक प्लेटफार्म या सारथी ऐप, जो की सेबी द्वारा पेश किया गया है, उसके जरिए प्रामाणिकता सत्यापित कर सकते हैं।

भारत में 12.2 करोड़ यूनिक रजिस्टर्ड निवेशक हैं

इस अवसर पर बोलते हुए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के एमड व सीईओ आशीष कुमार चौहान ने कहा भारत में निवेशक स्तर तेजी से बढ़ रहा है। इसकी संख्या बढ़कर अब 12.2 करोड़ यूनिक रजिस्टर्ड निवेशकों की हो गई है। इसलिए वित्तीय साक्षरता और जागरुकता की जरूरत है, विशेष रूप से इंवेस्टर फ्रॉड और स्कैम के खिलाफ सबसे मजबूत शील्ड है। साथ ही निवेशकों को उनके वित्तीय क्षेत्र में बढ़ने में सहायता भी करता है।

एफपीआई ने नवंबर में 4,114 करोड़ रुपये का किया शुद्ध निवेश

एजेंसी

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय पूंजी बाजार में नवंबर में 4,114 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। सीडीएसएल के आंकड़ों के अनुसार नवंबर में एफपीआई ने जितना पैसा निकाला उससे 4,114 करोड़ रुपये ज्यादा लगाये। यह लगातार दूसरा महीने है जब पूंजी बाजार में एफपीआई का निवेश सकारात्मक रहा है।एफपीआई ने नवंबर में डेट में 4,674 करोड़ रुपये और म्यूचुअल फंड में 3,098 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। हाइब्रिड उपकरणों में भी उन्होंने 103.72 करोड़ रुपये का निवेश किया। वहीं, इक्विटी में वे बिकवाल रहे और 3,765 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। पूरे कैलेंडर वर्ष में एफपीआई अबतक सात महीने शुद्ध रूप से बिकवाल और शेष चार महीने लिवाल रहे हैं। साल के दौरान उन्होंने 45,251 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है। इक्विटी से उन्होंने 1,37,492 करोड़ रुपये निकाले हैं जबकि डेट में 87,250 करोड़ रुपये और म्यूचुअल फंड में 3,101 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है।

50फीसदी अमेरिकी टैरिफ से भारतीय निर्यात को नुकसान, GTRI का दावा- पांच महीनों में 28.5फीसदी की गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका की भारतीय सामानों पर लगाए गए आक्रामक और अभूतपूर्व आयात शुल्कों (टैरिफ) के चलते, मई से अक्तूबर के बीच पिछले पांच महीनों में भारत के निर्यात में 28.5 प्रतिशत की भारी गिरावट आई है। यह आंकड़ा केवल संख्या में कमी नहीं, बल्कि भारतीय विनिर्माण और रोजगार के लिए एक बड़ी चिंता भी है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने भारतीय सामानों पर टैरिफ में जिस तरह की बढ़ोतरी की है, वह अप्रत्याशित है। इस साल 2 अप्रैल को पहली बार भारतीय उत्पदों पर 10 प्रतिशत का जवाबी टैरिफ लगाया गया। 7 अगस्त को यह बढ़कर 25 प्रतिशत हुआ और अगस्त के अंत तक 50 प्रतिशत के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। ट्रंप सरकार की इस आक्रामक नीति का नतीजा यह हुआ कि मई से अक्तूबर 2025 के बीच अमेरिका को होने वाला भारतीय निर्यात 8.83 अरब डॉलर से घटकर महज 6.31 अरब डॉलर रह गया। गौर करने वाली बात यह है कि इस 'टैरिफ युद्ध' में भारत की स्थिति चीन से भी खराब हो गई है। जहां चीन को लगभग 30 प्रतिशत और जापान को केवल 15 प्रतिशत शुल्क का सामना करना पड़ रहा है, वहीं भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत का भंयकर भार है। भले ही स्मार्टफोन, दवाइयां और पेट्रोलियम उत्पादों पर तकनीकी रूप से टैरिफ का फैसला लागू नहीं है, लेकिन बाजार के गिरते सेंटिमेंट का असर इनके निर्यात पर भी पड़ा है। अक्तूबर के निर्यात में इन उत्पादों की हिस्सेदारी 40.3फीसदी थी। इनका निर्यात मई के 3.42 अरब डॉलर से गिरकर अक्तूबर में 2.54 अरब डॉलर रह गया। यानी सीधे तौर पर इसमें 881 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव के अनुसार भारत से अमेरिका जाने वाला सबसे बड़ा उत्पाद स्मार्टफोन टैरिफ के कारण सबसे बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इसमें मई की तुलना में 36फीसदी की गिरावट आई है। मई में जो निर्यात 2.29 अरब डॉलर था, वह अक्तूबर में सिमटकर 1.50 अरब डॉलर रह गया। केवल स्मार्टफोन के निर्यता में 790 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है। जीटीआरआई के अनुसार चिंता का सबसे बड़ा कारण श्रम आधारित क्षेत्र हैं। इन क्षेत्रों में भारत के करोड़ों लोगों को रोजगार मिलता है। रत्न व आभूषण, कपड़ा, गारमेंट्स, रसायन और सीफूड जैसे क्षेत्रों पर 50फीसदी टैरिफ की सीधी मार पड़ी है। इन उत्पादों का निर्यात 31.2फीसदी लुढ़क कर 4.78 अरब डॉलर से 3.29 अरब डॉलर पर आ गया है। महज पांच महीनों में इन क्षेत्रों से लगभग 1.5 अरब डॉलर की पूंजी साफ हो गई है। रसायनों निर्यात में 38फीसदी की भारी गिरावट देखी गई है। लोहा, इस्पात, एल्युमीनियम और ऑटो पार्ट्स जैसे उत्पाद, जिन पर एक समान वैश्विक शुल्क लागू होते हैं, उनका प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा। मई से अक्टूबर के बीच इन श्रेणियों में निर्यात 23.8फीसदी गिर गया।

इंडिगो ने ए 320 परिवार के विमानों पर अपडेट का पूरा किया

एजेंसी

नई दिल्ली। ए320 परिवार के विमानों पर फ्लाइट कंट्रोल की समस्या से संबंधित सॉफ्टवेयर अपडेट का काम इंडिगो ने पूरा कर लिया जबकि एयर इंडिया ने भी शनिवार देर रात तक 90 प्रतिशत काम पूरा होने की सूचना दी है। जेटब्लू की उड़ान 1230 में 30 अक्टूबर को हुई घटना के बाद एयरबस ने दुनिया भर में ए320 परिवार (ए319, ए320 और ए321) के कई संस्करणों के लिए अनिवार्य अपडेट संबंधी मशविरा जारी किया है। यह समस्या विमान के फ्लाइट कंट्रोल से संबंधित है। इसके बाद, पहले यूरोपीय संघ की विमानन सुरक्षा एजेंसी (ईएएसए) और फिर डीजीसीए ने एयरलाइंस के लिए निर्देश जारी किये हैं। भारत में तीन विमान सेवा कंपनियों इंडिगो, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस के पास ए320 परिवार के विमान हैं। इनमें जिन 338 विमानों की पर अपडेट की जरूरत है उनमें 200 इंडिगो के पास, 113 एयर इंडिया के पास और 25 एयर इंडिया एक्सप्रेस

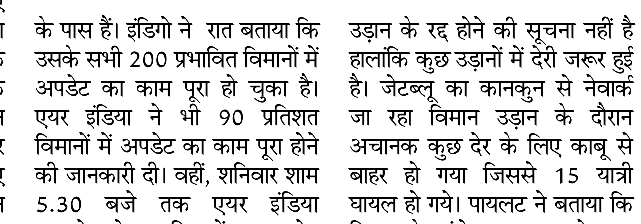

के पास हैं। इंडिगो ने रात बताया कि उसके सभी 200 प्रभावित विमानों में अपडेट का काम पूरा हो चुका है। एयर इंडिया ने भी 90 प्रतिशत विमानों में अपडेट का काम पूरा होने की जानकारी दी। वहीं, शनिवार शाम 5.30 बजे तक एयर इंडिया एक्सप्रेस ने 17 विमानों पर अपडेट का काम पूरा कर लिया था।

अपडेट से पहले इन विमानों के उड़ान भरने पर प्रतिबंध के कारण एयर इंडिया एक्सप्रेस की कम से कम चार उड़ानें रद्द हुई थीं जबकि एयर इंडिया और इंडिगो ने किसी उड़ान के रद्द होने की सूचना नहीं है हालांकि कुछ उड़ानों में देरी जरूर हुई है। जेटब्लू का कानकुन से नेवार्क जा रहा विमान उड़ान के दौरान अचानक कुछ देर के लिए काबू से बाहर हो गया जिससे 15 यात्री घायल हो गये। पायलट ने बताया कि विमान के कंट्रोल उस तरह से काम नहीं कर रहे थे जैसे करने चाहिये।

अनंत गोयंका बने फिक्की के नये अध्यक्ष, विजय शंकर वरिष्ठ उपाध्यक्ष

एजेंसी

नई दिल्ली। आरपीजी समूह के उपाध्यक्ष अनंत गोयंका ने 2025-26 के लिए उद्योग मंडल फिक्की के अध्यक्ष का पद भार संभाल लिया है जबकि सनमार समूह के अध्यक्ष विजय शंकर नये वरिष्ठ उपाध्यक्ष बने हैं। फिक्की की 98वीं आम सभा के दौरान दोनों ने पदभार ग्रहण किये। डालमिया

भारत लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी पुनीत डालमिया ने उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली है। श्री गोयंका टायर, बुनियादी ढांचा, फार्मा और आईटी तथा अन्य क्षेत्रों में कारोबार करने वाली 4.8 अरब डॉलर के आरपीजी समूह के उपाध्यक्ष हैं। वह 10 साल तक टायर बनाने वाली कंपनी सिएट के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी रहे थे। उनके कार्यकाल में कंपनी का बाजार पूंजीकरण 25 गुना बढ़ा था। सिएट से पहले वह हिंदुस्तान यूनीलिवर और केईसी इंटरनेशनल में भी काम कर चुके हैं। रसायन, इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी और शिपिंग क्षेत्रों के लिए विनिर्माण करने वाली सनमार समूह के अध्यक्ष श्री शंकर टीवीएस मोटर, भारतीय परिवहन निगम, ऑरिएंटल होटल्स और कावेरी रिट्रीट्स एंड रिजॉर्ट्स के निदेशकमंडलों में स्वतंत्र निदेशक हैं।

साइटिवा और वीडा लाइफसाइंसेज ने बेंगलुरु में शुरू किया हॉस्ट सेल प्रोटीन सर्विसेज सेंटर

एजेंसी

नई दिल्ली। डानाहर समूह की कंपनी और लाइफ साइंसेज सेक्टर की लीडर साइटिवा ने ग्लोबल कॉन्ट्रैक्ट रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन वीडा लाइफसाइंसेज (वीडा क्लिनिकल रिसर्च लिमिटेड) के साथ मिलकर बेंगलुरु में एक खास हॉस्ट सेल प्रोटीन (एचसीपी) सर्विसेज सेंटर शुरू किया है। यह सेंटर बायोफार्मास्युटिकल कंपनियों को नई बायोलॉजिक्स दवाओं और बायोसिमिलर्स के डेवलपमेंट में रिस्क कम करने और रेगुलेटरी स्टैंडर्ड्स पूरा करने में मदद करेगा। वीडा लाइफसाइंसेज के समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. महेश भालगत ने कहा कि हम साइटिवा के साथ पार्टनरशिप करके बहुत खुश हैं। इससे बायोलॉजिक्स बनाने वाली कंपनियों को गहरा साइंटिफिक इनसाइट मिलेगा और उनके प्रोडक्ट्स का कैरेक्टराइजेशन और मजबूत होगा। एनालिटिकल डेटा दवा को अप्रूवल मिलने में सबसे अहम होता है। हमारी यह साझेदारी बायोसिमिलर्स के रेगुलेटरी अप्रूवल को और मजबूत आधार देगी।उन्?होंने कहा कि साइटिवा की टेक्नोलॉजी से लैस और वीडा की फैसिलिटी के अंदर बना ये नया सेंटर बायोफार्मा मैन्युफैक्चरर्स, रिसर्चर्स और एकेडमिक संस्थानों के लिए एक पूरा एनालिटिकल हब बनेगा। यहां मल्टीपल एट्रीब्यूट डिफरेंशियल जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस तकनीक का इस्तेमाल होगा, जिससे एनालिसिस का काम तेज, सटीक और आसान हो जाएगा। सेंटर रेगुलेटरी अप्रूवल के लिए तैयार डेटा देगा। खासकर रिकॉम्बिनेंट प्रोटीन्स, थेरेप्यूटिक मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज, वैक्सीन्स आदि में मौजूद इंप्योरिटी के लिए। डॉ. महेश भालगत ने बताया कि

मुख्य सर्विसेज में एचसीपी कवरेज, कैरेक्टराइजेशन और क्वांटिफिकेशन असेज शामिल है। ये टेस्ट बहुत जरूरी हैं, क्योंकि थोड़ी सी भी एचसीपी इंप्योरिटी दवा की क्वालिटी खराब कर सकती है और मरीजों को नुकसान पहुंचा सकती है। उन्?होंने कहा कि साइटिवा के 2025 बायोफार्मा इंडेक्स में भी यही बात सामने आई है कि आजकल एनालिटिकल और डिजिटल टूल्स की डिमांड बहुत तेजी से बढ़ रही है। इससे प्रोडक्शन स्केल-अप आसान होता है, बैच फेल होने का खतरा कम होता है और जरूरी दवाएं मरीजों तक जल्दी पहुंचती हैं। साइटिवा के साउथ एशिया जनरल मैनेजर मनोज कुमार आर पणिक्कर ने कहा कि ये नया सेंटर इनोवेशन को तेज करने और नई थेरेपीज को आगे बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। जब साइंस, इंडस्ट्री और मकसद एक साथ आते हैं, तो बायोफार्मा में जो संभव है, ये सेंटर उसकी मिसाल है।वीडा लाइफसाइंसेज (वीडा क्लिनिकल रिसर्च लिमिटेड) एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जो दवा बनाने के सभी स्टेज के लिए पूरी सर्विस के साथ-साथ फंक्शनल सर्विस भी देता है। यह बायोटेक और फार्मास्युटिकल कंपनियों को प्री-क्लिनिकल से लेकर क्लिनिकल फार्माकोलॉजी और क्लिनिकल ट्रायल्स तक की अलग-अलग तरीकों से मदद करता है।

इराक में गोलीबारी में एक सैनिक की मौत

एजेंसी

बगदाद। दक्षिणी इराक के मायसन प्रांत में हुयी गोलीबारी में एक सैनिक की मौत हो गई और एक घायल हो गया। रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। मंत्रालय ने बताया कि यह घटना अल-कहला इलाके में सुरक्षा बनाए रखने और वांछित लोगों को गिरफ्तार करने के लिए बनायी गयी एक जांच चौकी पर आकस्मिक जांच के दौरान हुई। मंत्रालय ने कहा कि चार लोगों को ले जा रहा एक पिकअप ट्रक जांच चौकी पर रुका नहीं और उसने

अचानक अपना रास्ता बदल लिया। जब सुरक्षा बलों ने गाड़ी का पीछा किया तो संदिग्धों ने सैनिकों पर गोलियां चला दीं, जिससे एक सैनिक की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया।जवाबी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने गोलीबारी करते हुए संदिग्धों को गिरफ्तार कर उनके हथियार और वाहन को जब्त कर लिया।

वेनेजुएला ने अमेरिकी धमकी की निंदा की

काराकास। वेनेजुएला ने अमेरिका के उसके हवाईक्षेत्र को बंद करने की धमकी को देश के लोगों के खिलाफ एक और फालतू, गैर-कानूनी और गलत हमला बताते हुए इसकी निंदा की है। एक आधिकारिक बयान में काराकस ने वेनेजुएला पर अलौकिक क्षेत्राधिकार लागू करने की अमेरिका की कोशिश को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि इससे उसके देश की राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को खतरा है। दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले कहा था कि वेनेजुएला के ऊपर और आसपास के हवाईक्षेत्र को 'पूरी तरह से' बंद माना जाना चाहिए। श्री ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा, 'सभी एयरलाइंस, पायलट, ड्रग डीलर और मानव तस्करों से कहना चाहता हूं कि कृपया वेनेजुएला के ऊपर और आसपास के हवाईक्षेत्र को पूरी तरह से बंद करने पर विचार करें।' बयान में कहा गया कि अमेरिका का यह कदम बल प्रयोग की साफ धमकी है, जो संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत मना है। बयान में कहा गया कि 1944 के शिकागो सम्मेलन के तहत हर देश अपने इलाके के ऊपर के हवाईक्षेत्र पर खास अधिकार रखता है, और इस बात पर ज़ोर दिया गया कि वेनेजुएला किसी भी विदेशी ताकत के 'आदेश, धमकी या दखल' को स्वीकार नहीं करेगा।

लूव म्यूज़ियम चोरी के चौथे आरोपी पर मामला दर्ज

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस में मौजूद दुनिया के सबसे बड़े संग्रहालय 'लूव म्यूज़ियम' में हुई चोरी के मामले में गिरफ्तार किये गये चौथे आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। बीएफएमटीवी ने मामले से संबंधित सूत्रों के हवाले से बताया कि गिरफ्तार किये गये शख्स पर चोरी में प्रत्यक्ष रूप से शामिल होने का आरोप है। पेरिस के अभियोजक कार्यालय ने मंगलवार को कहा था कि चार आरोपी हिरासत में लिये गये हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार तो इनमें से सिर्फ एक म्यूज़िम में घुसने वाले चार-सदस्यीय गिरोह का हिस्सा हो सकता है। बीएफएमटीवी के अनुसार, हिरासत में लिये गये चार लोगों पर सुनियोजित चोरी और अपराध करने की साजिश रचने का आरोप था, लेकिन इनमें से तीन को रिहा कर दिया गया है। जिस चौथे शख्स को रिहा नहीं किया गया है, उसकी उम्र 38 साल है। वह इससे पहले दलाली, चोरी के सामान के कब्जे और बिना लाइसेंस के गाड़ी चलाने सहित कुल छह मामलों में जेल जा चुका है। उल्लेखनीय है कि 19 अक्टूबर को कुछ चोर पेरिस के लूव म्यूज़ियम में घुस गये थे, जहां से उन्होंने 'नेपोलियन और महारानी' नाम के 23 आभूषणों के संग्रह से नौ ज़ेवरात चुरा लिये थे। चोरी किये गये ज़ेवरात में मुकुट, झुमके, हार और ब्रोच शामिल हैं, जो कभी फ्रांसीसी रानियों और महारानियों के थे। चोरी किये गये सामान की कीमत करीब 8.8 करोड़ यूरो (9.11 अरब रुपये) है।

शी जिनपिंग ने साइबरस्पेस गवर्नेंस के लिए दीर्घकालिक तंत्र में सुधार पर दिया जोर

बीजिंग। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की केंद्रीय समिति के महासचिव शी जिनपिंग ने साइबरस्पेस गवर्नेंस के लिए दीर्घकालिक तंत्र में सुधार के महत्व पर जोर दिया है। सीपीसी केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के एक समूह अध्ययन सत्र की अध्यक्षता करते हुए श्री जिनपिंग ने एक स्वच्छ, स्वस्थ और सुदृढ़ ऑनलाइन वातावरण विकसित करने के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया। शी ने कहा कि 2012 में 18वीं सीपीसी राष्ट्रीय कांग्रेस के बाद से, पार्टी ने साइबरस्पेस गवर्नेंस को उच्च प्राथमिकता दी है, इंटरनेट पर मुख्यधारा के मूल्यों, मुख्यधारा के विचारों और मुख्यधारा की संस्कृति को लगातार सुदृढ़ किया है, और अस्वास्थ्यकर ऑनलाइन सामग्री का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया है। उन्होंने यह भी कहा कि समग्र ऑनलाइन वातावरण में सकारात्मक प्रगति देखी गई है। साइबरस्पेस गवर्नेंस की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए श्री जिनपिंग ने व्यापक शासन ढाँचे को मजबूत करने और सीपीसी केंद्रीय समिति के केंद्रीकृत, एकीकृत नेतृत्व में समन्वित प्रयासों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म, स्वतंत्र मीडिया निर्माताओं और बहु-चैनल इंटरनेट संस्थाओं के मार्गदर्शन को मज़बूत करने की आवश्यकता पर बल दिया और उनसे सामाजिक ज़िम्मेदारियाँ निभाने और सकारात्मक ऊर्जा के प्रसारक के रूप में कार्य करने का आग्रह किया।

खालिदा जिया को इलाज के लिए भेजा जा सकता है विदेश, डॉक्टर बोले-यात्रा के लिए अभी फिट नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी प्रमुख और पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया की हालत अभी गंभीर बनी हुई है। वे ढाका के एवरकेयर हॉस्पिटल के कोरोनरी केयर यूनिट में भर्ती हैं। उन्हें इलाज के लिए विदेश भेजने के बारे में सोचा जा रहा है, लेकिन परेशानी यह है कि पूर्व पीएम की हालत अभी उस लायक नहीं है कि उन्हें एयरलिफ्ट किया जा सके। बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने शनिवार देर रात पार्टी चेयरपर्सन के गुलशन ऑफिस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'आप सभी जानते हैं, बांग्लादेश के लोकतंत्र की जननी बेगम खालिदा जिया, कई दिनों से एवरकेयर हॉस्पिटल में गंभीर स्वास्थ्य स्थिति में हैं। उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ है और वह नाजुक स्थिति में

बनी हुई हैं।' 80 साल की पूर्व प्रधानमंत्री कई पुरानी बीमारियों से जूझ रही हैं, जिनमें दिल की समस्याएं, डायबिटीज, आर्थराइटिस, लिवर सिरोसिस और किडनी की परेशानी शामिल हैं।दोपहर को बीएनपी चीफ के बेटे तारिक रहमान के सलाहकार और पार्टी प्रवक्ता मेहदी अमीन ने फेसबुक पर पोस्ट किया कि खालिदा जिया के विदेश में इलाज की तैयारी चल रही है। उनकी हालत स्थिर होने के बाद उन्हें एडवांस मेडिकल केयर के लिए लंदन ले जाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं, जिसमें खास तौर पर तैयार एयर एम्बुलेंस का इंतजाम करने की कोशिशें भी शामिल हैं। हालांकि, डॉक्टरों की ओर से जारी बयान के अनुसार खालिदा जिया फिलहाल किसी भी यात्रा के लिए फिट नहीं हैं। मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने बताया कि बांग्लादेश के जाने-माने डॉक्टर के साथ ही अमेरिका में जॉन्स हॉपकिन्स और ब्रिटेन में लंदन क्लिनिक के स्पेशलिस्ट डॉक्टर की देखरेख में खालिदा जिया का इलाज चल रहा है। फखरुल ने कहा, 'कल रात पूरे मेडिकल बोर्ड ने लगभग ढाई घंटे तक मीटिंग की। उन्होंने उनके इलाज पर डिटेल में चर्चा की और इस बारे में अपनी राय शेयर की कि उनकी देखभाल कैसे होनी चाहिए और उन्हें अब किस तरह के इलाज की जरूरत है। मेडिकल बोर्ड ने कहा है कि उन्हें विदेश ले जाने की जरूरत पड़ सकती है, लेकिन उनकी स्थिति को देखते हुए उन्हें ले जाना मुमकिन नहीं है। वह अभी विदेश यात्रा के लिए फिट नहीं हैं।' उन्होंने कहा कि खालिदा जिया की हालत स्थिर होने के बाद मेडिकल बोर्ड इस पर विचार करेगा कि क्या उन्हें विदेश ले जाया जा सकता है।

यमन में अमेरिका के ड्रोन हमले में अल-कायदा के दो आतंकवादी मारे गए

एजेंसी

सना। यमन में मारिब प्रांत के पूर्व में अल वादी जिले के अल-हुसून इलाके में एक अमरीकी ड्रोन हमले में अल-कायदा के दो कथित आतंकवादी मारे गए। एक स्थानीय सरकारी सुरक्षा सूत्र ने यह जानकारी दी है। सूत्र ने कहा कि दोनों युवक अल-वादी ज़िले के थे, लेकिन उन्होंने अपने नाम नहीं बताए। यह हमला यमन में चल रहे आतंकवाद निरोध अभियान के बीच हुआ, जहाँ अमरीकी ड्रोन ने समय-समय पर उन लोगों को निशाना बनाया है जिनके बारे में माना जाता है कि वे अल-कायदा समेत आतंकवादी समूह से जुड़े हैं। इस घटना के बारे में न तो अमेरिका और न ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमन सरकार ने कोई आधिकारिक बयान जारी किया है। मारिब, एक रणनीतिक और तेल से भरपूर प्रांत है, जो यमन सरकार के नियंत्रण में है। 2014 के आखिर में गृह युद्ध शुरू होने के बाद से अल-कायदा और हूती संगठनों ने प्रांत में अपनी गतिविधियां बढ़ाने की कोशिश की है।

कैलिफोर्निया में जन्मदिन समारोह में गोलीबारी, 4 लोगों की मौत, 10 घायल

एजेंसी

कैलिफोर्निया। अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया के सेंट्रल वैली के स्टॉकटन शहर में रविवार शाम जन्मदिन समारोह में हुई गोलीबारी में 4 लोगों की मौत हो गई। घटना में कम से कम 10 अन्य लोगों को गोली है। यह वारदात स्टॉकटन से करीब छह मील उत्तर में ल्यूसिल एवेन्यू के पास शाम करीब छह बजे हुई। सीएनएन और सीबीएस न्यूज चैनल की रिपोर्ट में पुलिस और सैन जोकिन काउंटी शेरिफ ऑफिस के हवाले से घटना की जानकारी दी गई। पुलिस और शेरिफ ऑफिस का कहना है कि संदिग्ध फरार है। शेरिफ ऑफिस की प्रवक्ता हीथर ब्रेंट ने बताया कि गोलीबारी ल्यूसिल एवेन्यू के पास डेयरी क्वीन के पीछे एक बैंक्वेट हॉल में हुई। बैंक्वेट हॉल में पारिवारिक समारोह चल रहा था। गोली लगने से घायल सभी लोगों को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया।

उन्होंने कहा, ''शुरुआती संकेतों से पता चलता है कि घात

लगाकर गोलीबारी की गई। इस समय जानकारी बहुत ही सीमित है।'' उन्होंने कहा कि शेरिफ ऑफिस जांच कर रहा है। स्टॉकटन के वाइस मेयर जेसन ली ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, गोलीबारी एक बच्चे की जन्मदिन पार्टी में हुई। इसमें परिवार और अन्य कुछ करीबी मित्र शामिल थे। ब्रेंट ने कहा कि अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

पोखरा हवाईअड्डे पर अवतरण दौरान बुद्ध एयर का विमान पक्षी से टकराया, इंजन में आई खराबी

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू-पोखरा रूट पर उड़ान भर रहे बुद्ध एयर के विमान (फ्लाइट नंबर 617) को शनिवार पोखरा विमानस्थल पर अवतरण के दौरान एक पक्षी से टक्कर हो गई। बुद्ध एयर के पोखरा कार्यालय के अनुसार प्रारंभिक जांच में पता चला है कि विमान से टकराने वाला पक्षी गिद्ध था। अल्फा-ओस्कर-चार्ली कॉलसाइन वाला यह एटीआर-72 विमान रनवे नंबर 12 के पूर्वी हिस्से से उतरते समय गिद्ध से टकराया, जिससे विमान के दाहिने इंजन के एक प्रोपेलर को नुकसान पहुंचा। बुद्ध एयर के तरफ से बयान जारी कर बताया कि विमान में कुल 68 यात्री सवार थे और सभी यात्री तथा चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। विमान को काठमांडू वापस लौटते समय 72 यात्रियों को लेकर आना था, लेकिन क्षति का मूल्यांकन और मरम्मत होने के बाद ही यह दोबारा उड़ान भर सकेगा।

पोखरा विमानस्थल के महाप्रबंधक जगन्नाथ निरौला ने

बताया कि लगभग एक माह पहले भी पोखरा से काठमांडू के लिए उड़ान भर रहे बुद्ध एयर के एटीआर विमान की गिद्ध से टक्कर हुई थी, जिसके बाद उसे पुनः रनवे पर लौटना पड़ा था। नेपाल के विमानस्थलों में पोखरा को उन स्थानों में गिना जाता है जहाँ पक्षियों की गतिविधि अधिक रहती है, इसलिए पायलटों और एयरलाइन्स को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी पड़ती है। अधिकारियों ने बताया कि इजिप्शियन वल्चर एक प्रवासी (मौसमी) पक्षी है, जिसकी उपस्थिति पोखरा क्षेत्र में अक्सर देखने को मिलती है।

ट्रंप के एयरस्पेस बंद करने की घोषणा पर वेनेजुएला बोला, काराकास पर दबाव बना रहा यूएस

एजेंसी

न्यूयॉर्क। वेनेजुएला के रास्ते यूएस में ड्रग्स की सप्लाई पर अमेरिका का सख्त रुख जारी है, जिससे दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण हालात बने हुए हैं। हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो से फोन पर भी बातचीत की थी, लेकिन अब ट्रंप ने वेनेजुएला में एयरस्पेस बंद करने की घोषणा कर दी, हालांकि इस पर वेनेजुएला की प्रतिक्रिया भी सामने आ गई है। वेनेजुएला सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'ट्रंप की टिप्पणी अंतर्राष्ट्रीय मानकों के खिलाफ है और किसी स्वतंत्र राष्ट्र की संप्रभुता के प्रति सीधी धमकी है। अमेरिका लगातार वेनेजुएला पर दबाव बनाने और काराकास की राजनीतिक स्थिरता को प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है।' दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा था, 'सभी

एयरलाइंस, पायलट, ड्रग डीलर और ह्यूमन ट्रैफिकर्स से निवेदन है कि वेनेजुएला के ऊपर और आसपास के एयरस्पेस को पूरी तरह से बंद करने पर विचार करें। इस मामले पर ध्यान देने के लिए आपका धन्यवाद!'

एयरस्पेस बंद करने के ऐलान के बाद इस बात की अटकलें तेज हो गई है कि क्या अमेरिका वेनेजुएला पर हमला करने की तैयारी कर रहा है? फिलहाल इन कयासों पर अमेरिका की तरफ से कोई टिप्पणी नहीं आई है। अमेरिका लगातार आरोप लगाता रहा है कि वेनेजुएला के रास्ते से यूएस में ड्रग्स की सप्लाई हो रही है। इसी वजह से कैरेबियन सागर में अमेरिका ने बीते कुछ हफ्तों में हमले तेज कर दिए हैं। अमेरिका ने हवा से 20 से ज्यादा जहाजों पर हमला किया और 80 से ज्यादा लोग मारे गए। अमेरिकी राष्ट्रपति ने गुरुवार को थैंक्सगिविंग डे पर सैनिकों को संदेश दिया, 'हम उन्हें जमीन से रोकना शुरू करेंगे। जमीन पर कार्रवाई आसान है और बहुत जल्द शुरू होने वाली है।' इस इलाके में भारी संख्या में एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस गेराल्ड फोर्ड के अमेरिकी नेवी जहाजों को तैनात किया गया है। इसके अलावा 15,000 मिलिट्री के लोग तैनात हैं। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने एक सूत्र के हवाले से बताया कि ट्रंप और मादुरो ने फोन पर बात की। दोनों नेताओं ने दूसरी बातों के अलावा सीधी मुलाकात को लेकर चर्चा की। इस दौरान अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो भी फोन पर जुड़े थे।

फ्रांस-यूक्रेन के बीच राफेल सौदा केवल इरादे की घोषणा है

जेंसी

पेरिस। यूक्रेन और फ्रांस के बीच एक सौ बहुउद्देशीय राफेल जेट और एसएएमपी-टी वायु रक्षा प्रणालियों की आपूर्ति के लिए जिस दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर हुए हैं वह कोई 'खरीद-बिक्री समझौता' नहीं है, बल्कि सिर्फ इरादे की घोषणा है। एक यूरोपीय राजनयिक सूत्र ने स्पुतनिक को यह जानकारी दी। 17 नवंबर को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की की फ़्रांस यात्रा के दौरान, फ़्रांस और यूक्रेन ने 100 राफेल लड़ाकू जेट और एसएएमपी-टी वायु रक्षा प्रणालियों की खरीद के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। बाद में यूक्रेन के पूर्व प्रधानमंत्री मायकोला अजारोव ने स्पुतनिक को बताया कि ज़ेलेंस्की के पास लड़ाकू विमान की

खरीद पर फ्रांस के साथ समझौता करने का अधिकार नहीं था। बीस नवंबर को रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ज़खारोवा ने कहा कि राफेल लड़ाकू विमानों और वायु रक्षा प्रणालियों की आपूर्ति पर 10 साल का फ्रांस-यूक्रेन समझौता एक 'आभासी सौदा' है, क्योंकि कीव के पास इसके लिए भुगतान करने के लिए कोई वित्तीय संसाधन नहीं है, जबकि पेरिस के पास इतने उपकरण भी नहीं हैं।

भारत इंटरनेशनल ट्रैवल मार्ट में नेपाल को मिला 'वर्ष का उत्कृष्ट साहसिक पर्यटन गंतव्य' सम्मान

एजेंसी

काठमांडू। भारत के पुणे में आयोजित भारत इंटरनेशनल ट्रैवल मार्ट (आईआईटीएम) ने नेपाल को 'वर्ष का उत्कृष्ट साहसिक पर्यटन गंतव्य' के रूप में सम्मानित किया है। यह अवार्ड नेपाल पर्यटन बोर्ड की ओर से बोर्ड सदस्य नरेन्द्र भट्ट ने प्राप्त किया।

आईआईटीएम-पुणे के अवार्ड नाइट में कार्यक्रम के दौरान 'डेस्टिनेशन प्रेजेंटेशन' सत्र में बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी रोबिन रेग्मी ने नेपाल के विविध पर्यटन आकर्षणों को समेटते हुए एक प्रभावशाली ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति में बुद्ध सर्किट, रामायण सर्किट, अंतरदेशीय इको-ट्रेल्स, यूनेस्को सूचीबद्ध सम्पदाएँ, आध्यात्मिक तीर्थमार्ग, विश्वस्तरीय ट्रेकिंग व पर्वतारोहण के अवसर

तथा रोमांचक साहसिक खेलों को मुख्य रूप से प्रस्तुत किया गया। वरिष्ठ अधिकारी रेग्मी के अनुसार नेपाल पर्यटन बोर्ड की सक्रिय भागीदारी ने भारतीय पर्यटन बाजार के साथ संबंधों को और मजबूत किया है तथा नेपाल को 'ऑल-सीजन डेस्टिनेशन' और 'लाइफटाइम एक्सपीरियंस' प्रदान करने वाले देश के रूप में स्थापित करने में योगदान दिया है। इस इवेंट में नेपाल पर्यटन बोर्ड ने 15 प्रमुख ट्रैवल ट्रेड कंपनियों के सहयोग से भारतीय यात्रा व्यवसायियों और प्रमोटरों के समक्ष नेपाल के विशिष्ट पर्यटन पैकेज व आकर्षणों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। तीन दिवसीय इस ट्रैवल मार्ट में विभिन्न देशों के सैकड़ों प्रतिनिधि व पर्यटन व्यवसायियों ने सक्रिय भागीदारी की। नेपाल पर्यटन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दीपकराज जोशी ने कहा कि आईआईटीएम पुणे 2025 में बोर्ड और साझेदारों की सफल भागीदारी ने भारतीय बाजार में नेपाल के प्रति रुचि और मांग को और बढ़ा दिया है।

जापानी प्रधानमंत्री ताकाइची के बयान पर लोगों का सड़क पर उतरा गुस्सा

एजेंसी

टोक्यो। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची के ताइवान पर दिए गए बयान के जवाब में जापानी लोगों ने टोक्यो में उनके आवास के समक्ष बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन किया। उन्होंने ताकाइची से अपने बयान वापस लेने की मांग की। सुश्री ताकाइची के बयान को लेकर गत 21 और 25 नवंबर को हुए विरोध-प्रदर्शनों के बाद सैकड़ों लोग एक बार फिर प्रधानमंत्री के सरकारी घर के सामने जमा हुए। प्रदर्शनकारियों ने 'ताकाइची इस्तीफा दें' और 'इतिहास को कभी न भूलें, वही गलतियां कभी न दोहराएं' लिखे हुए पोस्टर पकड़े हुए थे। उन्होंने जापानी प्रधानमंत्री से ताइवान पर अपने बयान वापस लेने की मांग की।प्रदर्शनकारी तोमोको ने शिन्हुआ को बताया, 'अभी जापान और चीन के बीच रिश्ते ठंडे हैं। आप इसे किसी भी तरह से देखें, यह सब ताकाइची के बयानों की वजह से है।' प्रदर्शनकारी सकामाकी ने कहा कि

जापान-चीन के रिश्ते खराब हो रहे हैं और ताकाइची को अपनी गलत बातें वापस ले लेनी चाहिए ताकि हालात और खराब न हों। एक और प्रदर्शनकारी रियो के हाथ में एक कार्टून था जिसमें ताकाइची को 'सेना के भूत' से हाथ मिलाते हुए दिखाया गया था। उन्होंने गहरी चिंता जताई कि जापान को कहीं सैन्य ताकत नहीं बना दिया जाए।

उल्लेखनीय है कि सुश्री ताकाइची ने 7 नवंबर को जापान की संसद डाइट में दावा किया कि चीन का 'ताइवान पर ताकत का इस्तेमाल' जापान के 'अस्तित्व के लिए खतरा' वाली स्थिति पैदा कर सकता है। उन्होंने ताइवान में हथियारबंद दखल की संभावना का इशारा किया, जिसकी तुरंत देश में कड़ी आलोचना हुई। सुश्री ताकाइची ने हालांकि कोई पछतावा नहीं दिखाया। उन्होंने अपनी गलत बातें वापस लेने से इनकार कर दिया और पार्टी नेताओं की बहसों में भी अपना बचाव करती रहीं।

चीन तटरक्षक बल ने हुआंगयान दाओ के आसपास के जलक्षेत्र में गश्त की

एजेंसी

बीजिंग। चीन तटरक्षक बल (सीसीजी) ने चीन के हुआंगयान दाओ के क्षेत्रीय जल क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कानून प्रवर्तन गश्त की। एक बयान में सीसीजी ने कहा कि नवंबर महीने से ही उसने

हुआंगयान दाओ के क्षेत्रीय जल क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कानून प्रवर्तन गश्त को और मजबूत कर दिया है। सीसीजी ने कानून और विनियमों के अनुसार, इस क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण और उत्पीड़न करने वाली गतिविधियों में लगे जहाजों और विमानों के खिलाफ निगरानी, चेतावनी, रोकने और खदेड़ने के ऑपरेशन किए। सीसीजी ने कहा, ये ऑपरेशन संबंधित समुद्री क्षेत्रों के प्रबंधन और नियंत्रण को मजबूत करने तथा चीन की क्षेत्रीय संप्रभुता और समुद्री अधिकारों एवं हितों की दृढ़ता से रक्षा करने के उद्देश्य से किए गए।

दित्वाह तूफान से आई आपदा में मरने वालों की संख्या पहुंची 153, भारतीय हेलीकॉप्टरों ने बचाई 8 की जान

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका में तूफान दित्वाह की वजह से आई आपदा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 153 हो गई है। स्थानीय मीडिया ने डिजास्टर मैनेजमेंट सेंटर (डीएमसी) के हवाले से जानकारी दी है कि कम से कम 191 लोग लापता हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन को और तेज कर दिया गया है। न्यूज आउटलेट डेली मिरर के अनुसार भारी बारिश, बाढ़ और लगातार लैंडस्लाइड की वजह से कई जगहों पर आम लोगों की जिंदगी में मुश्किलें खड़ी हो गई है। अभी वहां मौसम खराब है। सरकार की ओर से जारी नए आंकड़ों के अनुसार 25 जिलों के 217,263 परिवारों के 774,724 लोग प्रभावित हुए हैं। इसके साथ ही कई इलाके अभी बाढ़, लैंडस्लाइड और लगातार बारिश की चपेट में हैं। डीएमसी ने बताया कि 27,494 परिवारों के 100,898 लोग राहत शिविर में रह रहे हैं। देशभर में 798 शिविर में लोगों को रखा जा रहा है। दूसरी ओर अधिकारी राहत पहुंचाने और बेघर हुए लोगों की सुरक्षा

सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं। इस आपदा से कुछ जगह संपर्क मार्ग कट गया है। ऐसे में रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कत आ रही है। श्रीलंका के राष्ट्रपति के मीडिया विभाग ने कहा कि श्रीलंका के टेलीकम्युनिकेशन ऑपरेटर नेटवर्क कंजेशन (दूरसंचार ऑपरेटर नेटवर्क की भीड़) को कम करने और प्रतिक्रिया प्रणाली (रिस्पॉन्स सिस्टम) को मजबूत करने के लिए इमरजेंसी कॉल को प्राथमिकता देने पर सहमत हो गए हैं। हालांकि रविवार से मौसम में सुधार होने की उम्मीद है।

वहीं श्रीलंका में आई इस आपदा से निपटने के लिए भारत ने मदद का हाथ बढ़ाया है। भारतीय रेस्क्यू टीम श्रीलंका एयरफोर्स, नेवी, आर्मी, पुलिस और स्थानीय फर्स्ट रेस्पॉन्डर्स के साथ मिलकर बाढ़ से प्रभावित समुदायों की मदद कर रहे हैं। संकट में फंसे लोगों को निकालने, रेस्क्यू पहुंचाने और इमरजेंसी मदद की कोशिशें चल रही हैं।

दो भारतीय नेवी हेलीकॉप्टरों ने पन्नाला में बाढ़ के पानी में फंसे आठ लोगों को बचाया। अधिकारियों ने कहा कि चार भारतीय हेलीकॉप्टर अभी पूरे देश में बचाव मिशन में लगे हुए हैं। इनमें से दो एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत से चल रहे हैं। एयरक्राफ्ट ने पन्नाला इलाके में कई उड़ानें भरीं। इन इलाकों में पानी का स्तर तेजी से बढ़ने के कारण कई घरों तक पहुंचना मुश्किल हो गया था। इसके बाद वहां से रेस्क्यू किए गए लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया और स्थानीय अधिकारियों को सौंप दिया गया।

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11/30/2025 3:22 PM Page 2

दिसंबर में बोई जाने वाली फसलें

हर फसल की बुवाई का अपना समय होता है। यदि उचित समय पर फसलों की बुवाई की जाएं तो अच्छा उत्पादन प्राप्त होता है। इसलिए हमें इस बात की जानकारी होना बेहद जरूरी है कि किस माह कौनसी खेती करें ताकि भरपूर उत्पादन के साथ ही अच्छा मुनाफा कमाया जा सके। वैसे तो आजकल अधिकतर सब्जियों की खेती बारहों माह होने लगी है। पर बेमौसमी फसल लेने से उत्पादन में कमी तो आती ही साथ ही फसल की गुणवत्ता भी कम होती है जिससे उसके बाजार में अच्छे भाव नहीं मिल पाते जबकि सही समय पर फसल लेने से बेहतर उत्पादन के साथ भरपूर कमाई की जा सकती है। तो आइए जानते हैं दिसंबर माह में कौन-कौनसी फसल की खेती करें ताकि भरपूर कमाई हो सके।

दिसंबर माह में टमाटर की खेती की जा सकती है। इसके लिए इसकी उन्नत किस्मों का चयन किया जाना चाहिए। इसकी उन्नत किस्मों में अर्का विकास, सर्वोदय, सिलेक्शन -4, 5-18 स्मिथ, समय किंग, टमाटर 108, अंकुश, विकरंक, विपुलन, विशाल, अदिति, अजय, अमर, करीना, अजित, जयश्री, रीटा, बी.एस.एस. 103, 39 आदि प्रमुख रूप से शामिल हैं।

ऐसे करें नर्सरी तैयार - टमाटर की नर्सरी में दो तरह की क्यारियां बनाई जाती हैं। पहली उपर उठी हुई क्यारियां तथा दूसरी समतल क्यारियां। गर्मी के मौसम में पौधे तैयार करने हेतु समतल क्यारियां बनाते हैं, और अन्य मौसम जैसे वर्षा एवं ठंड के लिए उपर उठी हुई क्यारियां बननी चाहिए। ओपन पोलिनेटेड किस्मों में 400 ग्राम बीज प्रति हेक्टेयर एवं संकर जातियों में 150 ग्राम बीज प्रति हेक्टेयर की दर से आवश्यकता होती है।

टमाटर के पौधे 25-30 दिन में अक्सर रोपाई योग्य हो जाते है, यदि तापमान में कमी हो तो बोवाई के बाद 5-6 सप्ताह भी लग जाते हैं। लाइन से लाइन की दूरी 60 से. मी. एवं पौधे से पौधे की दूरी 45 से. मी. रहे। पौधों के पास की मिट्टी अच्छी तरह उंगलियों से दबा दें एवं रोपाई के तुरंत बाद पौधों को पानी देना ने भूलें। शाम के समय ही रोपाई करें, ताकि पौधों को तेज धूप से शुरू की अवस्था में बचाया जा सके।

मूली की फसल के लिए ठंडी जलवायु अच्छी रहती है। मूली का अच्छा उत्पादन लेने के लिए जीवांशयुक्त दोमट या बलुई दोमट मिट्टी अच्छी होती है। इसकी उन्नत किस्में जापानी सफ़ेद, पूसा देशी, पूसा चेतकी, अर्का निशांत, जौनपुरी, बॉम्बे रेड, पूसा रेशमी, पंजाब अगेती, पंजाब सफ़ेद, आई.एच. आर1-1 एवं कल्याणपुर सफ़ेद है। शीतोषण प्रदेशो के लिए रैपिड रेड, ह्वाइट टिप्स, स्कारलेट ग्लोब तथा पूसा हिमानी अच्छी प्रजातियां है।

मूली की बुवाई मेड़ों तथा समतल क्यारियों में भी की जाती है। लाइन से लाइन या मेड़ों से मेंड़ों की दूरी 45 से 50 सेंटीमीटर तथा उचाई 20 से 25 सेंटीमीटर रखनी चाहिए। वहीं पौधे से पौधे की दूरी 5 से 8 सेंटीमीटर होनी चाहिए। मूली की बुवाई के लिए मूली का बीज 10 से 12 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर पर्याप्त होता है। मूली के बीज का शोधन 2.5 ग्राम थीरम से एक किलोग्राम बीज की दर से उप शोधित करना चाहिए या फिर 5 लीटर गौमूत्र प्रतिकिलो बीज के हिसाब से बीजोपचार के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके बाद उपचारित बीज को 3 से 4 सेंटीमीटर की गहराई पर बोना चाहिए।

पालक को ठंडे मौसम की जरूरत होती है पालक की बुवाई करते समय वातावरण का विशेष ध्यान देना चाहिए। उपयुक्त वातावरण में पालक की बुवाई वर्ष भर की जा सकती है। पालक की उन्नत किस्मों में प्रमुख रूप से पंजाब ग्रीन व पंजाब सलेक्शन अधिक पैदावार देने वाली किस्में मानी जाती हैं। इसके अलावा पालक की अन्य उन्नत किस्मों में पूजा ज्योति, पूसा पालक, पूसा हरित, पूसा भारती आदि शामिल हैं।

बुवाई का तरीका = अधिकतर पालक सीधे खेत में बोया जाता है। किसान सीधे जमीन पर पंक्तियों में पालक के बीज (ज्यादातर संकर) लगा सकते हैं या उन्हें खेत में फैला सकते हैं। पौधों को बढने के लिए बीच में पर्याप्त जगह की आवश्यकता होती है। सीधे बीज बोने पर, हम 1-1,18 इंच (2,5-3 सेमी) की गहराई में पंक्तियों में बीज लगाते हैं। निरंतर उत्पादन के लिए, हम हर 10-15 दिनों में बीज बो सकते हैं।

इसे हर तरह की भूमि पर उगाया जा सकता है पर अच्छे जल निकास वाली हल्की भूमि इसके लिए सबसे अच्छी हैं मिट्टी की पी एच 5.5-6.5 होनी चाहिए। यह अत्याधिक अम्लीय मिट्टी में वृद्धि नहीं कर सकती। किसकी उन्नत किस्मों में गोल्डन एकर, पूसा मुक्त, पूसा ड्रमहेड, के-वी, प्राइड ऑफ इंडिया, कोपन हगें, गंगा, पूसा सिंथेटिक, श्रीगणेश गोल, हरयाणा, कावेरी, बजरंग आदि हैं। इन किस्मों की औसतन पैदावार 75-80 क्विंटल प्रति एकड़ होती है।

बुवाई का तरीका - इसकी बीजों की बुवाई 1-2 सेंटीमीटर की गहराई पर करनी चाहिए। जल्दी बोई जाने वाली फसल में फासला 45×45 सेंटीमीटर और देर से बोई जाने वाली फसल के लिए 60×45 सेंटीमीटर होना चाहिए। एक एकड़ में बुवाइ के लिए इसके 200-250 ग्राम बीज की मात्रा पर्याप्त होती है। बीजों को बुवाई से पहले उपचारित कर लेना चाहिए। इसके लिए पहले बीज को गर्म पानी में 50 डिग्री सेल्सियस 30 मिनट के लिए या स्ट्रैपटोसाइकलिन 0.01 ग्राम प्रति लीटर में दो घंटों के लिए भिगो दें । बीज उपचार के बाद उन्हें छांव में सुखाएं और बैडों पर बीज दें। रबी की फसल में गलने की बीमारी बहुत पाई जाती है और इससे बचाव के लिए बीज को मरकरी कलोराईड के साथ उपचार करें। इसके लिए बीज को मरकरी कलोराइड 1 ग्राम प्रति लीटर घोल में 30 मिनट के लिए डालें और छांव में सुखाएं। रेतली जमीनों में बोई फसल पर तने का गलना बहुत पाया जाता है। इसको रोकने के लिए बीज को कार्बेनडाजिम 50 प्रतिशत डब्लयू पी 3 ग्राम से प्रति किलो बीज का उपचार करें। इसकी बिजाई दो तरीके से की जा सकती है। पहली गड्ढा खोदकर व दूसरा खेत में रोपाई करके। नर्सरी में सबसे पहले बिजाई करें और खादों का प्रयोग आवश्यकता के अनुसार करें। बिजाई के 25-30 दिनों के बाद नए पौधे रोपाई के लिए तैयार हो जाते हैं। खेत में पौध की रोपाई के लिए 3-4 सप्ताह पुराने पौधों का प्रयोग करें।

बैंगन की खेती

बैंगन की खेती के लिए जैविक पदार्थों से भरपूर दोमट एवं बलुआही दोमट मिट्टी बैंगन के लिए उपयुक्त होती है। इसकी उन्नत किस्मों में पूसा पर्पल लौंग, पूसा पर्पल राउंड, पूसा पर्पल क्लस्टर, पूसा क्रांति, पूसा अनमोल, मुक्तकेशी अन्नामलाई, बनारस जैट आदि है।

बैंगन लगाने के लिए बीज को पौध-शाला में छोटी-छोटी क्यारियों में बोकर बिचड़ा तैयार करते हैं। जब ये बिचड़े चार-पांच सप्ताह के हो जाते हैं तो उन्हें तैयार किए गए उर्वर खेतों में लगाते हैं। इसकी बुवाई के लिए प्रति हेक्टेयर 500-700 ग्राम बीज की आवश्यकता होती है। इसकी बुवाई करते समय लंबे लम्बे फलवाली किस्मों में कतार से कतार की दूरी 30 सेंटीमीटर व पौधे से पौधे की दूरी 45 सेंटीमीटर तथा गोल फलवाली किस्में कतार से कतार की दूरी 75 सेंटीमीटर व पौधे से पौधे के बीच 60 सेंटीमीटर की दूरी रखी जानी चाहिए।

सलाद एक मुख्य विदेशी फसल है। दूसरी सब्जियों की तरह यह भी पूरे भारत में पैदा की जाती है। इस की कच्ची पत्तियों को गाजर, मूली, चुकंदर व प्याज की तरह सलाद और सब्जी के तौर पर प्रयोग में लाया जाता है। इस फसल को ज्यादातर व्यावसायिक रूप से पैदा करते हैं और फसल की कच्ची व बड़ी पत्तियों को बड़े-बड़े होटलों और घरों में मुख्य सलाद के रूप में इस्तेमाल करते है। इसकी खेती के लिए 12 -15 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान उपयुक्त होता है। सलाद की फसल के लिए हल्की बलुई दोमट व मटियार दोमट भूमि उपयुक्त होती है। भूमि में पानी रोकने की क्षमता होनी चाहिए ताकि नमी लगातार बनी रहे। पी.एच. मान 5.8-6.5 के बीच की भूमि में अच्छा उत्पादन होता है।

इसकी उन्नत किस्मों में ग्रेट लेकस, चाइनेज यलो तथा स्लोवाल्ट मुख्य जातियां हैं। सलाद की बुवाई के पहले पौधशाला में पौध तैयार करते है। इसकी बुवाई के लिए 500-600 ग्राम प्रति हेक्टर पर्याप्त होता है। बीज को पौधशाला में क्यारियां बनाकर पौध तैयार करना चाहिए। जब पौध 5-6 सप्ताह की हो जाए तब उसे खेत में रोपा जाना चाहिए। पौधों की रोपाई करते लगाते समय कतारों की दूरी 30 सेमीमीटर तथा पौधे से पौधे की 25 सेमीमीटर रखनी चाहिए। प्याज रबी और खरीफ दोनों की मौसम में होता है। प्याज की बुवाई आमतौर पर नवंबर के अंतिम सप्ताह में की जाती है लेकिन किसान इसकी बुवाई दिसंबर तक कर सकते हैं।

कम जगह में उगाएं तरह-तरह की सब्जियां

आजकल शहरों में भी छत पर या गार्डन में सब्जियों की क्रेज बढ़ती जा रही है. इससे रसोई की आवश्यकतानुसार सब्जियां मिलती हैं और घर की छत और गार्डन की सजावट भी होती है. कई लोग छत पर बागवानी करना चाहते हैं, लेकिन बहुत कम जगह है. ऐसे लोग छत, दीवार, जाली और बक्से पर स्ट्रक्चर बनाकर सब्जियां और फूल उगा सकते हैं. बहुत से लोग अपनी छत को सजाने और अपना क्रेज पूरा करने के लिए ये खास तरीके अपना रहे हैं.

अक्सर देखा जाता है कि छत पर गमलों का आकार अधिक जगह लेता है. ऐसे में छत पर सीमेंट की क्यारियां बनाकर अलग-अलग सब्जियां और फूल उगा सकते हैं. इस प्रकार उगाए गए पौधे तेजी से बढ़ते हैं और कम खाद-पानी में अच्छी पैदावार देते हैं. पौधों की देखभाल भी इस तरह आसान हो जाती है.

लकड़ी के बक्से में भी गार्डनिंग करना बहुत आसान है. ऐसा करने से आप बकसों को आवश्यकतानुसार कहीं भी स्थानांतरित कर सकते हैं. बक्सों में गार्डनिंग करने के लिए उन्हें ऊपर तक मिट्टी और खाद के मिश्रण से भर दिया जाता है और विभिन्न सब्जियों और फूलों के पौधे लगाए जा सकते हैं. लकड़ी के बक्से खरीदे जा सकते हैं या बनाए जा सकते हैं.

बेल वाली सब्जियां और पौधे लगाने में लोहे की जाली भी अच्छी काम करती है. पौधों की बेल को क्यारियों या गमलों के पास लोहे की जाली पर लपेटकर पौधों की लंबाई बढ़ाई जाती है. ऐसा करने से खाली दीवार को सजावट मिलती है और एक छोटे से गार्डन से विभिन्न बेल वाली सब्जियां मिलती हैं. ऐसा करने से पौधों को कटाई-छंटाई और ग्राफ्टिंग करना भी आसान होता है.

प्लास्टिक से बने ग्रो-बैग्स में मिट्टी और खाद भरकर सब्जियों और फूलों की गार्डनिंग की जाती है. इसमें पौधों की लंबाई को सहारा देने के लिए बांस की लकड़ी या खपच्चियों का उपयोग किया जाता है.

इन ग्रो बैग्स को छत पर शेल्फ या अलमारी में रखा जा सकता है या एक अलमारी में कई प्रकार से रख सकते हैं.

'प्राकृतिक खेती

खेती-किसानी में बढ़ रहे रसायनों के इस्तेमाल से जमीन पर भी असर पड़ रहा है. खेती में रसायन के प्रयोग से किसानों की जमीन खराब हो रही है. कुछ किसानों का मानना होता है कि रसायन युक्त उर्वरक से उनकी फड्डसल अच्छी होती है लेकिन इससे मिट्टी की गुणवत्ता खराब हो जाती है. दुनिया में जलवायु परिवर्तन की समस्या बढ़ रही है. इस तरह की खेती से फसलों का भी बहुत नुकसान होता है और इसका मानव शरीर पर भी बुरा असर पड़ता है. इन सभी समस्याओं से दूर रहने के लिए किसान भाई प्राकृतिक खेती को अपना सकते हैं.

इस खेती में किसानों का खर्च कम हो जाता है. प्राकृतिक खेती में गाय का गोबर और गोमूत्र आदि का इस्तेमाल होता है. गाय के गौबर और मूत्र में 16 तरह के पोषक मौजूद तत्व होते हैं, जो मिट्टी की क्वालिटी और फसल की उत्पादकता बढ़ाने में मददगार साबित होते हैं.

प्राकृतिक खेती को जीरो बजट खेती भी कहते हैं क्योंकि अधिकांश किसान गाय पालते हैं, जिसके गोबर का उपयोग जीवामृत बनाने के लिए किया जाता है. किसान एक गाय के गोबर से लगभग 30 एकड़ जमीन पर खेती करने के लिए जीवामृत बना सकते हैं.

देसी गाय के गोबर और मूत्र की गंध से केंचुआ खाद बनाने में केंचुआ की संख्या बढ़ती है. प्राकृतिक तरीके से खेती करने पर मिट्टी में कीड़ों और कचरे की संभावना कम होने से खेत को गहरी जुताई की आवश्यकता नहीं होती.

इस प्रक्रिया से सिंचाई के लिए सिर्फ 10न्न पानी की आवश्यकता होती है. ज्यादा सिंचाई हानिकारक हो सकती है क्योंकि इससे जड़ों की लंबाई बढ़ती है लेकिन तनों की मोटाई और पौधों की लंबाई कम होती है.

प्राकृतिक खेती में मुख्य साधन देसी बीजों और खाद हैं. जो फसल की उत्पादकता में सुधार करते हैं. किसानों को अलग से कीटनाशक और उर्वरक खरीदने की आवश्यकता नहीं होती, जिससे उनका खर्च कम होता है.

शोपियां -6.6 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडा रहा

श्रीनगर, 30 नवंबर । कश्मीर घाटी में श्रीनगर में न्यूनतम तापमान -4.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो निवासियों के लिए एक और बर्फीली सुबह थी। कई अन्य क्षेत्रों में भी भीषण ठंड देखी गई पहलगाम -5.6 डिग्री सेल्सियस , कुपवाड़ा -5.0डिग्री सेल्सियस और पंपोर और अनंतनाग दोनों -6.0डिग्री सेल्सियस तक गिर गए। हालाँकि घाटी में सबसे ठंडा शोपियां -6.6डिग्री सेल्सियस रहा जबकि बारामूला -6.46.डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया। प्रसिद्ध स्कीइंग स्थल गुलमर्ग में तापमान -1.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

काजीगुंड और अवंतीपोरा दोनों क्रमश -3.0 डिग्री सेल्सियस और -4.4डिग्री सेल्सियस । इस बीच ज़ोजिला दर्रा -15.0डिग्री सेल्सियस के चरम पर जम गया और ज़ेथन राफियाबाद में -5.5एष्ट दर्ज किया गया।

जम्मू क्षेत्र में सर्दी बढ़ गई क्योंकि जम्मू शहर में न्यूनतम तापमान 8.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।